जबलपुर शनिवार 05 सितंबर 2026 > शक संवत 1948, भाद्रपद कृष्ण पक्ष, नवमीं   वर्ष 32 अंक 68 मूल्य ₹3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

स्वतंत्र मत

www.swatantramat.com

मौसम

अधिकतम तापमान 25.9°C

न्यूनतम तापमान 23.0°C

सूर्योदय - 5.54 | सूर्यास्त - 6.24

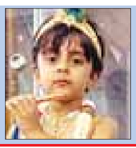
श्रद्धाभाव और उल्लास के साथ मनाई श्रीकृष्ण ... ▸▸ 5

'इंद्रपुत्र' से जुड़ेंगी खुशबू सुंदर! ... ▸▸ 7

राजस्व अधिकारी जन अपेक्षाओं पर खरा उतरें: कलेक्टर... ▸▸ 9

सर्वोच्च न्यायालय ने 7 राज्यों को दिए निर्देश

60 नहीं, 62 साल में रिटायर होंगे जज

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने जिला न्यायपालिका के अधिकारियों की सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ाने को लेकर बड़ा निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने सात राज्यों को न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने का आदेश दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने यह निर्देश दिया। शीर्ष अदालत का कहना है कि अनुभवी न्यायिक अधिकारियों को सिस्टम में बनाए रखना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और मध्य प्रदेश को अपने सेवा नियमों में बदलाव करना होगा। महाराष्ट्र, सिक्किम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भी सेवानिवृत्ति उम्र 62 साल करनी होगी। इन राज्यों को सेवा नियमों में संशोधन करने के लिए शीर्ष अदालत ने कहा है

कि यह काम जल्द से जल्द किया जाए। कोर्ट ने इसे अधिमानतः दो महीने के भीतर पूरा करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि नियमों में बदलाव होने तक इन सात राज्यों में 60 साल की उम्र पूरी करने वाले न्यायिक अधिकारी सेवानिवृत्त नहीं होंगे। उन्हें 62 साल की उम्र तक सेवा में रहने का मौका मिलेगा। हालांकि, यह अपने आप मिलने वाला अधिकार नहीं होगा। संबंधित हाईकोर्ट अधिकारी की योग्यता और प्रदर्शन का आकलन करेगा। शीर्ष अदालत ने उम्र बढ़ाने के साथ एक जरूरी शर्त भी रखी है। 60 साल की उम्र पूरी करने वाले अधिकारी की उपयुक्तता का आकलन संबंधित हाईकोर्ट करेगा। इसका मकसद यह है कि सिर्फ उम्र बढ़ने के आधार पर हर अधिकारी को सेवा में बने रहने का मौका न मिले। काम और प्रदर्शन के आधार पर तय किया जाएगा कि कौन अधिकारी आगे सेवा में रहने के योग्य है।

इन राज्यों को करना है दोबारा विचार

सुप्रीम कोर्ट ने बाकी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अपने फैसले पर दोबारा विचार करने को कहा है। शीर्ष अदालत ने दो हफ्ते का समय दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, केरल, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी से इस मुद्दे पर पुनर्विचार करने को कहा है।

यह मामला सुप्रीम कोर्ट में क्यों पहुंचा?

सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। इसमें देशभर में जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने की मांग की गई थी। इसी याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्यों के रुख पर विचार किया और सात राज्यों को उम्र बढ़ाने का निर्देश दिया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्य सरकारें न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ाने का विरोध केवल आर्थिक बोझ का हवाला देकर नहीं कर सकतीं।

कोर्ट रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने के पक्ष में क्यों?

सुप्रीम कोर्ट ने इसके पीछे न्यायपालिका में अनुभवी अधिकारियों की कमी को बड़ी वजह माना है। अदालत के मुताबिक अनुभवी न्यायिक प्रतिभा का लगातार कम होना रोकना जरूरी है। जिला न्यायपालिका में स्वीकृत पदों और वास्तव में काम कर रहे अधिकारियों की संख्या के बीच अंतर है। खाली पदों की वजह से न्याय मिलने में परेशानी नहीं होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने इसी संदर्भ में कहा कि न्याय तक लोगों की पहुंच केवल एक उम्मीद बनकर नहीं रहनी चाहिए।

भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराम से जुड़े सभी स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित करेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया भूमि-पूजन

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जानापाव वह गौरवशाली धरती है, जहां भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि परशुराम से सुदर्शन चक्र प्राप्त किया था। यह पवित्र और गौरवशाली स्थान है। महर्षि परशुराम की जन्मस्थली और साढ़े सात नदियों के उद्गम वाले इस पावन स्थल पर जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण करना सभी का सौभाग्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को इंदौर जिले के जानापाव में महाकाल लोक की तर्ज पर विकसित किए जाने वाले भगवान श्री परशुराम लोक एवं भगवान श्रीकृष्ण लोक के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम से गहरा संबंध रहा है। सरकार इस लगभग 5000 वर्ष पुराने गौरवशाली इतिहास को फिर से सामने लाने के लिए कार्य कर रही है। भगवान श्रीकृष्ण ने मध्यप्रदेश में जहाँ-जहाँ अपने चरण रखे, उन सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा। इसी प्रकार भगवान श्रीराम के चरण जहाँ-जहाँ पड़े, उन स्थलों को भी धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट धाम, जानापाव, श्रीराम के वनगमन से जुड़े आश्रम और अन्य पौराणिक स्थलों के साथ भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को भी विकसित करने की योजना है। भगवान श्रीकृष्ण के मध्यप्रदेश से संबंध को दर्शाने वाले स्थलों में रुक्मिणी हरण से जुड़े क्षेत्र तथा धार जिले में हुए युद्ध से संबंधित स्थानों को भी विकसित कर उनके गौरवशाली इतिहास को जीवंत किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसी दिशा में जानापाव को भी देश के प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र और आध्यात्मिक चेतना पीठ के रूप में विकसित किया जा रहा है। महाकाल लोक की तर्ज पर लगभग 17 करोड़ रुपये की लागत से 'श्रीपरशुराम लोक' एवं 'श्रीकृष्ण लोक' का निर्माण किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के बडगाम में एक आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले के जंगल में शुक्रवार को सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में एक आतंकी मारा गया। चिनार कॉर्प्स ने एक्स पोस्ट पर इस ऑपरेशन की जानकारी दी है। सेना के अधिकारियों के मुताबिक, मारे गए आतंकी की पहचान अभी नहीं हो पाई है। हालांकि, मौके से एक एके-47 राइफल बरामद की गई है। सुरक्षाबलों को यहां एक और आतंकी के छिपे होने की आशंका है। उसकी तलाश जारी है।

नशे में प्लेन उड़ाने वाला पायलट बर्खास्त

नई दिल्ली। फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-2379 में 4 अगस्त को हुई गंभीर घटना के बाद एयरलाइन ने पायलट-इन-कमांड के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि पायलट-इन-कमांड का साइकोएक्टिव सब्सटेंस के लिए किया गया टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है। सुरक्षा, फिटनेस या नियामकीय आवश्यकताओं के उल्लंघन के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के तहत पायलट की सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई है। यह कार्रवाई एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद सामने आई है।

9 दिन बाद टनल से जिंदा निकले दो मजदूर

काठमांडू। नेपाल में बाढ़ आने के 9 दिन बाद हाइड्रोपॉवर टनल से दो मजदूरों को जिंदा निकाला गया है। दोनों मजदूरों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। 9 दिनों तक ये मजदूर गंदे पानी के बीच भूख, प्यास और कम ऑक्सीजन जैसी कठिन स्थितियों में रहे होंगे। डॉक्टरों का कहना है कि इतने दिनों तक टनल में रहने के बाद दिमाग में सबसे बड़ा डर यही होगा कि जिंदा बचेंगे या नहीं, यही डर मेंटल हेल्थ को बिगाड़ देता है। इसस बोलने में परेशानी, भ्रम जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गंभीर स्थिति दिमाग के काम पर भी असर पड़ सकता है। दूसरी तरफच नो दिन तक ना तो उनको खाना मिला होगा और न ही पीने के लिए साफ पानी।

देश भर में एनालॉग पनीर बैन करने की तैयारी

नई दिल्ली। देश में इन दिनों प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड आयटम्स के साथ ही सभी तरह के खाने-पीने को लेकर नियम में सख्ती देखी गई है। अब फूड सेफ्टी अथॉरिटी ऑफ इंडिया देशभर में एनालॉग पनीर की बिक्री पर रोक लगाने की तैयारी में है। इसके साथ ही स्कूलों के आस-पास जंक फूड की बिक्री को भी सीमित किया जा सकता है। फूड सेफ्टी अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सीईओ राजित पुनहानी ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि एनालॉग पनीर पर 8 राज्यों ने रोक लगाई है। इन राज्यों में महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और उत्तराखंड शामिल हैं। अब देशभर में एनालॉग पनीर को बैन करने पर जोर दिया जा रहा है।

नेपाल बाढ़ में 275 भारतीय लापता

नई दिल्ली (वार्ता)। नेपाल में पिछले महीने आयी प्रलंयकारी बाढ़ के बाद अभी भी 275 भारतीय नागरिक लापता हैं जबकि 166 को बचाया गया है और चीन के क्षेत्र से 1907 भारतीय नागरिक नेपाल पहुंच चुके हैं और अब कोई भारतीय नागरिक वहां नहीं फंसा हुआ है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में यह जानकारी दी।

कैसी होनी चाहिए देश की परीक्षा व्यवस्था?

नई दिल्ली। सार्वजनिक परीक्षाओं की व्यवस्था को मजबूत और बेहतर बनाने के लिए हाई-पावर्ड टास्क फोर्स ने छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और आम नागरिकों से सुझाव और सिफारिशें मांगी हैं। इसका उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया में ऐसे सुधार करना है, जिससे व्यवस्था अधिक मजबूत, पारदर्शी और छात्रों के हित में बन सके। टास्क फोर्स का कहना है कि परीक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में छात्रों और अन्य हितधारकों की राय महत्वपूर्ण है। लोगों से मिले सुझावों के आधार पर परीक्षा प्रक्रिया में सार्थक सुधारों की दिशा तय करने में मदद मिलेगी। हाई-पावर्ड टास्क फोर्स ने समाज के अलग-अलग वर्गों से सुझाव आमंत्रित किए हैं। इसमें छात्र, अभिभावक, शिक्षक और आम नागरिक शामिल हैं। इनसे परीक्षा प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए रचनात्मक सुझाव और सिफारिशें देने की अपील की गई है।

कैसे भेज सकते हैं सुझाव?- लोग अपने सुझाव आधिकारिक माध्यमों से भेज सकते हैं। इसके लिए वेबसाइट, ईमेल, व्हाट्सऐप और टोल-फ्री हेल्पलाइन की सुविधा दी गई है। सुझाव और सिफारिशें भेजने की अंतिम तारीख 13 सितंबर 2026 है। इच्छुक छात्र, अभिभावक, शिक्षक और नागरिक निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने सुझाव भेज सकते हैं। इस पहल का मकसद देश में ऐसी परीक्षा व्यवस्था तैयार करना है, जो मजबूत, पारदर्शी और छात्र-केंद्रित हो।

3 मामलों में 41 करोड़ से ज्यादा की ठगी

20 राज्यों में 89 जगहों पर सीबीआई की छापेमारी

नई दिल्ली

सीबीआई ने डिजिटल अरेस्ट से जुड़े अपराधों के खिलाफ देश भर में सख्त कार्रवाई की है। 20 राज्यों में 89 जगहों पर छापेमारी की गई है। ऑपरेशन चक्र के तहत सीबीआई ने तीन आरोपी गिरफ्तार किए हैं। डिजिटल अरेस्ट की समस्या देश भर के नागरिकों के लिए एक गंभीर खतरा बना हुआ है। इन अपराधों के चिंताजनक स्तर को गंभीरता से लेते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को निर्देश दिया है कि वह दोषियों और ऐसे अपराधों में मदद करने वाले बड़े नेटवर्क के खिलाफ ठोस कार्रवाई करे। डिजिटल अरेस्ट के तीन केसों में 41 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी सामने आई है। संगठित साइबर अपराध के खिलाफ अपनी लगातार लड़ाई को आगे बढ़ाते हुए, सीबीआई ने अलग-अलग राज्यों से डिजिटल अरेस्ट से जुड़े कई मामले अपने हाथ में लिए हैं। साइबर अपराधी कानून-प्रवर्तन और सरकारी अधिकारियों का रूप धरकर पीड़ितों को डिजिटल रूप से बंधक बना लेते थे। उन्हें बड़ी रकम ट्रांसफर करने के लिए मजबूर करते थे। इनमें से तीन मामलों में, सीबीआई ने देश भर में समन्वित तलाशी अभियान चलाया है। इस दौरान धोखाधड़ी से हासिल पैसे का पता लगाने, सिंडिकेट के पीछे के लाभार्थियों और संचालकों की पहचान करने और सबूत नष्ट होने से पहले आपत्तिजनक सामग्री ज़ब्त करने के लिए एक साथ कार्रवाई की गई। ये ऑपरेशन विस्तृत वित्तीय और तकनीकी विश्लेषण

के आधार पर बहुत सावधानी से प्लान किए गए थे, जिसमें बैंक खातों और ऑनलाइन अकाउंट एक्सेस डेटा की जांच शामिल थी।

ये हैं तीन बड़े मामले

तीन मामलों में से एक केस बीआईटीएस पिलानी से जुड़ा है, जिसमें पीड़ित को तीन महीने तक 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा गया। पुलिस अधिकारी बनकर स्कैमर्स ने उससे 7.67 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। एक और मामले में, गुजरात में स्कैमर्स ने पीड़ित को 3 महीने तक डिजिटल अरेस्ट में रखा और पुलिस अधिकारी बनकर 19.24 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। तीसरा मामला कर्नाटक का है, जिसमें पीड़ित को एक महीने तक डिजिटल अरेस्ट में रखा गया और 15.45 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई।

स्वतंत्र भारद्वाज बुलंदशहर से हिरासत में लिया गया

जंतर-मंतर पर निशु आजाद के पिता से मारपीट का है आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान हुई मारपीट के मामले में दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को हिरासत में लिया है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से स्वतंत्र को पकड़ा है। यह कार्रवाई एक वायरल पॉडकास्ट क्लिप के सामने आने के बाद हुई है, जिसमें आरोपी ने निशु आजाद के पिता संजय कुमार पर हमला करने की बात कथित तौर पर कबूल की थी। दरअसल, घटना 23 जून 2026 की है, जब जंतर-मंतर पर सीजेपी का प्रदर्शन चल रहा था। शिकायतकर्ता संजय कुमार अपनी 14 वर्षीय बेटी के साथ प्रदर्शन में शामिल होने आए थे। शाम लगभग 5.30 बजे जब वह अपने फोन से वीडियो बना रहे थे, तब एक युवक से उनका विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि 2-3 युवकों ने संजय को घेर लिया और घूंसे व लोहे के कड़े जैसी ठोस चीज से उनके सिर पर वार किया।

महिलाओं के खिलाफ अत्याचार पर सरकार की चुप्पी से अपराधियों के हौसले बुलंद: कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी सरकार में महिलाएं असुरक्षित हैं और उनके खिलाफ लगातार हो रहे अत्याचार के मामलों में तत्काल कार्रवाई करते हुए दोषियों को कानून के तहत सजा दी जानी चाहिए। महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश में महिलाओं के खिलाफ जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं, वे बेहद चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में जिस तरह नक्सली दिमाग शब्द का इस्तेमाल किया, वह अपराधियों के हौसले बुलंद कर रहा है। ऐसे लोगों को अपने किए अपराध पर न कोई पछतावा है और न पश्चाताप। उन्होंने कहा कि निशु आज़ाद ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से न्याय की गुहार लगाई है। निशु के साथ जिन लोगों ने अत्याचार किया है, उनके खिलाफ 24 घंटे के भीतर कानून के तहत कार्रवाई शुरू होनी चाहिए और तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए। सुश्री लांबा ने कहा कि महिला कांग्रेस महिलाओं के खिलाफ होने वाले अत्याचार के विरोध में आज संसद मार्ग थाने के बाहर प्रदर्शन कर रही है, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हो रही हैं। उन्होंने कहा कि निशु तथा अन्य पीड़ित महिलाओं के साथ अत्याचार करने वालों के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने गुरुवार को गृहमंत्री अमित शाह के कार्यक्रम के दौरान दिल्ली पुलिस ने दो महिला पत्रकारों के साथ बर्बरता की घटना को लेकर भी चिंता जताई और कहा कि दोनों महिला पत्रकार गृहमंत्री से सवाल पूछना चाहती थीं लेकिन पुलिस ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें साकेत से हिरासत में लिया।

मेडिकल स्टोर संचालिका से 40 लाख की डकैती

मऊगंज। मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले में हथियारबंद बदमाशों ने मेडिकल स्टोर संचालिका को नाबालिग बेटे के सामने बंधक बना लिया। गर्दन पर तलवार, गड़ासा और रिवॉल्वर टिकाकर 40 लाख रुपए की डकैती की। महिला के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया, ताकि चिल्ला न सके। वारदात गुरुवार देर रात तिलया गांव की है। पीड़ित बेबी साहू के मुताबिक, वह नाबालिग बेटे के साथ घर पर थीं। पति अनिल कुमार साहू किसी काम से बाहर गए हुए थे। घर और मेडिकल स्टोर एक ही परिसर में हैं। रात करीब 11 बजे बाइक से दो युवक दवाई लेने के बहाने घर पहुंचे। महिला के अनुसार, दवाई लेने के बाद 5 और बदमाश आए, जिनके हाथों में हथियार थे। बदमाशों के पास कट्टा, रिवॉल्वर, गड़ासा और तलवार जैसे हथियार थे। हथियारों का डर दिखाकर उन्होंने महिला को काबू में कर लिया। बेबी साहू का कहना है कि बदमाशों ने उन्हें रात करीब 11 बजे

से 1 बजे तक करीब दो घंटे बंधक बनाए रखा। इस दौरान उनका नाबालिग बेटा भी घर में मौजूद था। बदमाशों ने घर और मेडिकल स्टोर की तलाशी ली। सामान खंगाला और जेवरात, नकदी समेत मेडिकल स्टोर का सामान अपने कब्जे में ले लिया। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि बदमाश घर से सोने-चांदी के जेवरात और नकदी के अलावा मेडिकल स्टोर का सामान भी ले गए। उन्होंने करीब 40 लाख रुपए की संपत्ति ले जाने का दावा किया।

36000 किमी से तस्वीरें लेने वाला सैटेलाइट लांच

पाकिस्तान-चीन पर लगातार नजर रखेगा, आपदा से पहले करेगा अलर्ट

श्रीहरिकोटा

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने गुरुवार देर रात 2.55 बजे ईओएस-05 इमेजिंग सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इसे श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा गया। ईओएस-05 करीब 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई पर जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में रहकर तस्वीरें लेगा। ऐसा करने वाला भारत का यह पहला सैटेलाइट है। इससे पहले भारत के सभी इमेजिंग सैटेलाइट निचली कक्षा में थे। ईओएस-05 भारत और आसपास के बड़े इलाकों की लगातार तस्वीरें भेज सकेगा। इससे पाकिस्तान-चीन सीमा समेत संवेदनशील और रणनीतिक इलाकों पर नजर रखने में मदद मिलेगी। सैटेलाइट का इस्तेमाल बाढ़, चक्रवात और दूसरी प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी के लिए भी किया जाएगा। इससे आपदा की स्थिति का जल्दी पता लगाने और समय पर चेतावनी देने में मदद मिलेगी। इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने बताया कि संगठन का इस साल छह और मिशन लॉन्च करने का लक्ष्य है। करीब आठ महीने बाद इसरो का यह पहला

लॉन्च है। इससे पहले जनवरी 2026 और मार्च 2025 में उसके दो मिशन सफल नहीं हो पाए थे। जीएसएलवी-एफ17 भारत के जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल कार्यक्रम की 19वीं उड़ान थी। ईओएस-05 को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के सेकेंड पैड से लॉन्च किया। ईओएस-05 लॉन्च के करीब 18 मिनट बाद सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में पहुंचा दिया गया। इसके बाद सैटेलाइट को 36000 किमी पर मौजूद अपनी अंतिम कक्षा तक पहुंचना है।

जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में क्या फायदा है?

जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट पृथ्वी से करीब 35,786 किमी ऊपर की कक्षा है। इसमें सैटेलाइट पृथ्वी का एक चक्कर करीब 24 घंटे में पूरा करता है। यानी उसकी गति पृथ्वी के घूमने के साथ बनी रहती है। वहीं, लो-अर्थ ऑर्बिट पृथ्वी के काफी करीब होती है और आमतौर पर 2,000 किमी से कम ऊंचाई पर होती है। यहां सैटेलाइट बहुत तेजी से पृथ्वी का चक्कर लगाता है, इसलिए वह किसी एक इलाके के ऊपर थोड़े समय के लिए ही रहता है। जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट का फायदा यह है कि सैटेलाइट भारत और आसपास के बड़े इलाके पर लगातार नजर रख सकता है। इसकी तस्वीरों और डेटा से चक्रवात, भारी बारिश, बाढ़ और जंगल की आग जैसे खतरों की पहचान, निगरानी और नुकसान का आकलन तेजी से किया जा सकेगा।

दो खास कैमरों से बड़े इलाके की निगरानी

ईओएस-05 में दो मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजर यानी ऐसे कैमरे लगे हैं, जो धरती की तस्वीरें अलग-अलग तरह की प्रकाश तरंगों में लेते हैं। इससे सामान्य तस्वीर के अलावा जमीन, पेड़-पौधों, पानी और पर्यावरण में हो रहे बदलावों की जानकारी मिल सकती है। ईओएस-05 की खासियत बहुत छोटी चीजों की बारीक तस्वीर लेना नहीं, बल्कि करीब 36 हजार किमी की ऊंचाई से बड़े इलाके की बार-बार तस्वीरें लेना है। यह जीईओ कक्षा में भेजा गया पहला उपग्रह है। यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम लिए एक बड़ी उपलब्धि है। मिशन डायरेक्टर थॉमस कुरियन ने कहा कि उपग्रह को उसकी बिल्कुल सही और निर्धारित कक्षा में स्थापित किया गया और मिशन की सफलता के लिए पूरी इसरो टीम का धन्यवाद किया।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर भक्ति के रंग में रंगी संस्कारधानी

मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़, धूमधाम से मना श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, निकलीं भव्य झांकियां

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर संस्कारधानी जबलपुर पूरी तरह भक्ति, आस्था और सांस्कृतिक उल्लास में सराबोर नजर आई। शहरभर के मंदिरों में जहां तड़के से ही विशेष पूजन-अर्चन और धार्मिक अनुष्ठानों का दौर चलता रहा, वहीं श्री सनातन धर्म महासभा के तत्वावधान में निकाली गई ऐतिहासिक जन्माष्टमी शोभायात्रा ने पूरे शहर को कृष्णमय कर दिया। 51 बटुकों का शंखनाद बना आकर्षणश्री सनातन धर्म महासभा द्वारा आयोजित 47वीं जन्माष्टमी शोभायात्रा का शुभारंभ शुक्रवार दोपहर दो बजे पुराने मोटर स्टैंड स्थित श्री सनातन धर्म तिराहे से हुआ। शोभायात्रा की शुरुआत 51 बटुकों द्वारा एक साथ किए गए ओजस्वी शंख वादन से हुई, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

51 आकर्षक झांकियों में दिखीं बाल-लीलाएं

शोभायात्रा में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनकी बाल-लीलाओं पर आधारित 51 नयनाभिराम झांकियां शामिल रहीं। शहर के प्रमुख मंदिरों जैसे-श्री नरसिंह मंदिर गीता धाम, श्रीकृष्ण मंदिर गोरखपुर, श्रीराम मंदिर मदन महल, श्री जगदीश मंदिर गढ़ाफाटक, श्री गोपाल मंदिर घमापुर और अन्नपूर्णा मंदिर निवाड़गंज की झांकियों ने आयोजन में भव्यता जोड़ दी। सामाजिक समरसता और भक्ति का संगमआयोजन में गायत्री परिवार, श्रीरामलीला समिति गढ़ा, समरसता सेवा संगठन सहित यादव, साहू, माहेश्वरी और अग्रवाल समाज की सक्रिय सहभागिता रही। करीब एक दर्जन भजन मंडली, छह बैंड दल और दुलदुल घोड़ी के साथ श्रद्धालु रास्तेभर जय श्री कृष्णा के जयकारों और भजन-कीर्तन पर झूमते नजर आए। जन्माष्टमी शोभायात्रा के स्वागत और सम्मान के लिए जवाहरगंज वार्ड स्थित बड़ा फुहारा और घमंडी चौक पर विशेष मंच बनाए गए, जहां यहां शोभायात्रा में शामिल संत-महंत, गणमान्य नागरिकों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, समाजसेवियों, आयोजकों और विभिन्न मंदिरों की झांकियों से जुड़े लोगों का सम्मान किया गया।

सनातन धर्म महासभा एवं यादव महासभा के तत्वावधान में शोभायात्रा का हुआ आयोजन

संस्कारधानी में सनातन धर्म महासभा एवं यादव महासभा के तत्वावधान में 47वीं भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में परम पूज्य जगतगुरु नरसिंहदास जी महाराज सहित पूज्य संतगण का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं मध्यप्रदेश युवा रचनात्मक सद्भावना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मनोज नामदेव के संयोजन में बड़ा फुहारा, घमंडी चौक पर भव्य स्वागत, पूजा-अर्चना एवं पुरस्कार सम्मान मंच स्थापित किया गया। मंच के माध्यम से शोभायात्रा में सम्मिलित विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, विभिन्न

श्रीकृष्ण मंदिरों की झांकियों, विभिन्न अखाड़ों के प्रदर्शन तथा सुप्रसिद्ध बैंड पार्टियों, ढोल-धमाल की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए सम्मानित किया गया। मंच आयोजन के संरक्षक मध्यप्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व मंत्री सुश्री कौशल्या गोटिया, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश यादव, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एडवोकेट मनीष मिश्रा, कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट आशीष पांडे, पूर्व विधायक एवं ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष संजय यादव, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, अखिल भारतीय कांग्रेस महिला कांग्रेस सचिव सुमिता मिश्रा, कांग्रेस नेत्री रेखा विनोद जैन, एडवोकेट श्रीमती भावना निगम, शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रियंका सोनी, रामकुमार गुप्ता, रवि गुप्ता, पार्षद हर्षित यादव, विजय घनघोरिया, युवक नेता अंकुर गुप्ता, पवन सोनी, राजेंद्र रज्जू सराफ, युवराज तिवारी, पीयूष सोन, प्रिंस सालूजा, विष्णु विनोदिया, केशव प्रसाद चौरसिया, शिव मंगल यादव, अशिंत सोनी, रमेश यादव, रज्जू अग्रवाल, विवेक यादव, पूरन रजक, सुनील मिश्रा, भगत राम सिंह, पूर्व पार्षद पंकज पांडे, अमन मोनू अग्रवाल, दीना जैन, राम दुबे, रौनक मिश्रा, एडवोकेट शैलेश सतीश नामदेव, एडवोकेट योगेश नामदेव, अनूप नामदेव, यतेंद्र नामदेव एवं गौरव नामदेव सहित शहर कांग्रेस एवं युवा रचनात्मक सद्भावना संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बांके बिहारी की जय-जयकार से गूंजा सिहोरा, निकली जन्माष्टमी की शोभायात्रा

सिहोरा। कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर शुक्रवार को सिहोरा में भगवान श्रीकृष्ण की सजीव झांकी के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। भगवान बांके बिहारी की जय और जय श्रीकृष्ण के जयकारों से पूरा नगर गूंज उठा। शोभायात्रा में अहीर नृत्य की प्रस्तुति और अखा?ें के हैरतअंगेज करतब लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। करतब देखकर लोग काफी उत्साहित नजर आए। शोभायात्रा की शुरुआत दोपहर 2 बजे मझौली बाईपास पर भगवान श्रीकृष्ण के पूजन-अर्चन के साथ हुई। इसके बाद शोभायात्रा कटरा मोहल्ला, झंडा बाजार, काल भैरव चौक और आजाद चौक से होते हुए मझौली बाईपास पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। शोभायात्रा में अध्यक्ष सतीश यादव, पूर्व पार्षद एवं उपाध्यक्ष डॉ. आरके यादव, कोषाध्यक्ष छोटे पटेल, सचिव खड़क सिंह पटेल, पवन यादव, सहसचिव अनिल बर्मन, पूर्व सरपंच इंद्र कुमार पटेल, पूर्व सरपंच संगठन मंत्री क्षत्रपति ठाकुर, पप्पू यादव, सरपंच डब्बू यादव, गुलाब सिंह ठाकुर, डॉ. प्रदीप परोहा, पार्षद ज्योति सुनील चक्रवर्ती, अवधेष यादव और मंती यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

संयुक्त मांझी व्यायाम शाला के गोविंदाओं ने फोड़ी संस्कारधानी की पहली मटकी

यादव कॉलोनी चौक की मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर संस्कारधानी की पहली मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन रंजीत पटेल मित्र मंडली द्वारा यादव कॉलोनी चौक में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने विधिवत पूजन-अर्चन कर किया। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि अखाड़े हमारी प्राचीन खेल एवं सांस्कृतिक परंपराओं के प्रतीक हैं। इस आयोजन का उद्देश्य अखाड़ों की प्राचीन परंपराओं एवं गौरवशाली विरासत को युवाओं के बीच जीवित रखना है। ऐसे आयोजन युवाओं में उत्साह, साहस, अनुशासन और एकजुटता की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर विधायक डॉ. अभिलाष पांडे ने कहा कि अखाड़ों की जो गौरवशाली परंपरा रही है, उसे हम फिर से जीवित रखने जा रहे हैं। उत्तर-मध्य विधानसभा क्षेत्र में जितने भी अखाड़े हैं, उनका जीर्णोद्धार कराने का हमने संकल्प लिया है। अखाड़े हमारी संस्कृति, खेल भावना और युवाओं के अनुशासन का महत्वपूर्ण केंद्र हैं। आयोजक एवं भाजपा नगर महामंत्री रंजीत पटेल ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने अन्याय, आतंक और अधर्म के विरुद्ध खड़े होकर सत्य एवं धर्म की स्थापना की। इसी भावना को आत्मसात करते हुए जन्माष्टमी के अवसर पर मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में संस्कारधानी के जाने-माने अखाड़ों संयुक्त मांझी व्यायाम शाला, प्यारे लाल उस्ताद अखाड़ा, मथुरा अखाड़ा, बुढ्ढे गौंड अखाड़ा एवं श्री सिद्ध व्यायाम शाला के गोविंदाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। गोविंदाओं ने मटकी फोड़ने के लिए जोरदार प्रयास किए। रोमांचक मुकाबले के बीच पानी की बौछारों के बीच दूसरे प्रयास में संयुक्त मांझी व्यायाम शाला के गोविंदाओं ने मटकी फोड़कर प्रतियोगिता अपने नाम की। विजेता अखाड़े को आयोजन समिति की ओर से नगद पुरस्कार राशि एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। पूरे आयोजन के दौरान यादव कॉलोनी चौक पर उत्साह और उमंग का माहौल रहा तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने उपस्थित होकर गोविंदाओं का उत्साहवर्धन किया।

सहेली बन जीता विश्वास, हड़पे जेवर और नगदी

पीड़िता ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संजीवनी नगर में कृष्णा परिसर के सामने निवासरत 32 जबलपुर। संजीवनी नगर में कृष्णा परिसर के सामने निवासरत 32 वर्षीय शक्ति जैन पति विशाल जैन ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर धोखाधड़ी की लिखित शिकायत दी। आवेदन पत्र के मुताबिक अवनी विहार शास्त्री नगर की रहने वाली 40 वर्षीय दीपशिखा गुप्ता पति जितेश गुप्ता से पीड़िता का संपर्क मुजावर मोहल्ला निवासी दीक्षा श्रीवास्तव के माध्यम से वर्ष 2024 में हुआ था। मेलजोल बढ़ाकर आरोपित ने खुद को पारिवारिक सदस्य जैसा बना लिया। इसके उपरांत दिसंबर 2025 में पति पर आईपीएल से जुड़ा कानूनी प्रकरण दर्ज होने का झांसा दिया। स्वयं के कारागार जाने का झूठा भय दिखाकर 3 माह में वापसी की शर्त रखी। मुसीबत में फंसी जानकर पीड़िता ने अपने सोने-चांदी के तमाम जेवरात तथा 5000 रुपये नकद सौंप दिए।

मुसीबत का ढोंग रचकर हथियाई पूरी जमापूंजी -आरोपित दीपशिखा गुप्ता ने परिजनों के कई दिनों से भूखे-प्यासे होने की मनगढ़ंत कहानी सुनाई। भावुक होकर शक्ति जैन ने अपने वैवाहिक उपहारों में मिला संपूर्ण स्त्रीधन बिना परिजनों को सूचित किए दे दिया। इन वस्तुओं में 2 रानी हार, 1 छोटा हार, 2 जोड़ी सोने के झुमके, 2 सोने की अंगूठी, 1 जोधा नथ, 2 सोने के सिक्के, 3 मंगलसूत्र पेंडल, 2 सेट चांदी की पायल, 1 टुकड़ी फाइन तथा अबोध बच्चे के गले का सोने का हाय चंद्रमा शामिल था। तय समय बीत जाने के उपरांत पीड़िता ने जब अपना सामान और नकदी वापस मांगी, तो सामने वाली महिला लगातार आनाकानी करती रही। उसने अपनी पुत्री की बीमारी का झूठा बहाना बनाकर लगातार कई महीनों तक वक्त निकाला और वास्तविक जेवर लौटाने से बचती रही।

सामान गिरवी रखकर दी झूठे मुकदमे की धमकी -पीड़िता के बच्चे का जन्मदिन 27जुलाई 2026 को था। उस दिन शरीर पर कोई आभूषण न दिखने से ससुराल पक्ष में भारी कलह हुई और अलमारी का ताला टूटने पर सारा भेद खुल गया। इसके दो दिन पूर्व 25 जुलाई 2026 को फोन पर हुई बातचीत में आरोपित ने गहने अपनी सहेली अनुभा झारिया और स्वाति के पास बंधक रखे होने की बात स्वीकार की थी। इसके बाद जब सख्ती से वापसी की मांग की गई, तो आरोपित ने आत्महत्या करने, झूठे आपराधिक मामलों में फंसाने और पूरे परिवार को मौत के घाट उतारने की चेतावनी दी। पहले 01 अगस्त 2026 को थाने में शिकायत करने पर क्षेत्राधिकार के नाम पर 20 दिन तक भटकाया गया। आखिरकार 25 अगस्त 2026 को पुनः भेजे जाने के बाद पीड़िता ने 03 सितंबर 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से जानमाल की रक्षा की गुहार लगाई।

आवेदन तिथि से हर माह भुगतान करनी होगी भरण-पोषण की राशि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी रेणु खेस की अदालत भरण - पोषण संबंधी मामले में आवेदिका के पक्ष में राहतकारी आदेश दिया है। अदालत ने अनावेदक पति मनीष कोरी को निर्देशित किया है कि उसे आवेदन दिनांक से आवेदिका आरती को प्रतिमाह तीन हजार रुपए की भरण - पोषण राशि का भुगतान करना होगा। अदालत ने स्पष्ट किया है कि अनावेदक को हर माह की 10 तारीख से पूर्व उक्त राशि का भुगतान करना होगा। यह मामला पनागर निवासी आरती कोरी ने अधिवक्ता संजय शर्मा के माध्यम से दायर किया था। आवेदिका की ओर से अधिवक्ता श्री शर्मा ने अदालत को बताया कि आवेदिका आरती कोरी का विवाह हिंदू रीतिरिवाज से गोसलपुर निवासी मनीष कोरी के साथ अप्रैल 2024 में हुआ था। विवाह के कुछ रोज बाद दूसरी विदा पर ससुराल पहुंचने पर आवेदिका के साथ उसका पति मनीष व ससुराल के अन्य सदस्य दहेज की डिमांड करने लगे, कम दहेज मिलने की उलाहना देते हुए आवेदिका आरती को प्रताड़ित करने लगे। इतना ही नहीं उसका पति मोटर साइकिल और पिता का मकान अपने नाम कराने की जिद कर मारपीट करने लगा।

ग्राम रोजगार सहायकों के तबादलों पर हाईकोर्ट सख्त

पंचायत विभाग के प्रमुख सचिव को शपथ-पत्र पेश करने के निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हाईकोर्ट ने ग्राम रोजगार सहायकों के स्थानांतरण से जुड़े मामले में राज्य शासन से विस्तृत जवाब तलब किया है। कोर्ट ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव को शपथ-पत्र दाखिल करने के निर्देश देते हुए ग्राम रोजगार सहायकों के तबादलों की पूरी प्रक्रिया स्पष्ट करने को कहा है। न्यायालय ने सरकार से इस संबंध में व्हाइट पेपर भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश अश्विनी कुमार गुप्ता बनाम मध्य प्रदेश शासन सहित अन्य मामले की सुनवाई के दौरान पारित हुआ। पन्ना निवासी याचिकाकर्ता अश्विनी गुप्ता की ओर से अधिवक्ता आर्यन उरमलिया ने पक्ष रखा। मामले में मुख्य विवाद ग्राम रोजगार सहायक के पद की स्थानांतरणीय प्रकृति को लेकर है। शासन की नीति में इस पद को स्थानांतरणीय बताया गया है, जबकि याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि ग्राम रोजगार सहायक का पद गैर स्थानांतरणीय है। सुनवाई के दौरान कोर्ट के समक्ष यह भी बताया गया कि इसी मुद्दे को लेकर पूर्व में कई याचिकाएं दायर हो चुकी हैं और विभिन्न मामलों में तबादला आदेशों पर अंतरिम रोक भी लगाई गई है। राज्य शासन की ओर से पूर्व में पारित आदेश का हवाला दिया गया, जबकि याचिकाकर्ता की ओर से 13 जुलाई, 2026 को पारित एक आदेश का उल्लेख किया गया, जिसमें समान परिस्थितियों में तबादला आदेश पर रोक लगाई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव को व्यक्तिगत रूप से विस्तृत शपथ-पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने विभाग से यह स्पष्ट करने को कहा है कि ग्राम रोजगार सहायकों के तबादले किस नीति, प्रक्रिया और अधिकार के तहत किए जा रहे हैं। हाई कोर्ट ने अगली सुनवाई तक विवादित तबादला आदेश के प्रभाव एवं क्रियान्वयन पर रोक जारी रखी है। मामले की अगली सुनवाई 23 अक्टूबर 2026 को होगी।

जबलपुर से पुणे और अहमदाबाद की सीधी उड़ान के लिए सांसद आशीष दुबे के प्रयास तेज

विमानन मंत्री राममोहन नायडू से भी की चर्चा, विभिन्न एयरलाइंस से संपर्क कर रूट शुरू कराने की प्रक्रिया जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर और महाकौशल क्षेत्र की हवाई कनेक्टिविटी को और मजबूत करने की दिशा में जबलपुर संसदीय क्षेत्र के लोकसभा सांसद आशीष दुबे लगातार प्रयासरत हैं। जबलपुर से पुणे और अहमदाबाद के लिए सीधी विमान सेवा शुरू कराने को लेकर सांसद श्री दुबे ने विभिन्न विमानन कंपनियों के प्रतिनिधियों से चर्चा की है,इसके साथ ही उन्होंने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजारापु राममोहन नायडू से भी भेंट कर इन दोनों महत्वपूर्ण शहरों के लिए जबलपुर से नियमित उड़ान शुरू किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश को बहुमुखी सौगात मिल रही हैं।जबलपुर को इसका लाभ सतत मिलता रहा है और आगे भी मिलता रहेगा। सांसद श्री दुबे का मानना है कि जबलपुर और पूरे महाकौशल क्षेत्र के आर्थिक, औद्योगिक, शैक्षणिक, चिकित्सा एवं पर्यटन विकास के लिए बेहतर हवाई कनेक्टिविटी अत्यंत आवश्यक है। पुणे और अहमदाबाद देश के प्रमुख औद्योगिक एवं कारोबारी केंद्र हैं। इन शहरों से सीधा हवाई संपर्क बनने से जबलपुर के व्यापारियों, उद्योगपतियों, विद्यार्थियों, मरीजों और नौकरी-पेशा लोगों को बड़ी सुविधा मिल सकती है। जबलपुर से पुणे की सीधी उड़ान शुरू कराने का मुद्दा सांसद आशीष दुबे पहले भी केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के समक्ष उठा चुके हैं। नवंबर 2024 में पहली बार और उसके बाद भी विमानन मंत्री श्री नायडू से मुलाकात के दौरान सांसद ने जबलपुर से पुणे, अहमदाबाद, कोलकाता के लिए हवाई सेवाएं शुरू करने की मांग रखी थी। उस समय पुणे के लिए सीधी उड़ान शुरू करने की दिशा में सकारात्मक आश्वासन भी सामने आया था।

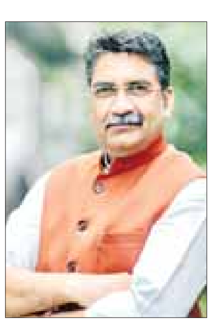

हाईवे में लूट करने वाले तीन लुटेरे पकड़ाये

नकदी और दो वाहन जब्त, माढ़ोताल पुलिस और क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हाईवे पर लूटपाट करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त वाहन जब्त किए हैं। पुलिस ने बताया कि हाईवे पर लूटपाट के आरोप में माढ़ोताल निवासी दिन्नू उर्फ दिनेश अहिरवार, गौरव अहिरवार उर्फ भोला, प्रमोद चौधरी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि माढ़ोताल में लूट प्रकरणों की छानबीन करते हुए विवेचना के मुखबिरों को लगाया गया। तकनीकी साक्ष्य एकत्रित कर चिन्हित करते हुये मुखबिर की सूचना पर वायपास जीरो डिग्री में दबिश देते हुये संदेही दिन्नु उर्फ दिनेश चौधरी, गौरव अहिरवार उर्फ भोला और प्रमोद चौधरी को अभिरक्षा मे लेकर सघन पूछताछ करने पर तीनों ने दोनों घटनायें करना स्वीकार किया। आरोपियों के कब्जे से लूटे हुये रूपयो में से नगद 1500 रूपये व लूटी हुयी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 49 जेड ई 2751 तथा लूट की घटना में प्रयुक्त बिना नम्बर की एक्सिस व दूसरी घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त किये गये। लूटे हुये शेष रूपये खर्च कर देना बताये। तीनों आरोपियो को प्रकरण मे विधिवत गिरफ्तार कर मान्नीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

केस -1

माढ़ोताल में संजू ठाकुर निवासी भेड़ाघाट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 31 अगस्त को वह अपने मामा के साथ गुलौआ चौक में डीके बिल्डर्स से काम करने के उसने 7 हजार रूपये अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 49 जेड ई 2751 से पाटन वायपास होते हुये घर भेड़ाघाट जा रहा था। अंधमूक तरफ जाने वाली सर्विस रोड के पास पीछे से सफेद रंग की स्कूटी जैसी दुपहिया वाहन से तीन लड़के आये थे। मोटर सायकल गिरा दी थी। तीनों लड़के हम दोनों के रूपए छीन लिए थे। मोटर सायकल भी लूटकर ले गए थे।

केस -2

माढ़ोताल में सत्यम कोष्टा निवासी नर्मदा नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 18 अगस्त की शाम लगभग 6.15 बजे उसके पिता जी पांडव रेस्टोरेन्ट से काम करके अपने घर नर्मदा नगर गोहलपुर सर्विस रोड से होते हुये जा रहे थे। पांडव रेस्टोरेन्ट के आगे राधाकृष्ण नेत्रालय के पास अज्ञात तीन लडके मोटर साईकिल मे आये और शराब पीने के लिये 500 रुपये मांगने लगे। रूपये देने से मना करने पर एक लड़के ने किसी नुकीली चीज से हमलाकर दाहिने तरफ पुठ्ठे में चोट पहुॅचा दी थी। लड़कों ने हाथ मुक्कों से मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी देते हुये मोटर सायकल भाग गये।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
शनिवार 05 सितंबर 2026

शिक्षकों के प्रकाश पुंज : डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारतीय संस्कृति के महान संवाहक, प्रखर शिक्षाविद् और अद्वितीय दार्शनिक थे। वे केवल पुस्तकीय ज्ञान देने वाले शिक्षक नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को सही दिशा दिखाने वाले सच्चे मार्गदर्शक थे। उनके गहन ज्ञान, सरल व्यक्तित्व और शिक्षा के प्रति समर्पण के कारण उनका जन्मदिन 5 सितंबर पूरे देश में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

शिक्षक समाज के मार्गदर्शक

डॉ. राधाकृष्णन का मानना था कि समाज में शिक्षक को सर्वोच्च और सम्मानजनक स्थान मिलना चाहिए, क्योंकि शिक्षक ही देश की युवा पीढ़ी के विचारों और भविष्य को आकार देते हैं। उनके अनुसार एक शिक्षक का दायित्व पाठ पढ़ाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में अच्छे संस्कार, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है।

रटने से अधिक जरूरी है सोचने की क्षमता

उनका मानना था कि सच्चा शिक्षक वह नहीं, जो विद्यार्थियों के मस्तिष्क में तथ्यों को जबरन भर दे, बल्कि वह है जो उनमें विचार करने, प्रश्न पूछने और समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता विकसित करे। शिक्षा विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने वाली होनी चाहिए।

विद्यार्थियों से आत्मीय रिश्ता

डॉ. राधाकृष्णन शिक्षक और विद्यार्थी के बीच आत्मीय संबंध को शिक्षा की सफलता का महत्वपूर्ण आधार मानते थे। उनका विश्वास था कि शिक्षक विद्यार्थियों के लिए केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि प्रेरणास्रोत और मार्गदर्शक भी होना चाहिए।

राष्ट्रपति बने, फिर भी शिक्षक बने रहे

भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति और द्वितीय राष्ट्रपति जैसे सर्वोच्च पदों पर पहुंचने के बाद भी डॉ. राधाकृष्णन का व्यक्तित्व एक सामान्य शिक्षक जैसा ही सरल और सहज रहा। वर्ष 1962 में जब उनके विद्यार्थियों ने उनका जन्मदिन मनाने की इच्छा जताई, तो उन्होंने इसे शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा व्यक्त की। यही परंपरा आज देशभर में शिक्षक दिवस के रूप में कायम है।

शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण

डॉ. राधाकृष्णन का मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल साक्षर बनाना नहीं, बल्कि संवेदनशील, नैतिक और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है। उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों में भारतीय दर्शन और संस्कृति पर व्याख्यान देकर विश्व को भारत की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया।

आज भी प्रेरणा का स्रोत

डॉ. राधाकृष्णन का जीवन हर शिक्षक को यह संदेश देता है कि शिक्षा समाज में अज्ञान के अंधकार को मिटाकर ज्ञान का प्रकाश फैलाने का माध्यम है। उनका जीवन और विचार आज भी शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत हैं।

सारिका मिश्रा
उप प्राचार्य
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविन्दगंज,जबलपुर

शिक्षक - ज्ञान से राष्ट्र निर्माण तक

शिक्षक वह नहीं जो केवल पाठ पढ़ाए, शिक्षक वह है जो जीवन को पढ़ने की दृष्टि दे

5 सितंबर केवल शिक्षक दिवस मनाने की तारीख नहीं, बल्कि उस महान गुरु-परंपरा को नमन करने का अवसर है, जिसने भारत की ज्ञान-संस्कृति और सभ्यता को दिशा दी। महान दार्शनिक, शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर मनाया जाने वाला यह दिवस हमें याद दिलाता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी कक्षाओं में आकार लेता है और इस निर्माण के केंद्र में शिक्षक होता है।

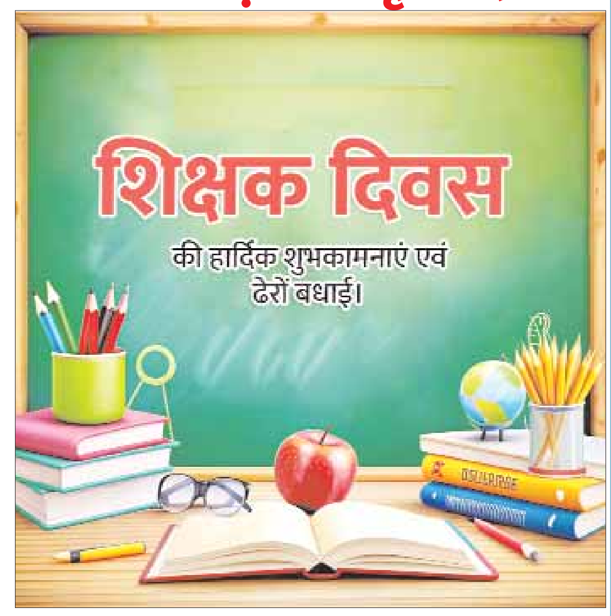

तकनीक बदली, शिक्षक की भूमिका नहीं

भारतीय संस्कृति में गुरु को सदैव मार्गदर्शक और ज्ञान के प्रकाश के रूप में देखा गया है। समय के साथ शिक्षा के साधन बदले हैं। ब्लैकबोर्ड की जगह स्मार्ट बोर्ड, पुस्तकों के साथ डिजिटल संसाधन और अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक पहुंच बन चुकी है। फिर भी शिक्षक का महत्व कम नहीं हुआ, बल्कि उसकी भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। तकनीक जानकारी दे सकती है, लेकिन उसे ज्ञान, विवेक और संस्कार में बदलने का कार्य शिक्षक ही करता है।

रटने के बजाय सोचने की शिक्षा

आज शिक्षा का उद्देश्य केवल तथ्यों को याद कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में जिज्ञासा, तर्क, रचनात्मकता, समस्या-समाधान और नवाचार की क्षमता विकसित करना है। ऐसी कक्षा, जहां विद्यार्थी प्रश्न पूछे, प्रयोग करे, अपनी बात रखे और असफलता से सीखना जाने, वही भविष्य की मजबूत कक्षा है।

नवाचार के साथ मानवीयता जरूरी

नवाचार का अर्थ केवल नई तकनीक अपनाना नहीं, बल्कि सीखने और सिखाने के बेहतर तरीके खोजना भी है। प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण, प्रयोग, संवाद और डिजिटल साधनों का विवेकपूर्ण उपयोग शिक्षा को अधिक प्रभावी बना सकते हैं। भविष्य की शिक्षा का मार्ग 'मानव बनाम तकनीक' नहीं, बल्कि 'मानव के साथ तकनीक' होना चाहिए।

शिक्षक, राष्ट्र निर्माण का शिल्पकार

शिक्षक की सबसे बड़ी शक्ति उसका विषय-ज्ञान ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों पर उसका विश्वास है। उसका एक प्रोत्साहन 'तुम कर सकते हो' किसी विद्यार्थी के जीवन की दिशा बदल सकता है। शिक्षक ज्ञान के साथ आत्मविश्वास, अनुशासन, संवेदना, जिम्मेदारी और जीवन-मूल्यों का निर्माण करता है।

राष्ट्र का निर्माण केवल नीतियों और संस्थाओं से नहीं होता। उसकी नींव उन कक्षाओं में रखी जाती है, जहां भावी वैज्ञानिक, चिकित्सक, शिक्षक, प्रशासक, उद्यमी और जिम्मेदार नागरिक तैयार होते हैं। इसलिए शिक्षक वास्तव में राष्ट्र निर्माण का शिल्पकार है।

समस्त गुरुजनों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं सादर नमन।

राजेंद्र तिवारी
शिक्षाविद्
जबलपुर (मप्र)

शिक्षक दिवस: गुरु के प्रति सम्मान और कृतज्ञता

भारत में हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन महान शिक्षक, दार्शनिक और देश के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के रूप में मनाया जाता है। उनका मानना था कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक दिवस हमें अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का अवसर देता है। शिक्षक हमारे जीवन में विशेष स्थान रखते हैं। वे केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं देते, बल्कि ईमानदारी, अनुशासन, मेहनत, दया, सहयोग और जिम्मेदारी जैसे गुण भी सिखाते हैं। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। शिक्षक कठिन विषयों को समझने में विद्यार्थियों की सहायता करते हैं, उनकी गलतियों को सुधारते हैं और उनसे सीखने का अवसर देते हैं। कई बार शिक्षक के प्रोत्साहन के कुछ शब्द विद्यार्थी के जीवन की दिशा बदल देते हैं। वे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास जगाकर उन्हें अपने सपने पूरे करने के लिए प्रेरित करते हैं। आज इंटरनेट तकनीक के माध्यम से विद्यार्थियों को आसानी से जानकारी मिल जाती है, लेकिन सही जानकारी का चयन, उसका उचित उपयोग सिखाने में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है। शिक्षक विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और आत्मनिर्भरता का विकास करते हैं। शिक्षकों का सम्मान केवल शिक्षक दिवस पर ही नहीं, बल्कि हमेशा करना चाहिए। उनके द्वारा दिए गए ज्ञान और संस्कारों को जीवन में अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। शिक्षक वास्तव में राष्ट्र के भविष्य के निर्माता हैं। उनके मार्गदर्शन से विद्यार्थी अच्छे इंसान और जिम्मेदार नागरिक बनते हैं।

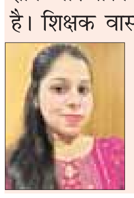

सुरभि सिंह फौजदार
शिक्षक, आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविन्दगंज,जबलपुर।

सर्वपल्ली राधाकृष्णन दार्शनिक राष्ट्रपति और उनका शिक्षा-दर्शन

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्थान अद्वितीय है। वे केवल कुशल राजनेता नहीं, बल्कि महान दार्शनिक, प्रखर वक्ता और आजीवन समर्पित शिक्षक थे। उनका मानना था कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी शिक्षा और नैतिक चेतना में निहित होती है। वर्ष 1962 में भारत के राष्ट्रपति बनने के बाद भी उन्होंने शिक्षक के मूल्यों को अपने जीवन से अलग नहीं होने दिया।

शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण

डॉ. राधाकृष्णन के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य केवल उपाधि प्राप्त करना या रोजगार हासिल करना नहीं है। सच्ची शिक्षा वही है, जो व्यक्ति में करुणा, सहनशीलता, आत्मानुशासन, विवेक और नैतिक मूल्यों का विकास करे। उनके विचार में संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना शिक्षा की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

विज्ञान और अध्यात्म का समन्वय

वे आधुनिक विज्ञान और प्राचीन आध्यात्मिक मूल्यों के बीच संतुलन के समर्थक थे। उनका मानना था कि वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति आवश्यक है, लेकिन यदि उसका उपयोग मानवीय मूल्यों और आत्मज्ञान से अलग होकर किया जाए तो वह विनाशकारी भी हो सकती है। इसलिए शिक्षा में विज्ञान के साथ मानवीयता का समावेश जरूरी है।

श्रेष्ठ प्रतिभाओं को शिक्षा से जोड़ने की सोच

डॉ. राधाकृष्णन चाहते थे कि समाज के सबसे योग्य और प्रतिभाशाली लोग शिक्षण क्षेत्र में आएं। उनका विश्वास था कि अच्छे शिक्षक ही जागरूक, विचारशील और सशक्त पीढ़ी का निर्माण कर सकते हैं।

विश्व नागरिकता का संदेश

उनका शिक्षा-दर्शन संकीर्ण राष्ट्रवाद से ऊपर उठकर विश्वबंधुत्व की भावना को बढ़ावा देता था। वे विद्यार्थियों में स्वतंत्र चिंतन, खुले विचार और सभी संस्कृतियों के सम्मान की भावना विकसित करने के पक्षधर थे।

आज भी प्रासंगिक शिक्षा-दर्शन

डॉ. राधाकृष्णन का जीवन सिखाता है कि ज्ञान के साथ विनम्रता, आधुनिकता के साथ नैतिकता और शिक्षा के साथ मानवता जरूरी है। आज तकनीकी बदलावों के दौर में उनका विचार और अधिक प्रासंगिक है कि शिक्षा का अंतिम उद्देश्य प्रबुद्ध, नैतिक और लोक-कल्याणकारी मनुष्य का निर्माण होना चाहिए।

नीलू गुप्ता
शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविन्दगंज,जबलपुर।

शिक्षक दिवस: गुरु के सम्मान का विशेष दिन

भारत में प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन महान शिक्षाविद्, दार्शनिक और भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। शिक्षक दिवस विद्यार्थियों को अपने शिक्षकों के योगदान और समर्पण को याद करने का अवसर देता है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को हुआ था। वे महान शिक्षक, दार्शनिक और विद्वान थे। जब उनके कुछ विद्यार्थियों ने उनका जन्मदिन मनाने की इच्छा व्यक्त की, तो उन्होंने सुझाव दिया कि उनके जन्मदिन को अलग से मनाने के बजाय इसे शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए। इसी भावना के सम्मान में वर्ष 1962 से 5 सितंबर को भारत में शिक्षक दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई।

शिक्षक दिवस का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों के योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना है। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान नहीं देते, बल्कि अनुशासन, संस्कार, नैतिकता और जीवन में सही दिशा अपनाने की प्रेरणा भी देते हैं। वे विद्यार्थियों के मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत होते हैं।

कुंज बिहारी हनवत
शिक्षक
हितकारिणी कन्या उ.मा. शाला, बीटी तिराहा, गढ़ा, जबलपुर।

गुरु का त्याग: जो स्वयं जलकर दूसरों को रोशन करता है

भारतीय संस्कृति में गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया गया है। कहा गया है

गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वर।
गुरु साक्षात् परब्रह्म, तस्मै श्री गुरवे नमः।

गुरु को यह सम्मान केवल इसलिए नहीं मिला कि वह ज्ञान देता है, बल्कि इसलिए भी कि उसके जीवन में त्याग, समर्पण और नि:स्वार्थ सेवा की भावना होती है। शिक्षक का त्याग अक्सर दिखाई नहीं देता, लेकिन विद्यार्थियों की सफलता के पीछे उसकी वर्षों की तपस्या छिपी होती है।

व्यक्तिगत सुखों का त्याग

शिक्षक अपने विद्यार्थियों के भविष्य के लिए कई बार अपने आराम और व्यक्तिगत समय का त्याग करता है। जब हम त्योहारों की खुशियां मना रहे होते हैं, तब शिक्षक अगली कक्षा और पाठ की तैयारी में जुटा होता है। परीक्षा के दिनों में वह देर रात तक उत्तरपुस्तिकाएं जांचता है, कमजोर विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय देता है और जरूरत पड़ने पर उनके अभिभावकों से संपर्क करता है। उसकी प्राथमिकता विद्यार्थियों की प्रगति होती है।

आर्थिक सहयोग भी है जिम्मेदारी

कई शिक्षक जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता के लिए अपनी आय से किताबें, कॉपियां, पेन और कभी-कभी स्कूल की आवश्यक सामग्री तक उपलब्ध कराते हैं। वे इस सहायता का हिसाब नहीं रखते और न ही उसका प्रचार करते हैं। विद्यार्थी की सफलता ही उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार होती है।

सम्मान से बड़ा है कर्तव्य

आज कई बार शिक्षक को वह सम्मान नहीं मिल पाता, जिसका वह हकदार है। कभी विद्यार्थी बहस करते हैं तो कभी समाज में अन्य पेशों से उसकी तुलना की जाती है। इसके बावजूद शिक्षक अगले दिन उसी उत्साह और स्नेह के साथ कक्षा में पहुंचता है। उसके लिए पढ़ाना केवल नौकरी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और सेवा है।

मोमबत्ती की तरह शिक्षक

शिक्षक उस मोमबत्ती के समान है, जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देती है। एक डॉक्टर की सफलता, इंजीनियर की उपलब्धि, वैज्ञानिक की खोज या प्रशासक की जिम्मेदारी के पीछे किसी न किसी शिक्षक की वर्षों की मेहनत और मार्गदर्शन छिपा होता है।

त्याग को समझना ही सच्चा सम्मान

हमें शिक्षकों का सम्मान केवल 5 सितंबर को नहीं, बल्कि हर दिन करना चाहिए। उनके त्याग, संघर्ष और मार्गदर्शन को समझकर जीवन में उनके दिए संस्कारों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। शिक्षक स्वयं पीछे रहकर अपने विद्यार्थियों को उस ऊंचाई तक पहुंचाता है, जहां पहुंचने का सपना कभी उसने भी देखा था।

प्रियंका दुबे
शिक्षक
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर।

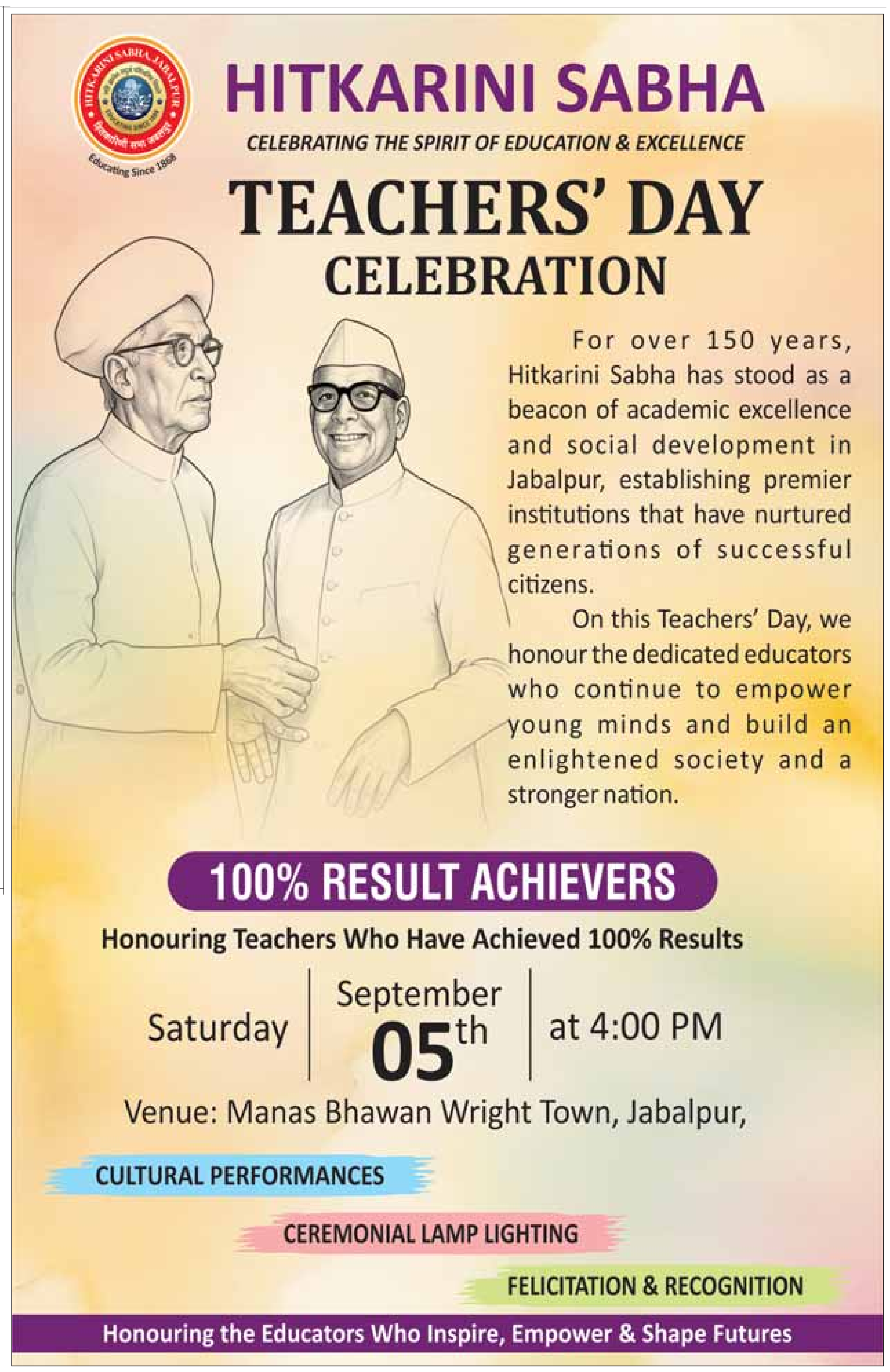

शब्द पहेली - 8966

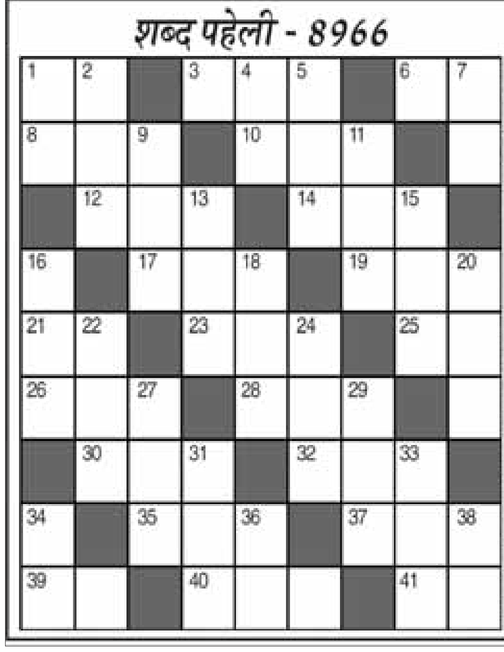

बाएँ से दाएँ

1. इच्छा, मन्नत-2
3. आश्रय, शरण-3
6. ठाठ-बाट-2
8. प्रकार-3
10. आवरण-3
12. तीर्थ, धार्मिक यात्रा-3
14. ख्वाब, स्वप्न-3
17. घर, आवास-3
19. लोच-3
21. भस्म, खाक-2
23. निगाह, दृष्टि-3
25. संबोधन-2
26. देवर्षि-3
28. तिजोरी-3
30. तरंग, हिलोर-3
32. गुंडा, बदमाश-3
35. अनुकृति-3
37. नाप करना-3
39. थोड़ा-2
40. उल्टी, कै-3
41. मां के पिता-2

ऊपर से नीचे

1. सप्तम, सातवां-2
2. पृथ्वी, वसुंधरा-3
4. घ्राणेंद्रिय-2
5. वासना, लालसा-3
7. खुमार, सरूर-2
9. रनिवास (उर्दू-3)
11. चतुर, तेज-3
13. थकावट-3
15. नृत्य करना-3
16. कुल, खानदान, वंश-3
18. पुराना जुकाम-3
20. कटि, शरीर का मध्यांग-3
22. ईमामदस्ता-3
24. नकद राशि, रोकड़-3
27. जलने की क्रिया-3
29. रवानगी, विदा होना-3
31. राशि, धन-3
33. आलेप करना, पोतना-3
34. रहस्य-2
36. बुरी आदत-2
38. अनेक प्रकार-2

शब्द पहेली -8965 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिर एक मासूम बैगा की मलेरिया से मौत

दुर्गम आदिवासी अंचल में बीमारी का कहर जारी,मलेरिया से साढ़े 10 वर्षीय गजेंद्र ने तोड़ा दम

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

जिले के बैहर-बिरसा क्षेत्र में मलेरिया और मौसमी बीमारियों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी बीच एक बार फिर बैगा आदिवासी एक मासूम की मौत की खबर ने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की चिंता बढ़ा दी है। बैगा आदिवासी ग्राम अतरिया आरामटोला निवासी साढ़े 10 वर्षीय गजेंद्र मरकाम की गुरूवार, 3 सितंबर की रात्रि 10 बजे करीब लूद ग्राम पंचायत के मसीहाटोला में मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी में बच्चे की तबीयत खराब होने और मलेरिया से पीड़ित होने की बात सामने आई है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारण की आधिकारिक पुष्टि स्वास्थ्य विभाग की जांच और मेडिकल रिकॉर्ड के आधार पर होना बाकी हैं। जानकारी के अनुसार, गजेंद्र मरकाम पिता विश्राम मरकाम, उम्र 10 वर्ष, मूल रूप से अतरिया पंचायत के आरामटोला का निवासी था। गजेन्द्र चाथीं कक्षा में पढ़ाई करता था, मृतक गजेन्द्र तीन भाई थे, पिछले कुछ महीनों से वह अपने माता-पिता के साथ लूद ग्राम पंचायत के मसीहाटोला में अपने मौसा के घर रह रहा था। पिछले कुछ दिनों से उसकी तबीयत खराब थी और उसे मलेरिया होने की जानकारी सामने आई थी। परिजनों के द्वारा मंगलवार को उसका

उपचार क्षेत्र में निजी तौर पर कराया जा रहा था। गुरूवार को फिर अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई और रात्रि करीब 10 बजे उसने दम तोड़ दिया।

पुलिस ने कराया पोस्टमार्टम...

बच्चे की मौत की सूचना मिलने के बाद उकवा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शुक्रवार 4 सितम्बर को पोस्टमार्टम के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उकवा भेजा। यहां शाम करीब 4 बजे पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

झोलाछाप डॉक्टर के इलाज की भी चर्चा...

मृतक बच्चे का उपचार क्षेत्र के एक कथित झोलाछाप डॉक्टर द्वारा किए जाने की जानकारी सामने आई है। प्रशासन द्वारा संबंधित व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर की कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है। स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की ओर से क्षेत्र में अवैध रूप से इलाज करने वाले कथित झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला भी जारी है। बताया गया है कि अब तक पांच झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ मामले दर्ज किए जा चुके हैं। बैहर-बिरसा अंचल में बच्चों की लगातार हो रही मौतों को लेकर

आंकड़ों में भी अंतर सामने आ रहा है। स्थानीय स्तर पर अब तक करीब 30 बच्चों की मौत होने का दावा किया जा रहा है, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में फिलहाल 10 मौतें दर्ज होने की बात कही जा रही है। वहीं प्रशासन द्वारा दो दिन पूर्व 24 मृत बच्चों के परिजनों के बैंक खातों में दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि हस्तांतरित किए जाने की जानकारी सामने आई है। शेष पात्र परिवारों को भी राशि जारी करने की बात कही गई है।

बीमारी नियंत्रण के दावों के बीच फिर उठे सवाल

एक ओर प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग बीमारी की रोकथाम तथा प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के प्रयासों का दावा कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर दुर्गम आदिवासी अंचलों से बच्चों की मौत की खबरें सामने आना चिंता का विषय बना हुआ है। गजेंद्र की मौत ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या दूरस्थ गांवों तक समय पर जांच, उपचार, दवाइयां और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की पहुंच सुनिश्चित हो पा रही है? फिलहाल गजेंद्र की मौत के मामले में मलेरिया को संभावित कारण बताया जा रहा है, लेकिन अंतिम पुष्टि जांच और आधिकारिक मेडिकल रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगी।

इनका कहना हैं...

लूद के मसीहाटोला में एक बालक को मलेरिया होने पर उसके स्वजनों ने झोलाछाप चिकित्सक से इलाज कराया। जिससे बालक की मौत हो गई। इस मामले में जांच कर झोलाछाप चिकित्सक पर एफआइआर दर्ज की जाएगीं।

कुमार सत्यम
कलेक्टर, बालाघाट

सांदीपनि विद्यालय कटंगी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव का भव्य आयोजन

कटंगी (स्वतंत्र मत)

शासकीय सांदीपनि विद्यालय, कटंगी में 1 सितंबर से 3 सितंबर 2026 तक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव का भव्य एवं सांस्कृतिक आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनकी लीलाओं तथा भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा को विभिन्न मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रस्तुत किया। उत्सव के तहत प्राथमिक सेक्शन में श्रीकृष्ण उत्सव समारोह एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती हेमलता हनवत के मार्गदर्शन में हुआ। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण, राधा और अन्य पात्रों की आकर्षक वेशभूषा धारण कर प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने विद्यालय के वातावरण को उत्सवमय बना दिया और उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। वहीं माध्यमिक सेक्शन में जन्माष्टमी के अवसर पर मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वाई.के. गढ़पांडे सर के मार्गदर्शन में हुआ। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ मटकी फोड़ कार्यक्रम में सहभागिता की। इस दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन से परिचित कराने का प्रयास किया गया। तीन दिवसीय आयोजन ने विद्यालय परिसर में भक्ति, संस्कृति और उत्साह का सुंदर संगम प्रस्तुत किया।

सीतापठोर में पुलिया बनी जानलेवा

गड्ढों में फंसकर पलटी कार, सिंचाई विभाग बेखबर

कटंगी (स्वतंत्र मत)

कटेधरा से रिड्डीटेक मुख्य सड़क मार्ग पर ग्राम सीतापठोर में राजीव सागर बांध की नहर पर बनी पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है और जानलेवा बन गई है। पुलिया पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। इसके बावजूद सिंचाई विभाग लंबे समय से इसकी मरम्मत की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। स्थानीय लोगों की मानें तो इस पुलिया की मरम्मत के लिए कई बार मांग उठाई गई, शिकायतें की गईं, लेकिन विभाग ने आज तक सुध नहीं ली। गत रात्रि इसी क्षतिग्रस्त पुलिया पर एक और बड़ा हादसा हो गया। गड्ढों की वजह से चारपहिया वाहन क्रमांक एमपी 50 सी 5955 अनियंत्रित

होकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि कार नागपुर की तरफ से कटंगी की ओर आ रही थी, तभी सीतापठोर पुलिया पर अचानक गहरे गड्ढे में पहिया जाने से चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार पलट कर क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि कार में सवार लोग बाल-बाल बच गए, नहीं तो बड़ा जान-माल का नुकसान हो सकता था। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि यह कोई पहला हादसा नहीं है, इसके पहले भी इस पुलिया पर कई बार दोपहिया और चारपहिया वाहन हादसे का शिकार हो चुके हैं। रात के समय तो यह पुलिया और भी ज्यादा खतरनाक हो जाती है, क्योंकि गड्ढे दिखाई नहीं देते।

सीतापठोर ही नहीं, कोयलारी पुलिया भी जर्जर- इस मुख्य मार्ग पर अकेले सीतापठोर पुलिया की ही यह दुर्दशा नहीं है, बल्कि आगे कोयलारी में भी राजीव सागर नहर की पुलिया का यही हाल है। वहां भी सड़क उखड़ चुकी है और बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। भारी वाहनों के आवागमन से पुलिया की स्थिति और भी खराब होती जा रही है। यह कटेधरा-रिड्डीटेक मार्ग नागपुर जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है। इस पर दिनभर सैकड़ों छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता है। इधर रेलवे की घोर लापरवाही के चलते तिरोड़ी में रेलवे स्टेशन के पास की सड़क भी बुरी तरह से बदहाल पड़ी है। स्टेशन के पास रेलवे ओवर ब्रिज के पास रोड पर जगह-जगह गड्ढे और कीचड़ फैला हुआ है, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश में तो इस सड़क पर चलना दूभर हो जाता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सिंचाई विभाग और रेलवे विभाग दोनों को निर्देशित कर इन सड़कों और पुलियाओं की तत्काल मरम्मत कराई जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही मरम्मत नहीं हुई तो वे चक्काजाम करने को मजबूर होंगे। लोगों ने कलेक्टर और एसडीएम से भी इस ओर ध्यान देने की मांग की है, ताकि किसी बड़ी जनहानि से पहले इस समस्या का समाधान हो सके।

अवैध रेत परिवहन पर उकवा वन विभाग ने तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियां किया जब्त

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

वन विभाग ने अवैध रेत परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया है। कार्रवाई वनमंडलाधिकारी उत्तर सामान्य वनमंडल बालाघाट एवं उपवनमंडल अधिकारी उकवा (सा.) के निर्देशन तथा वन परिक्षेत्राधिकारी दक्षिण उकवा सामान्य आशुतोष सिंह के मार्गदर्शन में की गई। वन विभाग के अनुसार 30 और 31 अगस्त की दरमियानी रात दक्षिण उकवा सामान्य वन परिक्षेत्र में रात्रिकालीन गश्ती की जा रही थी। इसी दौरान बीट आमानाला के कक्ष क्रमांक 1905 में तीन ट्रैक्टरों को रेत का अवैध परिवहन करते हुए पाया गया। वन अमले ने मौके पर कार्रवाई करते हुए अवैध रेत परिवहन में संलिप्त तीन व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार पीआरओं प्रकरण दर्ज किए। इनमें हर्रानाला निवासी गुहाराम वल्द रामलालजी के विरुद्ध पीआरओं क्रमांक 2711/02, पंचम सिंह वल्द रीझन सिंह के विरुद्ध पीआरओं क्रमांक 2711/03 तथा अमिलाल वल्द रवनू के विरुद्ध पीआरओं क्रमांक 2711/04 दर्ज किया गया। तीनों

प्रकरण 31 अगस्त 2026 को पंजीबद्ध किए गए। कार्रवाई के दौरान रेत परिवहन में प्रयुक्त तीनों ट्रैक्टर एवं ट्रॉलियों को विधिवत जब्त कर सुरक्षित रूप से वन परिसर उकवा लाया गया। जब्त वाहनों को बीट प्रभारी आमानाला की सुपुर्दगी में रखा गया है। इस कार्रवाई में वनपाल कीर्तन सिंह धुर्वे, परमानंद उइके, राजेंद्र नेवारे तथा वनरक्षक प्रकाश बोपचे, डिलेन्द्र नगपुरे, राजेश खरे और अभिषेक कटरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वन विभाग ने अवैध रेत परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए संबंधित मामलों में नियमानुसार आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी हैं।

आई.पी.एस इंटरनेशनल स्कूल में जन्माष्टमी का आयोजन

उमरिया (स्वतंत्रमत) । जिले की प्रतिष्ठित आई.पी.एस. इंग्लिश मीडियम स्कूल में शुक्रवार 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में बच्चों का फैंसी ड्रेस कॉम्पिटिशन स्कूल परिसर में रखा गया। भगवान

श्रीकृष्ण, राधा जी, महात्मा गांधी, शिवाजी महाराज, स्वामी विवेकानंद, एपीजे अब्दुल कलाम, माँ सरस्वती, माँ दुर्गा, जवाहर लाल नेहरू, अशफाकउल्ला खान, सरदार वल्लभ भाई पटेल, रानी लक्ष्मी बाई, बेगम हजरत महल, भगत सिंह, लाल बहादुर शास्त्री, चंद्रशेखर आजाद आदि फैंसी ड्रेस कॉम्पिटिशन रखा गया है। इस कॉम्पटीशन में सभी विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रोग्राम श्री भगवान श्रीकृष्ण व राधा जी की आराधना करके प्रारंभ किया गया। शिक्षकों द्वारा भगवान श्री कृष्ण की जीवनी पर प्रकाश डाला गया, तत्पश्चात विद्यालय प्रांगण में मटकी फोड़ प्रतियोगिता रखा गया। विनर विद्यार्थियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के संचालक एवं प्रभारी प्राचार्य कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रतिभागी छात्र छात्राओं और उनके अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिले में धूमधाम से मनाई गई कृष्ण जन्माष्टमी

बांधवगढ़ में बाँधवाधीश मंदिर में श्रध्दालुओं ने किए दर्शन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व शुक्रवार को श्रद्धा, उल्लास और भक्तिभाव के साथ धूमधाम से मनाया गया। जिले के विभिन्न मंदिरों, धार्मिक स्थलों एवं ग्रामीण अंचलों में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली।भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप का आकर्षक श्रृंगार कर विधि-विधान से पूजन किया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिरों में भजन-कीर्तन, संकीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। रात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय मंदिरों में विशेष आरती एवं पूजा-अर्चना की गई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया

गया। ग्रामीण अंचलों में जन्माष्टमी का उत्साह विशेष रूप से देखने को मिला।पूरे जिले में जन्माष्टमी पर्व के दौरान धार्मिक और उत्सवी माहौल बना रहा। इस तरह ताला स्थित बाँधवाधीश मंदिर में भव्य आस्था का सैलाब उमड़ा। श्रद्धालु 8 किमी का पैदल सफर तय कर मंदिर तक पहँचे, और पूजा अर्चना की। इस दौरान लगभग 10 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं ने जन्माष्टमी पर्व पर बाँधवाधीश के दर्शन किये। सर्वप्रथम रीवा रियासत के वंशज दिव्यराज सिंह ने भगवान की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह श्रध्दालुओ के साथ पैदल आठ किलोमीटर की चढाई चढ़कर मंदिर पहुंचे तथा भगवान के दर्शन किए। मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था में जवानों को तैनात किया गया था। मेला के दौरान बांधवाधीश मंदिर परिसर में समग्र मेले की व्यवस्था हेतु बांधवगढ़ नेशनल पार्क के क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय लगातार निगरानी करते रहे।

नवोदय विद्यालय में कक्षा 9वीं और 11वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जवाहर नवोदय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 9वीं एवं 11वीं में रिक्त सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। नवोदय विद्यालय समिति ने लेटरल एंट्री सिलेक्शन टेस्ट - 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन पोर्टल लॉन्च कर दिया है। इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी बिना किसी शुल्क के ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। समिति द्वारा जारी सूचना के अनुसार कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए आवेदन पोर्टल उपलब्ध है और आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है।

कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश जवाहर नवोदय विद्यालयों में उपलब्ध रिक्त सीटों के आधार पर लेटरल एंट्री सिलेक्शन टेस्ट के माध्यम से किया जाएगा। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है तथा अभ्यर्थियों को आवेदन के दौरान आवश्यक जानकारी सावधानीपूर्वक दर्ज करनी होगी। परीक्षा एवं प्रवेश से संबंधित विस्तृत जानकारी समिति द्वारा जारी प्रॉस्पेक्टस में उपलब्ध है। कक्षा 9वीं के लिए ऑनलाइन आवेदनरू नवोदय विद्यालय समिति के निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल पर किया जा सकता है।

बालक क्रीड़ा परिसर भवन की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह

कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग पीआईयू को जारी किया नोटिस

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय द्वारा मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 अंतर्गत राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह बालक क्रीडा परिसर उमरिया 120 सीटर छात्रावास का निरीक्षण किया गया, जिसमें क्रीडा परिसर में कई जगह सीपेज की समस्या पायी गई तथा खेल मैदान में ट्रैक भी निर्मित नहीं पाया गया, इसी प्रकार उक्त परिसर हेतु जिम उपकरण, खेल सामग्री क्रय किये जाने के लिये राशि शेष है जिससे खेल सामग्री क्रय किया जाना भी नहीं पाया गया। इस संबंध में दूरभाष पर संपर्क करने पर आपके द्वारा खेल सामग्री की सूची सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य

विभाग से अप्राप्त होना बताया गया जबकि उपस्थित सहायक आयुक्त जनजातीय कार्यविभाग उमरिया द्वारा पूर्व में ही सूची आपको प्रदाय किया जाना बताया गया। साथ ही आपको भली भांति ज्ञात है कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत सभी अधिकारियों को अपने विभागीय संरचनाओं व योजनाओ का निरीक्षण किया जाना है, इसके बावजूद भी आपके द्वारा कोई भी निरीक्षण किया जाना नहीं पाया गया। इसी प्रकार उक्त भवन अभी पूर्णतः उपयोग में आने के पूर्व ही सीपेज जैसी समस्यायें आना भवन की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह उठाता है। इससे स्पष्ट है कि शासन की योजनाओं एवं शासकीय दायित्वों का निर्वाहन में कोई रूचि नहीं ली जा रही है। शासन द्वारा उपलब्ध कराये गये इतने भव्य क्रीडा भवन के बावजूद भी खेल सामग्री न होने से बच्चों के प्रतिभाओं का विकास न होना, जहां एक ओर शासन की मंशा के विपरीत है वहीं दूसरी ओर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड करना है। यह स्थिति अत्यंत खेद जनक है। आपका उक्त कृत्य वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश निर्देशों की अवेहलना एवं अपने पदीय दायित्वों के प्रति लापरवाही, उदासीनता, स्वेच्छाचारिता एवं कर्तव्यविमुखता का परिचायक है जो म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-3 के विपरीत होकर कदा चरण की श्रेणी में आता है।

जन्माष्टमी पर एम्बुलेंस में गूंजी किलकारी, 108 टीम बनी 'नंदलाल' के जन्म की साक्षी

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर जब मंदिरों में नंदलाल के जन्म की खुशियां मनाई जा रही थीं, उसी समय करकेली के ग्राम पड़ेरा में एक 108 एम्बुलेंस के भीतर नवजात की किलकारी गूंज उठी। 22 वर्षीय सिलोचिनी बाई गोंड को प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों ने 108 सेवा को सूचना दी। जिला प्रबंधक के निर्देश पर पायलट प्रदीप कचेर तत्काल मौके पर पहुंचे और प्रसूता को अस्पताल लेकर रवाना हुए।रास्ते में प्रसव पीड़ा अचानक तेज हो गई।स्थिति की गंभीरता को समझते हुए प्रदीप कचेर ने सूझबूझ और तत्परता दिखाई और एम्बुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया।कुछ ही देर में नवजात की किलकारी से एम्बुलेंस का माहौल खुशियों से भर गया।जच्चा-बच्चा दोनों को सुरक्षित नौरोज़ाबाद अस्पताल

पहुंचाया गया,जहां उनकी हालत सामान्य बताई बताई जा रही है,फिलहाल दोनों इलाजरत है।जन्माष्टमी के दिन हुआ यह प्रसव परिवार के लिए तो खुशी का अवसर बना ही,साथ ही 108 एम्बुलेंस सेवा के सेवाभाव और तत्परता की मिसाल भी बन गया। आपात स्थिति में समय पर पहुंचकर जीवन की रक्षा करना और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जिम्मेदारी निभाना 108 टीम की कार्यकुशलता को दर्शाता है।जिला प्रबंधक सत्येन्द्र कुमार वर्मा ने पायलट प्रदीप कचेर की तत्परता और सूझबूझ की सराहना की।जन्माष्टमी की इस पावन बेला में एम्बुलेंस से निकली नवजात की किलकारी मानो यह संदेश दे गई कि जहां समय पर सेवा पहुंचती है,वहां उम्मीद भी जन्म लेती है।

नाम परिवर्तन सूचना

सूचित करता हूं कि मैं अश्विन कोहड़े पिता सुधाकरराव कोहड़े जाति- लोहार, निवासी वार्ड नं. 11 कटंगी, तहसील-कटंगी, जिला-बालाघाट (म.प्र.) का निवासी हूं। मैं शपथकर्ता परिवहन विभाग से अपना ड्राइविंग लायसेंस में अश्विन कोहड़े हैं, जो अंग्रेजी में ASWIN अंकित हो गया हैं, जबकि वास्तविक नाम अंग्रेजी वर्णमाला के अनुसार ASHWIN अंकित होना था, जिसमें H शब्द अंकित नहीं हैं। अतः ड्रायविंग लायसेंस में वास्तविक नाम ASHWIN किया जावें।

गलत नामः ASWIN

सही नामः ASHWIN

शपथकर्ता- अश्विन कोहड़े

दो मिनट राष्ट्र के नाम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। माहिष्मती घाट के गोंड़ी पब्लिक ट्रस्ट भवन प्रांगण में हम फाउंडेशन जिला शाखा द्वारा राष्ट्रीय हित में मातृभूमि को नमन करते हुए 2 मिनट राष्ट्र के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का आयोजन किया गया कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि एनके यादव सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्राचार्य द्वारा भारतमाता के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण व पूजन कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया।

वरदान आश्रम में अर्चन यज्ञ

मण्डला(स्वतंत्र मत)। प्रथम अमरकंटक अनुष्ठान की सफलता के बाद द्वितीय श्री रेवा शिव नारायण अर्चन यज्ञ अंजनिया के वरदान आश्रम में सम्पन्न हुआ जिसमें रुद्राभिषेक,कान्हा जी का दिव्य अभिषेक एवं 108 कमल पुष्पों से नर्मदा जी का अर्चन हवन किया गया जिसमें वरदान आश्रम के संचालक नीलू महाराज साध्वी कल्पतरु माता जी शिवम् महाराज जया देवी, संजय चौरसिया,विजय पटैल,पवन जावरिया, श्याम श्रीवास, घनश्याम बर्मन, लालाराम हिमांशु सोनी, सागर सोनम चौरसिया नंदराम यादव आदि धर्मप्रेमी शामिल हुए।

परंपरागत थदड़ी पर्व मनाया

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सिंधी समाज की महिलाओं ने पूर्ण आस्था और परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ थदड़ी पर्व मनाया। पर्व के अवसर पर अधिकांश सिंधी परिवारों के घरों में चूल्हे नहीं जले। मान्यता के अनुसार थदड़ी पर चूल्हे को एक दिन का विश्राम देकर शीतला माता की पूजा की जाती है और ठंडा भोजन ग्रहण किया जाता है।

28 लीटर कच्ची शराब जब्त

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन एवं प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती शैली सैयाम के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के विक्रय एवं संग्रहण के विरुद्ध कार्रवाई की गई। 1 सितंबर को मंडला आबकारी वृत्त की टीम ने शहरी क्षेत्र के कटरा, बिंझिया एवं बस स्टैंड क्षेत्रों में दबिश दी। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 4 हजार 200 रुपये बताई गई है। आबकारी विभाग ने आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियमए 1915 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए हैं।

ˏशिक्षक सम्मान समारोह आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन की जिला शाखा मंडला द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह 5 सितंबर को दोपहर बाद 1 बजे से गोंड़ी पब्लिक ट्रस्ट भवन महिष्मति घाट में आयोजित किया जाएगा। इस दिन वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान किया जावेगा ।तथा मासिक बैठक होने के कारण सम्मान समारोह के साथ बाद मासिक बैठक का आयोजन किया जावेगा।

ब्रह्माकुमारीज में मटकी फोड़

मण्डला(स्वतंत्रमत)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मुख्य सेवाकेंद्र विश्व शांति भवन में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास उमंग एवं आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ममता दीदी, ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी, गर्ल्स कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. प्रो. शरद नारायण खरे, स्थानीय नागरिकों सहित ब्रह्माकुमार भाई-बहनें उपस्थित रहे कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने श्री कृष्ण एवं राधा का मनमोहक रूप धारण किया सुंदर वेशभूषा में सजे बच्चे सभी के आकर्षण का केंद्र रहे बच्चों द्वारा श्री कृष्ण-राधा की मनमोहक प्रस्तुतियां एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

श्रद्धाभाव और उल्लास के साथ मनाई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

मंदिरों में देर रात तक रही चहल-पहल, मटकी फोड़ प्रतियोगिताओं में दिखा उत्साह

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

योगिराज भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी नगर में श्रद्धा, उल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर नगर के कृष्ण मंदिरों में सुबह से लेकर देर रात्रि तक श्रद्धालुओं की चहल-पहल बनी रही। वार्ड क्रमांक 15 स्थित श्रीकृष्ण मंदिर सहित उमरिया स्थित श्रीकृष्ण मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिरों को आकर्षक विद्युत एवं पुष्प सज्जा से सजाया गया था। मंदिरों में दिनभर कृष्ण चालीसा, श्रीकृष्णार्चन एवं भजन-कीर्तन की गूंज सुनाई देती रही। मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के साथ श्रद्धालुओं ने आरती और पूजन-अर्चन कर सुख-समृद्धि की

कामना की। घर-घर भी जन्माष्टमी की धूम रही। श्रद्धालुओं ने बाल स्वरूप में भगवान श्रीकृष्ण को आकर्षक ढंग से सजाया। लड्डू गोपाल के विभिन्न मनमोहक स्वरूप लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। भक्तों ने आनंदकंद भगवान श्रीकृष्ण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर पंजरी का प्रसाद वितरित किया। नगर के विभिन्न

क्षेत्रों में मटकी फोड़ प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ। युवाओं और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आंखों पर पट्टी बांधकर दही हांडी फोड़ने का प्रयास किया। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

विद्यालयों में भी मनाया गया कृष्ण जन्मोत्सव

शासन के निर्देशानुसार नगर एवं ग्रामीण अंचलों के शासकीय विद्यालयों में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामगांव में भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनि मुनि के जीवन चरित्र से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। इसके साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विद्यालय में आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता में बालक वर्ग में सोमनाथ साहू तथा बालिका वर्ग में रीमा देशराज विजेता रहीं। संस्था प्रमुख बलप्रीत कौर ने विजेताओं को 500-500 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। प्रधान पाठक श्रीमती संगीता शर्मा ने भी प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। वहीं संस्था के कर्मचारियों के बीच आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता में गौतम सूर ने बाजी मारी। इसी क्रम में शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निवारी में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर विशेष पूजन-अर्चन किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने कृष्ण भजनों की श्रृंखला प्रस्तुत की। विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। आयोजन में विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

मटरू ढाबा का निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण दूध और दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा टेस्ट किट के माध्यम से सपोर्ट टेस्टिंग एवं जन-जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। अभियान के तहत एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी की संयुक्त टीम ने महाराजपुर स्थित मटरू ढाबा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दुग्ध उत्पाद की टेस्ट किट से प्राथमिक जांच की गई तथा पनीर का नमूना नियमानुसार संकलित कर जांच के लिए भेजा गया।

सहकारी समितियों की सदस्यता जारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले की सहकारी समितियों की सदस्यता सूची का प्रकाशन 31 अगस्त को संबंधित सोसायटी कार्यालयों के नोटिस बोर्ड सहित उप सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं मंडला कार्यालय संबंधित विकासखंड कार्यालय एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की शाखाओं के सूचना पटल पर किया गया है। जारी सूचना के अनुसार सदस्यता सूची के संबंध में किसी सदस्य को दावा या आपत्ति हो तो वह 8 सितंबर तक प्रमाण सहित लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता है। दावे-आपत्तियां कुशाल जंजाड़े, सहायक ग्रेड-3, जिला वनोपज सहकारी यूनियन पश्चिम मंडला कार्यालय अथवा कार्यालय सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं में जमा की जा सकती हैं। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निराकरण 9 सितंबर को दोपहर 1 बजे सोसायटी कार्यालय में किया जाएगा।

हाईस्कूल में जन्माष्टमी उत्सव

मण्डला(स्वतंत्रमत)। एकीकृत शासकीय हाईस्कूल बिंझिया में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य मुकेश कुमार पांडे के मार्गदर्शन में किया गया जिसमें समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ इसके पश्चात विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा हरे राम हरे कृष्णा का सामूहिक कीर्तन किया गया।

स्कूली प्रबंधन की मिलीभगत से समूहों की कालाबाजारी, बेसन-चावल तक सिमटा मध्यान्ह भोजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)

आदिवासी अंचलों में बच्चों के पोषण और सरकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर शासन भले ही बड़े-बड़े दावे करे लेकिन गांवों के स्कूलों से सामने आ रही तस्वीरें इन दावों पर सवाल खड़े कर रही हैं। बीजाडांडी विकासखंड अंतर्गत माध्यमिक शाला डुंगरिया में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का निरीक्षण किया गया तो कई खामियां सामने आईं। बच्चों को भोजन के नाम पर बेसन-चावल परोसे जाने की स्थिति ने योजना की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। मध्यान्ह भोजन योजना का मकसद बच्चों को स्कूल में सिर्फ खाना उपलब्ध कराना नहीं बल्कि उन्हें ऐसा पौष्टिक भोजन देना है जिससे उनके स्वास्थ्य और शारीरिक विकास को सहारा मिले। ऐसे में भोजन की थाली यदि सीमित और अपेक्षित पोषण से कमजोर नजर आती है तो यह सीधे तौर पर योजना के उद्देश्य और उसके जमीनी क्रियान्वयन की पड़ताल की मांग करता है। डुंगरिया स्कूल की स्थिति

सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल भोजन के मेन्यू और उसकी गुणवत्ता को लेकर है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं जिला शिक्षा समिति अध्यक्ष इंजी. कमलेश तेकाम, जिला पंचायत सदस्य श्रीमति वरकड़े ने क्षेत्र के स्कूलों का निरीक्षण किया तो अनेक खामियां सामने आई हैं। बच्चों को भोजन के नाम पर बेसन-चावल परोसा जा रहा था। किचिन सेड में हर तरफ गंदगी फैली हुई थी वहीं स्कूल की हालत भी ठीक नही है इस तरह की स्थिति पूरे जिले भर में दिखाई दे रही हैं। मीडिया से चर्चा करते हुए श्री तेकाम ने कहा कि आखिर बच्चों को निर्धारित मापदंडों के अनुसार भोजन मिल रहा है या नहीं? भोजन तैयार करने वाली व्यवस्था की निगरानी कौन कर रहा है विद्यालय में उपलब्ध खाद्यान्न और वास्तविक उपयोग का हिसाब कितना पारदर्शी है इन सवालों का जवाब

जिम्मेदार अधिकारियों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। लेकिन निरीक्षण के दौरान सामने आई स्थिति ने यह जरूर दिखा दिया है कि केवल योजना संचालित कर देना पर्याप्त नहीं है। उसकी नियमित निगरानी भी उतनी ही जरूरी है। मंडला जैसे आदिवासी बाहुल्य जिले में मध्यान्ह भोजन की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है। ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आने वाले बच्चों के लिए स्कूल में मिलने वाला भोजन उनके दैनिक पोषण का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। इसलिए भोजन की गुणवत्ता अथवा मात्रा में कमी को मामूली प्रशासनिक चूक मानकर टालना उचित नहीं होगा। सरकार आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा स्वास्थ्य और पोषण सुधारने के लिए लगातार योजनाएं संचालित कर रही है। लेकिन जब किसी स्कूल में भोजन व्यवस्था ही सवालों के घेरे में आती है तो यह जरूरी हो जाता है कि अधिकारी कागजी रिकॉर्ड के बजाय मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति की जांच करें। मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था में विद्यालय स्तर से लेकर प्रशासनिक स्तर तक निगरानी की जिम्मेदारी तय होती है। मामले में प्रशासन को तत्काल निष्पक्ष जांच करानी चाहिए। भोजन का मेन्यू खाद्यान्न का स्टॉक वितरण का रिकॉर्ड और बच्चों को परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता इन सभी बिंदुओं की जांच होनी चाहिए। यदि नियमों के उल्लंघन या लापरवाही की पुष्टि होती है तो जिम्मेदार व्यक्तियों पर नियमानुसार कार्रवाई भी की जानी चाहिए। बच्चों के नाम पर चल रही योजना का वास्तविक लाभ बच्चों तक पहुंच रहा है या नहीं अब जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की है कि वह मामले की गंभीरता से जांच कर कमियों को दूर कराए और यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारों की जवाबदेही तय करे। आखिर बच्चों के स्वास्थ्य और भविष्य से बड़ा कोई सरकारी लक्ष्य नहीं हो सकता।

नगर परिषद का स्वच्छता अभियान

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत)। नगर परिषद बम्हनी बंजर द्वारा नगर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने और मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के तहत महाविद्यालय के आसपास के क्षेत्र में जमा कचरा गंदगी एवं झाड़ियों की सफाई कर परिसर को स्वच्छ बनाया गया बारिश के मौसम में जगह-जगह पानी जमा होने के कारण मच्छरों के पनपने की संभावना बढ़ जाती है जिससे मलेरिया सहित अन्य मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बना रहता है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद द्वारा नियमित रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में साफ-सफाई कराई जा रही है सफाई अभियान के साथ ही मच्छरों के प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए फॉगिंग ऑयल एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव भी किया गया।

यादव समाज ने मनाया जन्माष्टमी पर्व, निकाली रैली

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जन्माष्टमी के पावन अवसर पर यादव समाज की आस्था और एकजुटता का अनोखा संगम देखने को मिला जय यादव-जय माधव के जयकारों से पूरा शहर गूंज उठा जब जिला यादव समाज ने स्वामी सीताराम वार्ड स्थित यादव समाज भवन-श्री राधाकृष्ण मंदिर से वाहन रैली निकाली रैली में भक्ति, उमंग और उत्साह का ऐसा माहौल बना और महिलाएं बच्चे और युवा भावविभोर होकर डांस करते नजर आए तीन सितंबर की रात से ही मंदिर में भजन-कीर्तन अभिषेक और महाआरती का सिलसिला चलता रहा चार सितंबर को सुबह हवन पूजन और पाठ के बाद रैली शुरू हुई छोटे-छोटे बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण और श्री राधा रानी के स्वरूप में सजाकर रथ पर बिठाया गया आसपास के गांवों से स्वजातीय

बंधु बड़ी संख्या में पहुंचे डीजे पर भक्तिमय गानों की धुन पर लोग थिरकने लगे। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी ने मंदिर में दर्शन-आशीर्वाद लेने के बाद रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया रैली का मार्ग यादव समाज भवन से इलाही चौक, उदय चौक, चिलमन चौक, बस स्टैंड, लालीपुर, बिझिंया कटरा, देवदरा, नेहरू स्मारक, महाराजपुर होते हुए बैगा-बैगी चौक और बड़ चौराहा से वापस यादव समाज भवन तक रहा लालीपुर चौराहे पर सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कार्यकर्ताओं के साथ पुष्पमालाओं से रैली का भव्य स्वागत किया चिलमन चौक, बस स्टैंड, देवदरा, महाराजपुर समेत कई जगहों पर लोगों ने पानी, बिस्किट और केले बांटे विश्व हिंदू परिषद ने भी रैली का स्वागत किया यादव समाज के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक महीने पहले से गांव-गांव जाकर निमंत्रण दिया था भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और यादव परंपरा की गरिमा को संजोते हुए यह आयोजन समाज की एकता और भक्ति भावना का जीवंत प्रतीक बन गया इस आयोजन को सफल बनाने में जिला यादव समाज अध्यक्ष बालकृष्ण यादव, युवा अध्यक्ष राजा यादव, रमेश यादव, भंगीलाल यादव, ललित यादव, गुलाब, प्रकाश, पवन यादव, संतोष यादव, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमति विमलेश यादव, संजना यादव, ज्ञानवती, मिथलेश यादव, संध्या यादव, बजलता, शक्ति यादव, सोनाली यादव, सपना यादव सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता का सहयोग रहा।

शिक्षा के साथ संस्कार की आवश्यकता

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं बल्कि शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को समझने का भी

महत्वपूर्ण दिन है। शिक्षा का अर्थ केवल पुस्तकीय ज्ञान हासिल करना या परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं है बल्कि विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण करना है। यह बात केमिस्ट्री टीचर मेंटर एवं मोटिवेटर मीतेश तिवारी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में बच्चों को विषय आधारित शिक्षा के साथ नैतिक शिक्षा और जीवन-मूल्यों की जानकारी देना भी बेहद जरूरी है। विद्यार्थियों को यह समझना चाहिए कि जीवन में सफलता केवल अच्छे अंक उच्च पद या आर्थिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है एक अच्छा इंसान बनना और समाज के प्रति जिम्मेदार होना भी सफलता का महत्वपूर्ण हिस्सा है उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करने असफलताओं से सीखने और विपरीत परिस्थितियों में स्वयं को संभालने की क्षमता विकसित करना आवश्यक है। जीवन में हर रास्ता आसान नहीं होता ऐसे में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं रह सकती। शिक्षक विद्यार्थियों में संघर्ष करने की क्षमता, धैर्य, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सड़क मरम्मत से राहगीरों को राहत

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)। नगर परिषद भुआ-बिछिया के वार्ड क्रमांक 2 में चर्राटोला उत्कृष्ट विद्यालय से सारसाडोली पहुंच मार्ग की लंबे समय से खराब सड़क की मरम्मत कराए जाने से स्थानीय नागरिकों और राहगीरों को राहत मिली है। बारिश के दौरान सड़क पर कीचड़ और जगह-जगह गड्ढे होने के कारण लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था आमजन की परेशानी को देखते हुए नगर परिषद द्वारा सड़क पर मिक्स मटेरियल एवं डस्ट-मुरूम डालकर आवश्यक सुधार कार्य कराया गया सामग्री डालने के बाद सड़क का समतलीकरण किया गया जिससे मार्ग पहले की अपेक्षा बेहतर और आवागमन योग्य हो गया है। स्थानीय नागरिकों ने नगर परिषद के प्रति आभार जताया यह कार्य मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेश कुमार मार्को के आदेशानुसार इंजीनियर एचआर कुरैशी के मार्गदर्शन में तथा सहायक कर्मचारी कपिल नंदा एवं अवन बेसन की देखरेख में कराया गया।

रंजीत कछवाहा बने राष्ट्रीय प्रवक्ता

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सूर्यवंशी कछवाहा-कुशवाहा राजपूत महासभा भारत की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक इंदौर स्थित खजराना गणेश मंदिर परिसर के भक्त निवास में आयोजित हुई। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने सहभागिता की कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञ-हवन भगवान श्रीराम एवं महाराज कुश-लव के तैलचित्र पर तिलक-वंदन पुष्पहार एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। समाज की मातृशक्ति एवं बेटियों ने अतिथियों का तिलक-वंदन कर स्वागत किया बैठक में राष्ट्रीय एवं मध्य प्रदेश कार्यकारिणी के पुनर्गठन के साथ

आगामी सामाजिक एवं संगठनात्मक योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसी दौरान रंजीत कछवाहा को सूर्यवंशी कछवाहा-कुशवाहा राजपूत महासभा भारत का राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोनीत किया गया इसके अलावा इंदौर के एडवोकेट आलोक कुशवाह को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तथा देवेंद्र दुबगे, इंदौर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। मध्यप्रदेश कार्यकारिणी में अनिल कनौजिया, जबलपुर को प्रदेश अध्यक्ष, संजय कुशवाहा, इंदौर को प्रदेश महासचिव तथा राजकुमार हरदहा, उज्जैन को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

संपादकीय

आर्थिक असमानता की खाई

भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अर्थशास्त्रियों का निष्कर्ष है कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी रहेगी। यह विकास दर इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ईरान युद्ध का कालखंड रहा है। युद्ध के कारण तेल-गैस, उर्वरक, खाद्य और अन्य सामान के संकट दुनिया ने झेले हैं और युद्ध अब भी जारी है। सप्लाई चेन अब भी बाधित है। होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी लगभग बंद है। ईरान का डंडा चल रहा है, बेशक अमरीका कुछ भी दावे करे। युद्ध के अलावा, अल-नीनो और ट्रंपवादी टैरिफ के प्रभाव भी रहे हैं, लिहाजा भारत की वास्तविक जीडीपी की यह दर और नॉमिनल जीडीपी की 10.3 फीसदी विकास दर, यकीनन, बेहतर अर्थव्यवस्था के प्रमाण हैं। 1.99 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी संग्रह भी एक रिकॉर्ड है। कमोबेश भारत की अर्थव्यवस्था 'मृत' नहीं है, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने उगला था। भारत का खनन क्षेत्र 'नकारात्मक' (-2.4 फीसदी) रहा है, लेकिन कृषि, मैन्युफैक्चरिंग, निर्माण, सर्विस, व्यापार, होटल, वित्तीय सेवाएं, रियल एस्टेट, लोक प्रशासन आदि क्षेत्रों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि पिछले साल की तुलना में कृषि की विकास दर ने 0.8 फीसदी का गोता खाया है, फिर भी यह 3.6 फीसदी रही है। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस क्षेत्र में बढ़ोतरी क्रमशः 10.7 और 10 फीसदी दर्ज की गई है। उद्योग क्षेत्र की वृद्धि दर भी 5.2 फीसदी आंकी गई है। जीडीपी गणना की प्रक्रिया और प्रणाली पर प्रख्यात अर्थशास्त्रियों ने लगातार सवाल उठाए हैं। वे इसमें 2.5 फीसदी के 'फर्जीवाड़े' का आकलन करते रहे हैं। बहरहाल सवाल और जिज्ञासा यह है कि जीडीपी के ये आंकड़े देश के शीर्ष 100 अरबपतियों की तीन गुना बढ़ी संपत्तियों की बदौलत हैं अथवा इसमें देश के कामकाजी वर्ग, श्रम-बल, निजी खपत और निवेश के भी आंकड़े शामिल हैं? यदि हमारी अर्थव्यवस्था की विकास दर लगभग यही रही है या 7 फीसदी के करीब रही है, तो देश की प्रति व्यक्ति आय 2.35 लाख-2.72 लाख रुपए के बीच क्यों है? भारत दुनिया में 144-149वें स्थान तक क्यों रहता है? जर्मनी और जापान की प्रति व्यक्ति आय क्रमशः करीब 54-55 लाख रुपए और 29-30 लाख रुपए है। दोनों देश तीसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। कोई तुलना है क्या? क्रय-शक्ति समता के आधार पर भी भारत 121-125वें स्थान पर क्यों है? भारत और जापान की जीडीपी में कोई खास अंतर नहीं है। बहरहाल 'आर्थिक असमानता' की यह खाई कब तक भरी जाएगी? अरबपतियों की दौलत तो बढ़ती रहेगी, लेकिन आम आदमी की औसत आमदनी 1 फीसदी भी क्यों नहीं बढ़ पाई है? सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ही, 18-29 साल के आयु-वर्ग के 14.8 फीसदी युवा बेरोजगार हैं। डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त 29.4 फीसदी युवाओं के पास निश्चित, स्थिर काम नहीं है। नीट श्रेणी के 40.1 फीसदी युवा बेरोजगार हैं। क्या इनसे भयावह यथार्थ कोई और हो सकता है? बेशक सरकार दावा कर रही है कि देश की बेरोजगारी दर 5.1 फीसदी है। यदि युवा जैसी सबसे उर्वर आयु और जमात बेरोजगार है, तो कौन-सी आर्थिकी 'बम-बम' है? एक और डराने वाला आंकड़ा सामने आया है कि करीब 8 करोड़ लोग वापस कृषि की ओर चले गए हैं। वे रोजगार में हैं अथवा बेरोजगार हैं, सरकार और नीति आयोग स्पष्ट करें। बेशक शेयर बाजार में विदेशी निवेशक बढ़े हैं, बीते एक साल में करीब 30 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया है, देश में 18 करोड़ ईपीएफ के नए खाते खुले हैं, लेकिन अभी यह विकास आश्वस्त करने वाला नहीं है। देश के आर्थिक विकास के लिए युवाओं को रोजगार प्रदान करना होगा। सार्वजनिक क्षेत्र में सरकारों के पास इतनी नौकरियां नहीं हैं कि सभी को सरकारी रोजगार दिया जा सके। इसलिए सरकारी क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र को भी प्रोत्साहन देना होगा, ताकि वह युवाओं को वांछित संख्या में रोजगार दे सके।

5 सितंबर शिक्षक दिवस पर विशेष

राष्ट्र निर्माता शिक्षक का सम्मान एक ही दिन क्यों?

डॉ.अशोक कुमार भार्गव
पूर्व आईएएस, मप्र

शिक्षक दिवस राष्ट्र निर्माता शिक्षकों के नमन का दिन है जो ज्ञान की रोशनी से विद्यार्थियों को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। जो अपने विद्यार्थियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए निस्वार्थ भाव से अपना वर्तमान समर्पित कर देते हैं। वे जो वर्तमान पीढ़ी के व्यक्तित्व को परिष्कृत कर राष्ट्र के भविष्य को स्वर्णिम बनाते हैं। वे शिक्षक जो जीवन संग्राम में आने वाली चुनौतियों का सामना करने की सामर्थ्य अपने विद्यार्थियों में सृजित करते हैं। इन्हीं शिक्षकों की गरिमा और यश को गौरवान्वित करने का दिवस है शिक्षक दिवस। शिक्षकों के श्रेष्ठतम कार्यों का मूल्यांकन कर उन्हें सार्वजनिक रूप से अलंकृत करने का संकल्प दिवस है शिक्षक दिवस। निसंदेह किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव राष्ट्र निर्माता शिक्षक ही होते हैं। इसीलिए भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षकों को परमेश्वर से भी पहले सम्मान दिया गया है क्योंकि शिक्षक अपने विद्यार्थियों के हृदय में शुभ संस्कारों के सर्जक के नाते ब्रम्हा हैं। उनके रक्षण वर्धन के नाते विष्णु और अशुभ संस्कारों, अन्तरविकारों को नष्ट करने के कारण शिव है अर्थात ब्रम्हा विष्णु और महेश के समन्वित स्वरूप का दूसरा नाम ही गुरु है। जिस प्रकार कुम्हार बाहर से घड़े को ठोकता पीटता है तथा भीतर से हाथ का सहारा देकर खोट निकालकर लोकोपयोगी घट का निर्माण करता है। उसी प्रकार आदर्श शिक्षक भीतर से अपनी सहानुभूति का सहारा देता हुआ ऊपर से आवश्यकतानुसार चोट मारकर गढ गढ कर अपने शिष्य का शुभ निर्माण करता है। कबीरदासजी कहते हैं- गुरु कुम्हार सिख कुंभ है, गढि गढि काढै खोट। अंतर हाथ सहारे दै, बाहर- बाहर चोट। ऐसे सुनिर्मित विद्यार्थी ही राष्ट्र के भावी कर्णधार और रक्षक होते हैं। यदि शिक्षक अपने छात्रों का निर्माण ठीक से न करें तो उसकी गलती राष्ट्र के भविष्य में झलकती है। महर्षि अरविंद कहते हैं कि अध्यापक राष्ट्र की संस्कृति के चतुरमाली होते हैं। वे संस्कारों की जड़ों में खाद देते हैं और अपने श्रम से उन्हें सींच सींच कर महाप्राण शक्तियां बनाते हैं। इसलिए विद्यार्थियों को भी यह समझ लेना चाहिए की यह तन विष की बैलरी गुरु अमरित की खान, सीस दिए जो गुरु मिले तो भी सस्ता जान।

डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन महान दार्शनिक, शिक्षक और भारत के द्वितीय राष्ट्रपति थे। इन्होंने कबीरदास की भांति शिक्षकों की महिमा को मंडित करने के लिए अपने प्रशंसकों द्वारा उनका जन्मदिवस सार्वजनिक रूप से मनाने के आग्रह पर अपना जन्मदिवस शिक्षकों के नाम समर्पित कर दिया। और 1962 से प्रति वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा।

किसी भी राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों की भूमिका अप्रतिम होती है जैसा कि चाणक्य कहते हैं कि शिक्षक कभी साधारण नहीं होता प्रलय और निर्माण उसकी गोद में पलते हैं। डॉ. राधाकृष्णन का मत है कि शिक्षक एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को बौद्धिक परंपराएं और तकनीकी कौशल पहुंचाने का केंद्र है। हेनरी ब्रुक्स एडम्स कहते हैं कि एक शिक्षक अनंत काल को प्रभावित करता है,वह कभी नहीं बता सकता कि उसका प्रभाव कहां रुकता है।

डॉ.भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा को सामाजिक बदलाव, अधिकार प्राप्ति और मुक्ति का सबसे शक्तिशाली साधन माना। उनकी दृष्टि में शिक्षक राष्ट्र रूपी रथ का सारथी है नौकरी करने वाला मास्टर नहीं। शिक्षा केवल किताबों से ही नहीं मिलती, वह शिक्षक के आचरण और व्यवहार से भी मिलती है। इसलिए शिक्षक में करुणा, समता और बंधुता का भाव होना चाहिए। वह प्रज्ञावान शीलवान और लोकतांत्रिक मूल्यों में आस्था रखने वाला योग्य शिक्षक होना चाहिए। जिस धरा पर कबीर ने गुरु की महिमा को गोविंद से पहले ये कह कर मंडित किया कि हरि रूठै गुरु ठौर है, गुरु रूठै नहीं ठौर, उसी धरा पर क्या शिक्षकों की गरिमा का सम्मान सिर्फ एक दिन होना चाहिए? क्या ये संभव नहीं है कि शिक्षक जो न केवल राष्ट्र निर्माता चरित्र निर्माता हैं उसकी महिमा का सम्मान निरंतर करें क्योंकि राष्ट्र का निर्माण सिर्फ एक दिन में नहीं होता है, वरन उसके लिए अनवरत साधना होती है और शिक्षक भी किसी एक दिन में ही अपने विद्यार्थियों को संपूर्ण नहीं बना देते, वरन वे प्रतिदिन इस दिशा में समर्पण भाव से क्रियाशील रहते हैं। अतः ऐसे आदर्श शिक्षक हो वर्ष में सिर्फ एक दिन नहीं वरन प्रतिदिन प्रतिपल प्रतिक्षण सम्मान के पात्र होते हैं।

भारत की सांस्कृतिक चेतना में शिक्षा और समाज का शाश्वत संबंध रहा है। सभ्यता के प्रारंभ से ही वैविध्यपूर्ण भारतीय समाज में वेदों उपनिषदों पुराणों के जीवन दर्शन और धर्म की शिक्षा पर स्पष्ट छाप रही है। नालंदा,तक्षशिला, विक्रमशिला भारतीय शिक्षा पद्धति के गौरवशाली बौद्धिक स्मारक हैं। गुरु और शिष्य का आदर्शात्मक संबंध अलौकिक था नगर के कोलाहल से दूर गुरुकुल व्यवस्था में संघर्षों से मुक्त बौद्धिक शक्ति, चरित्र बल और आध्यात्मिक चेतना से संपन्न हो कर सांसारिक जीवन में उनका प्रवेश अर्थ धर्म काम और मोक्ष के पुरुषार्थ की सिद्धि में सहायक होकर पूर्ण मनुष्य का निर्माण करने वाली थी। किन्तु मध्यकालीन भारतीय समाज में शिक्षा प्रदान करने के प्रमुख माध्यम मकतबा और मदरसे बने रहे जिसके कारण शिक्षा का क्षेत्र बहुत सीमित हो गया। इसके पश्चात आए अंग्रेजों ने शिक्षा के रहे सहे अस्तित्व को भी विकृत कर दिया। अंग्रेज भारतीयों को वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा देने के पक्ष में नहीं थे। सन 1835 में मैकाले ने कहा कि हमें एक ऐसा वर्ग पैदा करना चाहिए जो हमारे और करोड़ों लोगों के बीच जिन पर हम शासन करते हैं, दुभाषिये का काम कर सके। ऐसे व्यक्तियों का वर्ग जो रंग और रक्त से भारतीय हो किन्तु रुचियों, विचारों, नैतिकता और बुद्धि में अंग्रेज हों। आज़ादी के बाद देश में शिक्षा के बहु आयामी विकास के लिए अनेक स्तरों पर पहल की गई, किंतु मुख्य प्राथमिकता गुणात्मक शिक्षा के स्थान पर परिमाणात्मक विकास पर केंद्रित होने से शिक्षा का चरित्र उपनिवेशवादी बना रहा। आधुनिक राष्ट्रय शिक्षा नीति 2020 भारत की आत्मा और भारतीयता की उद्घोषणा है। यह ऐसी प्रथम शिक्षा नीति है जो भारतीय व्यक्तियों के विचारों के अनुकूल है। हमारे होनहार बच्चों में ज्ञान विज्ञान के मूल स्रोत को जागृत करना इस नीति का मुख्य ध्येय है।यह अंग्रेजों की उस साजिश को भी समाप्त करने का कार्य करती है जिसमें उन्होने भाषा के आधार पर भारतीयों में हीन भावना पैदा करने का प्रयास किया था। यह नागरिक आकांक्षाओं का प्रतिबिंब और भविष्य के भारत की नींव है।

शिक्षक को राष्ट्र निर्माता कहने भर से राष्ट्र का निर्माण नहीं होता जब तक कि शिक्षक को अपने दायित्व निर्वहन में पूरी आज़ादी न दी जाए। शिक्षकों के सामाजिक आर्थिक शैक्षणिक उत्थान के बिना राष्ट का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। शिक्षक यदि तनाव से मुक्त आनन्द से युक्त और व्यर्थ की गुलामी से मुक्त है , राजनीति के विषैले वातावरण से ग्रस्त नहीं है,प्रशासन के अनावश्यक हस्तक्षेप से मुक्त है, विद्यालय में प्रवेश के लिए संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता है, कोचिंग संस्थानों पर प्रतिबंध है, प्रेरणा और प्रोत्साहन का वातावरण है तभी वह शिक्षा को सही अर्थों में घटित कर सकता है। अन्यथा वह अपने शिक्षकीय दायित्व के साथ न्याय नहीं कर सकेगा।यह कटु सत्य है कि शिक्षक यदि भूखा है तो समझिए ज्ञान का सागर भी सूखा है।

मेरी दृष्टि में शिक्षकीय दायित्व बहुत पवित्र किन्तु कठिन है। गगन को चूमती हुई अट्टालिकाओं को निर्मित करना सरल है। उफनती नदी के वेग को नियंत्रित कर नहरें निर्मित करना भी सरल है। चट्टानों के सीने चीर कर सड़कें बनाना भी सरल है, किंतु राष्ट्र के लिए एक आदर्श और उपयोगी पीढ़ी को निर्मित करना बहुत कठिन है।यह कठिन दायित्व हमारे प्रथम गुरु पूज्य माता और पिता के बाद शिक्षक निभा रहे हैं।

हमारे हाथों की उंगलियां एक जैसी नहीं होती। किसी तालाब में कुछ गंदी मछलियाँ हों तो वह पूरा तालाब गंदा नहीं हो जाता। शिक्षकीय समुदाय संख्या की दृष्टि से बहुत विशाल है। हो सकता है कि कुछ शिक्षक अपने निजी स्वार्थ के लिए राजनीति के विषैले माहौल में रहते हों। कुछ शिक्षक निष्ठा से अपने दायित्व का निर्वहन भी नहीं करते। समय पर विद्यालय नहीं आते। कुछ साधारण शिक्षक हैं जो पढ़ाते हैं। कुछ श्रेष्ठ शिक्षक हैं जो व्याख्या करते हैं और कुछ उत्कृष्ट शिक्षक भी हैं जो छात्रों के मन में सीखने की जिज्ञासा पैदा करते हैं । अतः हम समग्र शिक्षक समुदाय को लांछित नहीं कर सकते। वे शिक्षक जो अपने कर्तव्यों के प्रति उदासीन हैं उनके विरुद्ध कार्रवाई के प्रावधानों से ठीक किया जा सकता है। सोशल मीडिया, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के चमत्कारी दौर में भी शिक्षक अनेक चुनौतियों और विषमताओं के बावजूद ज्ञान की रश्मियों से अपने विद्यार्थियों को आलोकित कर रहे हैं।उनमें जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों से जूझने का जीवट सृजित कर रहे हैं। उनके चिंतन के क्षितिज का विस्तार कर उनके विचारों के वैभव को निखार रहे हैं। तभी तो यह देश आगे बढ़ रहा है प्रगति कर रहा है। आज हमारे देश में विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर उपलब्धियों के जो नित नए आयाम स्थापित हो रहे हैं उसकी बुनियाद में कहीं न कहीं हमारे शिक्षकों का समर्पण भी है। तो ऐसी स्थिति में शिक्षकों का सम्मान सिर्फ एक दिन ही क्यों। वर्ष के बाकी 364 दिन क्यों नहीं होना चाहिए।

हमारे देश में ऐसे आदर्श शिक्षकों की कमी नहीं है जिनका जीवन प्रेरणा और प्रोत्साहन का प्रकाश स्तम्भ है। एक विद्यालय तीन विद्यार्थी विलंब से पहुंचे, तब तक प्रार्थना समाप्त हो चुकी थी। स्कूल के प्राचार्य ने इन चारों को स्कूल के मैदान में तीन चक्कर लगाने की सजा दी। तीनों विद्यार्थी प्राचार्य के आदेश के पालन में मैदान के चक्कर लगाना शुरू कर दिए। दो चक्कर लगाने के बाद उन्होंने देखा कि उनके पीछे पीछे प्राचार्य जिनकी उम्र लगभग पचपन वर्ष की रही होगीभी हांफते हुए दौड़ रहे हैं। छात्रों ने रुककर प्राचार्य से पूछा सर आप किस लिए दौड़ रहे हैं? तब प्राचार्य ने जो उत्तर दिया वह उनके आदर्श चरित्र की पराकाष्ठा है। प्राचार्य ने कहा कि मेरी तमाम कोशिशों के बाद भी यदि मैं छात्रों को अनुशासन और समय की महत्ता नहीं समझा सका तो इसका अर्थ है कि मेरे प्रयासों में ही कहीं त्रुटि है। इसलिए जितनी गलती आपकी है उससे ज्यादा मेरी गलती है। चूंकि मुझे कोई सजा नहीं दे सकता इसलिए मैंने अपनी सजा खुद ही तय कर दी है और जब तक मैं इस स्कूल के विद्यार्थियों को समय का अनुशासन नहीं समझा पाऊंगा तब तक मैं भी उनके साथ मैदान के चक्कर लगाऊंगा। क्या ऐसे आदर्श शिक्षक के सम्मान में हमें श्रद्धावनत नहीं होना चाहिए।

स्मृतियों में हमेशा जीवित रहेंगे प्रशांत पराशर

कुछ रिश्ते खून के मोहताज नहीं होते और ना ही समय के साथ पुराने होते हैं, बल्कि समय बीतने के साथ भावनाओं पर आधारित ऐसे रिश्तों की अहमियत और बढ़ती जाती है। प्रशांत पराशर भी ऐसे ही आत्मीय मित्र और साथी थे, जिनकी याद आज भी दिल को झकझोर देती है और मन भावुक हो जाता है। वर्ष 1996 से 2020 तक लगभग 25 वर्षों का हमारा साथ केवल संस्थागत कार्य तक ही सीमित नहीं था। कार्यालयीन दायित्व हों या परिवार के सुख-दुःख, हर अवसर पर प्रशांत हमेशा हमारे साथ खड़े दिखाई देते थे। काम के बीच उनकी सहज मुस्कान, अपनापन और सहयोग की भावना आज भी स्मृतियों में उसी तरह जीवंत है।

सतीश रांका

मैंने, सुबोध दुबे और प्रशांत पराशर ने अनेक वर्षों तक साथ मिलकर कार्य किया। इस लंबे सफर में हमने न जाने कितने कार्यक्रम, बैठकों, पारिवारिक समारोहों और सामाजिक अवसरों को साथ देखा। घर में शादी का आयोजन हो, कार्यालय का कोई महत्वपूर्ण कार्य हो या किसी मित्र की आवश्यकता, प्रशांत का साथ हमेशा भरोसा देता था। प्रशांत का व्यक्तित्व सरल, मिलनसार और आत्मीय था। वे संबंधों को निभाने में विश्वास रखते थे। उनके लिए मित्रता केवल साथ बैठने या साथ काम करने का नाम नहीं थी, बल्कि आवश्यकता के समय साथ खड़े रहने का नाम थी। यही कारण है कि उनके जाने के बाद भी उनकी कमी केवल एक व्यक्ति की कमी नहीं, बल्कि एक ऐसे आत्मीय साथी की कमी है जिसकी भरपाई संभव नहीं।

29 सितंबर 2020 का दिन हमारे लिए कभी न भूलने वाला दिन बन गया। कोरोना महामारी के दौर में प्रशांत नश्वर शरीर को छोडक़र हमसे हमेशा के लिए विदा हो गए। यह सत्य स्वीकार करना अत्यंत कठिन था। मन आज भी यही कहता है कि प्रशांत जैसे मित्र को इतनी जल्दी हमसे दूर नहीं जाना चाहिए था। आज जब यह पुरानी तस्वीर सामने आती है, तो चेहरे पर मुस्कान के साथ आंखें भी नम हो जाती हैं। तस्वीर में हम तीनों साथ हैं, लेकिन तस्वीर के बाहर भी हमारी अनगिनत यादें हैं। साथ किए गए काम, हंसी-मजाक, पारिवारिक प्रसंग, जिम्मेदारियां और जीवन के अनेक छोटे-बड़े पल। प्रशांत आज हमारे बीच भले ही शारीरिक रूप से नहीं हैं, लेकिन उनकी स्मृतियाँ हमारे साथ हैं। अच्छे मित्र कभी सचमुच विदा नहीं होते, वे हमारी यादों और जीवन के उन पलों में हमेशा जीवित रहते हैं, जिन्हें हम कभी भूल नहीं सकते।

हितकारिणी सभा से जुड़े रहकर प्रशांत पराशर ने जिस निष्ठा और समर्पण से अपने दायित्वों का निर्वहन किया, वह संस्थान के हर सदस्य के लिए एक मिसाल है। हितकारिणी सभा की यह हमेशा से परिपाटी रही है कि वह अपने हर सदस्य और कर्मचारी के योगदान को सदैव जीवंत रखती है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर हितकारिणी सभा स्व. प्रशांत पराशर की स्मृति को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। इस अवसर पर 4 विशेष प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन केवल एक सम्मान समारोह नहीं है, बल्कि उस शख्सियत को एक भावभीनी श्रद्धांजलि है, जिन्होंने अपनी आखिरी सांस तक अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखा। प्रशांत पराशर की याद में दी जाने वाली यह प्रतिष्ठा निश्चित ही उनके सेवाभाव को अमर रखेगी और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। अपनों को खोने का दर्द क्या होता है, यह वही जानते हैं जिन्होंने अपनों को गंवाया है। लेकिन जब हितकारिणी सभा अपनों की याद को इस तरह नेकी और प्रोत्साहन से जोड़ देती है, तो लगता है कि वे हमारे बीच से गए ही नहीं, बस रूप बदलकर प्रेरणा बन गए हैं। प्रशांत पराशर को भावभीनी श्रद्धांजलि। वह हमेशा हमारी स्मृतियों में जीवित रहेंगे।

किताबी ज्ञान से आत्मनिर्भरता तक - सच्चे गुरु की कसौटी

अनिरुद्ध सिंह 'कुसुम'
लेखक/पत्रकार

शिक्षक हमे मात्र शिक्षित ही नहीं करता बल्कि हमारे पास उपलब्ध ज्ञान को एक दिशा प्रदान करता है जिस पर चलकर हम एक सफल जीवन जीने की राह मिलती है। शिक्षक हमारी क्षमताओं को इस तरह तराशता है कि हम समाज में आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जी सकें। शिक्षक को अक्सर हम ब्लैकबोर्ड और किताबों तक सीमित कर देते हैं, लेकिन उसका असली काम कुम्हार जैसा है। जैसे कुम्हार गीली मिट्टी को आकार देकर घड़ा बनाता है, वैसे ही शिक्षक हमारे अंदर की कच्ची प्रतिभा को आकार देता है। डिग्री तो हमें नौकरी के लिए योग्य बनाती है, पर शिक्षक के दिए संस्कार हमें जीवन के लिए योग्य बनाते हैं। इतिहासकारों, विचारकों और दार्शनिकों के अनुसार शिक्षक केवल किताबी ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि समाज की दिशा और दशा तय करने वाला मुख्य शिल्पकार है।

शिक्षक पर प्रमुख विचारः-भविष्य के निर्माताः महान दार्शनिकों और इतिहासकारों का मानना है कि शिक्षक समाज की नींव को मजबूत करते हैं। वे विद्यार्थियों में वैचारिक स्पष्टता, नैतिकता और तार्किक सोच विकसित करते हैं।

सोचने की प्रेरणाः भारत के पूर्व राष्ट्रपति और शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के अनुसार, सच्चा शिक्षक वह नहीं जो छात्र के दिमाग में तथ्य ठूंस दे, बल्कि वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करे और सोचने की प्रेरणा दे।

मार्गदर्शक और परिवर्तनकारी शक्तिः इतिहास इस बात का गवाह है कि चाणक्य जैसे आचार्यों ने साधारण बालकों को चंद्रगुप्त जैसे सम्राट और राष्ट्र निर्माता में बदल दिया। शिक्षकों का प्रभाव केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि पूरी पीढ़ी और सभ्यताओं पर पड़ता है। सत्य और समावेशी दृष्टि का विकासः जेम्स डब्ल्यू. लोवेन जैसे आधुनिक इतिहासकारों ने माना है कि एक अच्छा शिक्षक छात्रों को रूढ़िवादी या अधूरे इतिहास से बाहर निकालकर एक ईमानदार, तार्किक और समावेशी दृष्टिकोण देना सिखाते हैं।

शिक्षक की मुख्य भूमिकाएँ-

* **कार्यक्षमता का विकास**- हर बच्चे में कोई न कोई छिपी हुई प्रतिभा होती है। कोई चित्रकला में अच्छा है तो कोई गणित में, कोई बोलने में निपुण है तो कोई हाथ के हुनर में। सच्चा शिक्षक उस छिपी प्रतिभा को सबसे पहले पहचानता है। वह सिर्फ सबसे होशियार बच्चे पर ध्यान नहीं देता, बल्कि कमजोर से कमजोर बच्चे में भी वह चिंगारी ढूंढ लेता है और उसे हवा देता है। वह उसकी कार्य कुशलता को निखारता है ताकि वह भीड़ में भी अपनी अलग पहचान बना सके।

सही मार्गदर्शन- जीवन में कई मोड़ आते हैं जहां सही और गलत में फर्क करना मुश्किल होता है। किताबें हमें फॉर्मूले सिखा सकती हैं, जीवन के फैसले लेना नहीं। यहीं पर शिक्षक एक दीये की तरह काम करता है। वह हमें डांटता भी है, रोकता भी है, लेकिन उसके पीछे स्वार्थ नहीं, चिंता होती है।हमें सिखाता है कि नकल करके पास होने से बेहतर है, मेहनत करके फेल होना। यह ईमानदारी का पाठ ही आगे चलकर हमारा चरित्र बनता है।

आत्मनिर्भरता- शिक्षक का अंतिम लक्ष्य हमें अपने पैरों पर खड़ा करना होता है। उनकी दी गई शिक्षा संस्कार हमें इस योग्य बनाते हैं कि हम किसी पर बोझ न बनें, बल्कि समाज में सिर उठाकर जी सकें। आत्मनिर्भरता का मतलब सिर्फ पैसा कमाना नहीं, बल्कि अपने निर्णय खुद लेना, अपनी जिम्मेदारी खुद उठाना भी है।

सीमाओं से परे शिक्षकः दुनिया के प्रेरणा स्रोत गुरु

डॉ. आशीष कुमार यादव
लेखक विजिटिंग फैकल्टी
राजनीति विज्ञान विभाग
जबलपुर (म.प्र.)

शिक्षक दिवस ज्ञान, संस्कार और प्रेरणा से भविष्य गढ़ने वाले गुरुजनों को नमन, शिक्षक की भूमिका किसी देश, भाषा या सीमा तक सीमित नहीं होती। संसार के हर समाज में शिक्षक भविष्य का निर्माता होता है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि कई महान शिक्षकों ने अपने विद्यार्थियों के जीवन के साथ-साथ पूरे समाज और दुनिया की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐनी सुलिवन अमेरिका की शिक्षिका थीं। उनकी छात्रा हेलेन केलर देख और सुन नहीं सकती थी। ऐनी सुलिवन ने धैर्य और विशेष तरीकों से उन्हें भाषा सीखने में मदद की। आगे चलकर हेलेन केलर एक प्रसिद्ध लेखिका और प्रेरणादायक व्यक्तित्व बनीं। मारिया मोंटेसरी ने बच्चों को पढ़ाने की एक नई पद्धति विकसित की। उनका मानना था कि बच्चों को केवल किताबों से नहीं बल्कि खेल, गतिविधियों और अनुभवों के माध्यम से सिखाना चाहिए। आज दुनिया के अनेक देशों में मोंटेसरी शिक्षा पद्धति अपनाई जाती है। सुकरात एक महान शिक्षक और दार्शनिक थे। उनका पढ़ाने का तरीका अलग था। वे विद्यार्थियों को सीधे उत्तर देने के बजाय सवाल पूछते थे ताकि विद्यार्थी स्वयं सोचकर सही उत्तर तक पहुँच सकें। भारतीय संस्कृति में गुरु को अत्यंत सम्मान दिया गया है। आज के डिजिटल युग में इंटरनेट और तकनीक के माध्यम से जानकारी प्राप्त करना आसान है, किंतु तकनीक हमें सूचना दे सकती है लेकिन शिक्षक हमें विवेक, संस्कार और दिशा देता है। सीमाएं देशों की हो सकती हैं, भाषाओं की हो सकती हैं, लेकिन ज्ञान और गुरु की प्रेरणा की कोई सीमा नहीं होती। शिक्षक दिवस हमें यह याद दिलाता है कि राष्ट्र का भविष्य केवल संसद, संस्थानों या नीतियों में नहीं बनता; उसका निर्माण कक्षाओं में भी होता है।

कॉलेजियम प्रणाली पर देशव्यापी चिंता, राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग असंवैधानिक, रास्ता क्या?

विनय झैलावत

हाल ही में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां द्वारा कॉलेजियम प्रणाली में पारदर्शिता नहीं होने की आलोचना करने के बाद यह मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों की नियुक्ति के कारणों का खुलासा नहीं होने से न्यायपालिका का नुकसान हो रहा है। नियुक्ति न किए जाने का कारण न बता कर कॉलेजियम ऐसे न्यायाधीशों के साथ अन्याय कर रहा है, जिन्होंने अथक परिश्रम किया है। इस तरह हम न्यायपालिका में कुछ ऐसे लोगों को प्रवेश की अनुमति दे रहे हैं, जो बाद में समाज के एक वर्ग के लिए 'चींटियां' जैसी असांविधानिक टिप्पणियां करते हैं और उनका कुछ नहीं होता।

उन्होंने कहा कि न्यायपालिका में ऐसे लोगों के प्रवेश को रोकने के लिए चर्चा होनी चाहिए और कारण बताए जाने चाहिए। खुली अदालतों व जनता के जानने के अधिकार का सिद्धांत न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में भी लागू होना चाहिए। लोगों को जानने का अधिकार है कि उनके न्यायाधीश कौन होंगे? उन्होंने कैसे फैसले दिए हैं? न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने कहा कि न्यायाधीशों की पदोन्नति-तबादलों पर विचार-विमर्श गोपनीय रहता है और किसी सिफारिश को अस्वीकार या स्थगित करने के कारणों का खुलासा शायद ही कभी किया जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में हिमाचल प्रदेश के एक न्यायिक अधिकारी की रिट याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। उक्त न्यायिक अधिकारी ने उच्च न्यायालय में पदोन्नति के लिए अपने नाम पर विचार करने की मांग की थी। सर्वोच्च न्यायालय ने मौखिक रूप से कहा कि उच्च न्यायालय कॉलेजियम को कोई न्यायिक निर्देश नहीं दिया जा सकता। याचिकाकर्ता अरविंद मल्होत्रा अभी धर्मशाला में फैमिली कोर्ट के प्रिंसिपल जज हैं। उनकी शिकायत थी कि उच्च न्यायालय कॉलेजियम ने उनके जूनियर्स के नाम उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हेतु आगे बढ़ाए। इन पर बाद में सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम ने भी मंजूरी दी। याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि सितंबर, 2024 में सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय कॉलेजियम को याचिकाकर्ता और एक अन्य न्यायाधीश के नाम पर फिर से विचार करने का निर्देश दिया था। हालांकि, याचिकाकर्ता के मामले में ऐसा नहीं किया गया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना व न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की खंडपीठ ने कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कुछ नहीं है, जिससे पता चले कि उच्च न्यायालय कॉलेजियम ने याचिकाकर्ता का नाम खारिज कर दिया।

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि उन्हें कुछ दस्तावेज जमा करने को कहा गया था। लेकिन, उच्च न्यायालय कॉलेजियम ने उनके जूनियर्स का नाम सुप्रीम कोर्ट को भेज दिया। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम ने उच्च न्यायालय में पदोन्नति के लिए न्यायिक अधिकारियों के नामों की सिफारिश की थी। 2024 में दो जिला न्यायाधीशों ने सर्वोच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की। उनका तर्क था कि हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय कॉलेजियम ने उच्च न्यायालय में पदोन्नति के लिए नामों की सिफारिश करते समय उनकी योग्यता और वरिष्ठता को नजरअंदाज किया। सितंबर 2024 में सर्वोच्च न्यायालय ने उनकी याचिका स्वीकार की और उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से उनके नामों पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया।

संविधान के अनुच्छेद 217 के अनुसार, हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की सिफारिश एक समिति द्वारा की जाती है, जिसमें मुख्य न्यायाधीश और दो वरिष्ठतम न्यायाधीश शामिल होते हैं। यह प्रस्ताव दो वरिष्ठतम सहयोगियों के परामर्श से संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा किया जाता है। सिफारिश मुख्यमंत्री को भेजी जाती है, जो केंद्रीय कानून मंत्री को प्रस्ताव राज्यपाल को भेजने की सलाह देता है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति इस आधार पर की जाती है कि वह राज्य से बाहर का व्यक्ति होगा। संविधान के अनुच्छेद 224(ए) के तहत सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की नियुक्ति का प्रावधान किया गया है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों से निपटने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की नियुक्ति पर जोर दिया है। अदालत ने तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति व कार्यपद्धति हेतु मौखिक दिशा-निर्देश दिए हैं।

हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति में अत्यधिक देरी से न्यायाधीशों की घटती संख्या न्याय वितरण तंत्र को प्रभावित कर सकती है। औपचारिक मानदंडों की अनुपस्थिति के कई चिंताजनक निहितार्थ हैं। वर्तमान में यह जांचने हेतु कोई प्रक्रिया नहीं है कि कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित किसी जज के हितों का कोई टकराव है या नहीं। कॉलेजियम प्रणाली संरचनात्मक रूप से समाज के विशेष वर्गों का पक्ष लेती है तथा आबादी के उन समूहों से काफी दूर है, जिनके न्याय हेतु वह प्रतिनिधित्व करना चाहती है। 99वें सांविधानिक संशोधन अधिनियम, 2014 के जरिये कॉलेजियम को राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग द्वारा प्रतिस्थापित करने का प्रयास किया गया था। पर, सर्वोच्च न्यायालय की सांविधानिक पीठ ने 2015 में आयोग को असांविधानिक घोषित करते हुए कहा कि यह भारत के संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन करता है, जो न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए खतरा है। साफ है कि कॉलेजियम प्रणाली को लेकर एक देशव्यापी चिंता है।

अजब-गजब : पीठ खुजलाने के धंधे से हर महीने हो रही 14 लाख रुपए की कमाई

बीजिंग

चीन के एक 32 साल के युवा एंटरप्रेन्योर ने एक बेहद आम सी समस्या को एक अनोखे और कामयाब बिजनेस आइडिया में बदल दिया है। अब लोग अपनी पीठ या शरीर के अन्य हिस्सों की खुजली शांत करने के लिए प्रोफेशनल मदद ले सकते हैं। हुबेई प्रांत के रहने वाले झांग शियाओकियाओ ने शेनझेन शहर में सुमा ब्रांड नाम से इस अनूठी सर्विस की शुरुआत की है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, इस थेरेपी का माहौल बिल्कुल किसी लग्जरी मसाज पार्लर जैसा होता है। यहां ग्राहक आराम से बेड पर लेटते हैं और ट्रेंड स्टाफ उनके शरीर को सहलाता है। इसके लिए प्रशिक्षित स्टाफ खास तौर पर डिजाइन किए गए नुकीले नाखूनों का इस्तेमाल करके उनके शरीर के अलग-अलग हिस्सों को धीरे-धीरे खुजलाते हैं।

प्रति घंटे मोटी रकम खर्च कर रहे लोग- इस अनोखी सर्विस की कीमत लगभग 4,200 रुपये प्रति घंटा है। इसे केवल खुजली मिटाने तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे आराम करने, तनाव कम करने और बेहतर नींद के एक तरीके के तौर पर प्रमोट किया जा रहा है। ग्राहक अपनी सुविधानुसार स्टाफ को भी बता सकते हैं कि शरीर के किस हिस्से में यादा खुजली हो रही है, ताकि वे उन जगहों पर अधिक ध्यान दे सकें। कई बार इस एहसास से ग्राहकों को गुदगुदी भी होती है और वे हंसने लगते हैं। झांग बताते हैं कि बड़े शहरों में लोग अक्सर बहुत यादा तनाव महसूस करते हैं। इसी वजह से इस सर्विस की मांग

तेजी से बढ़ रही है।

14 लाख रुपये महीने की कमाई- झांग ने मई में शेनझेन के बाओआन जिले में अपना पहला आउटलेट खोला था और सफलता को देखते हुए एक महीने बाद फुटियान जिले में दूसरी ब्रांच भी खोल दी। खबरों के मुताबिक, दोनों स्टोर मिलकर हर महीने करीब 14 लाख रुपये की कुल कमाई कर रहे हैं और ब्रेक-ईवन पॉइंट तक पहुंच चुके हैं।

झांग ने आगे बताया कि हम पुरुष और महिला, दोनों तरह के ग्राहकों को सर्विस देते हैं, जिनमें से लगभग 70 प्रतिशत पुरुष हैं। कुछ ग्राहकों का मानना है कि हमारी सर्विस पारंपरिक मसाज से भी यादा आरामदायक है। इसी वजह से हमारे पास बार-बार आने वाले नियमित ग्राहकों का एक मजबूत आधार बन गया है।

कहां से मिला आइडिया?- यह अनोखा आइडिया सोशल मीडिया और बचपन की यादों के दिलचस्प मेल से पैदा हुआ। पिछले साल, झांग ने इंटरनेट पर एक छोटा सा वीडियो देखा जिसमें एक महिला अपने पति की पीठ खुजला रही थी। वीडियो पर आए कमेंट्स ने उनका ध्यान खींचा, कई लोगों ने लिखा था कि वे अपनी खुजली मिटाने के लिए किसी को खुशी-खुशी पैसे देने को तैयार हैं।

इस घटना ने झांग को उनके बचपन की याद दिला दी, जब उनके पिता अक्सर उन्हें सुलाने के लिए प्यार से उनकी पीठ खुजलाया करते थे। इसी के बाद उन्होंने सोचा कि क्या आराम देने वाले इस साधारण से काम को एक पेशेवर सर्विस में बदला जा सकता है।

खुद डेवलप किया खुजलाने का तरीका- चूंकि चीन में पेशेवर तौर पर खुजली मिटाने वाले बिजनेस का कोई स्थापित उदाहरण नहीं था, इसलिए झांग को सर्विस खुद ही डिजाइन करनी पड़ी। उन्होंने अलग-अलग तरीकों का परीक्षण किया और यह पता लगाया कि ग्राहकों के लिए इस अनुभव को सबसे यादा आरामदायक कैसे बनाया जा सकता है।

यह स्टार्टअप झांग के पिछले करियर से बिल्कुल अलग है। ग्रेजुएशन के बाद, उन्होंने एक साल में सात अलग-अलग नौकरियां की थीं। बाद में सोशल मीडिया इंडस्ट्री में आने से पहले उन्होंने दो क्रॉस-बॉर्डर ई-कॉमर्स कंपनियाँ भी शुरू की थीं, लेकिन उन्हें वैसी कामयाबी नहीं मिली जैसी उम्मीद थी।

100 आउटलेट खोलने का लक्ष्य- अब उनका यह अनोखा आइडिया लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है। ऑनलाइन भी इस बिजनेस ने उत्सुकता पैदा की है और लोग मजाक में इस बात पर बहस कर रहे हैं कि क्या प्रोफेशनल खुजली मिटाना सच में एक मान्यता प्राप्त पेशा बन सकता है।

झांग को पूरा यकीन है कि ऐसा बिल्कुल हो सकता है। उन्हें उम्मीद है कि वे आने वाले समय में पूरे चीन में सुमा के 100 आउटलेट खोलेंगे और इस अनोखे काम को एक व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त सर्विस प्रोफेशन में बदल देंगे।

भारत से मुआवजे की मांग पर नेपाल के विदेश मंत्री का यू-टर्न, कहा- किसी देश से पैसे नहीं मांगे

काठमांडू

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि नेपाल ने हालिया विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत से जलवायु मुआवजे की मांग की है।

समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ने भारत या किसी अन्य देश से मुआवजे का दावा नहीं किया है, बल्कि वैश्विक समुदाय से हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों पर एकजुट होकर सहयोग करने का आह्वान किया है।

नेपाल के विदेश मंत्री खनाल ने कहा, न तो मैंने और न ही विदेश मंत्रालय या नेपाल सरकार में किसी और व्यक्ति ने भारत या किसी दूसरे देश, जिसमें चीन और अमेरिका भी शामिल हैं, से मुआवजे की मांग की है। हमारी अपील है कि वैश्विक समुदाय इस आपदा को जलवायु परिवर्तन और

नेपाल पर इसके असर के नजरिए से देखे। बताते चले कि बीते दिनों शिशिर खनाल ने भारत, चीन और अमेरिका से मुआवजे की मांग की थी, जिसके बाद अब उन्होंने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, मैंने यह भी कहा है कि चीन, भारत और नेपाल इन तीनों देशों का पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र एक जैसा है। हम सभी हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रहे हैं। इसलिए हमारी अपील है कि ये तीनों देश मिलकर आपदा से निपटने की बेहतर तैयारी करें और वैश्विक समुदाय भी इसमें अपना सहयोग दे। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस आपदा को केवल एक बार होने वाली घटना या तात्कालिक मदद के रूप में न देखे, बल्कि दुनिया भर में बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन के गंभीर प्रभावों पर ध्यान दे। हमारा वैश्विक समुदाय से आग्रह है कि वह एकजुट होकर नेपाल जैसे छोटे देशों का डटकर समर्थन करे।

वहीं, भारत सरकार की ओर से वहां तुरंत शुरू किए गए राहत बचाव कार्य पर अभार जताते हुए नेपाली विदेश मंत्री ने हिमालयी क्षेत्र में जलवायु से जुड़ी साझा चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट क्षेत्रीय सहयोग का आह्वान किया।

गौरतलब है कि नेपाली विदेश मंत्री का यह बयान बाढ़ प्रभावित इलाकों में जारी खोज, बचाव और पुनर्वास कार्यों के बीच आया है। संकट के दौरान नेपाल को मानवीय सहायता देने वाले शुरुआती देशों में भारत शामिल था। भारत ने आपातकालीन बचाव उपकरण, मॉड्यूलर ब्रिज, वाटर पंप और आवश्यक राहत सामग्री भेजी। अतिरिक्त मदद के सवाल पर खनाल ने बताया कि भारत आपदा के तुरंत बाद से ही नेपाल के लगातार संपर्क में था। उन्होंने कहा, आपदा आते ही भारतीय अधिकारियों ने संपर्क किया। उन्होंने हर संभव सहायता दी है और नेपाल सरकार की हर जरूरत को पूरा करने के लिए तैयार हैं।

सीरिया ने होर्मुज जलडमरूमध्य के विकल्प का प्रस्ताव रखा, ट्रंप ने सराहा

दमिश्क, (वार्ता)। सीरिया ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी अनिश्चितता के बीच अपने क्षेत्र और भूमध्यसागरीय तट को तेल एवं माल के वैकल्पिक मार्ग के रूप में पेश किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रस्ताव की सराहना करते हुए गुरुवार को सोशल मीडिया पर लिखा, यह शानदार है। योजना के केंद्र में भूमध्यसागरीय तट पर स्थित बनियास बंदरगाह है। फिलहाल दक्षिणी इराक और बनियास के बीच रोजाना करीब 5,000 तेल टैंकर कच्चा तेल पहुंचा रहे हैं। इसके अलावा इराक के बसरा से बनियास तक करीब 1,000 मील लंबी पाइपलाइन बनाने की योजना पर भी चर्चा चल रही है। इसकी अनुमानित लागत 5.7 अरब डॉलर है और इसके जरिए प्रतिदिन 20 लाख बैरल तक कच्चा तेल पहुंचाया जा सकता है। पाइपलाइन को पूरा होने में कम से कम ढाई वर्ष लग सकते हैं। सुरक्षा, वित्तपोषण और बुनियादी ढांचे की चुनौतियां भी बनी हुई हैं। सीरिया तेल के अलावा यूरोप को खाड़ी और लाल सागर से जोड़ने वाले परिवहन मार्ग विकसित करने की भी योजना बना रहा है।

हम गलतियों से सीखते हैं, ईरान में शादी समारोह के दौरान अमेरिकी हमले में 5 लोगों की मौत पर बोले जेडी वेंस

वाशिंगटन

दक्षिण ईरान के कुशेतक में एक शादी समारोह के दौरान अमेरिकी मिसाइल हमले में तीन महिलाओं और दो बच्चों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी रॉयटर्स और हथियार विशेषज्ञों के दावों के मुताबिक, समारोह पर अमेरिकी गोला-बारूद से सीधा निशाना साधा गया था।हालांकि, अमेरिकी सेना ने नागरिकों को निशाना बनाने के आरोपों से इनकार किया है। वहीं, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने जांच की बात कहते हुए कहा कि अमेरिका अपनी सैन्य गलतियों से सीखता है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, बीते मंगलवार को दक्षिणी ईरान में एक शादी समारोह में हुए विस्फोट के पीछे संभवत: अमेरिकी गोलाबारी का सीधा निशाना था। यह विस्फोट किसी अन्य लक्ष्य से टकराकर वापस आने के कारण नहीं हुआ था। हालांकि, अमेरिकी सैनिकों ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन रॉयटर्स ने अपने हथियार विशेषज्ञों के विश्लेषण का हवाला

देते हुए अमेरिका की भूमिका का आरोप लगाया है। रॉयटर्स ने घटना की तस्वीरों और वीडियो को चार सैन्य हथियार विशेषज्ञों को दिखाया। उनका विश्लेषण कहता है कि यह नुकसान सीधे हमले से हुआ है, न कि किसी दूसरे लक्ष्य से टकराकर आई मिसाइल या मलबे के कारण। ईरानी मीडिया ने भी यही दावा किया है।

अमेरिकी सेना ने कहा कि उसे शादी में हुए घातक विस्फोट के बारे में ईरानी रिपोर्टों की जानकारी है, लेकिन अमेरिका कभी भी नागरिकों को निशाना नहीं बनाता।

इस हमले को लेकर अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका ईरान में एक शादी समारोह पर हुए उस हमले की जांच कर रहा है, जिसमें तीन महिलाओं और दो बच्चों की जान चली गई। उन्होंने कहा, हम इस घटना की जांच कर रहे हैं क्योंकि जाहिर तौर पर हम इसे लेकर चिंतित हैं और सच जानना चाहते हैं। वेंस ने आगे कहा, अगर हमसे कोई गलती होती है, तो यही हमारे और ईरान के बीच सबसे बड़ा अंतर है। हमारी सेना जब भी गलतियां करती है, तो वह उनसे सीखती है और आगे खुद में सुधार करने की कोशिश करती है। रॉयटर्स के अनुसार, एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिका शादी में हुई मौतों की कई वजहों की जांच कर रहा है।

सिंधु के पानी को तरसेगा पाकिस्तान

भारत ने पत्थरों से बनाया डैम...टेंशन में शहबाज-मुनीर

नई दिल्ली

लद्दाख के लेह से भारत के सिंधु नदी पर तैयार किए गए पहले रॉक चेक डैम की तस्वीर सामने आई है। लेह के उपशी में प्राकृतिक बड़े पत्थरों से यह चेक डैम बनाया गया है। खास बात यह है कि इसे बनाने में सीमेंट का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इस डैम से सिंधु नदी का पानी करीब 10 फीट ऊपर उठ रहा है और करीब 4 करोड़ लीटर पानी जमा किया जा रहा है।

यह पानी इगू फे सिंचाई नहर के जरिए आसपास के सूखे गांवों के खेतों तक पहुंचाया जा रहा है। लंबे समय से यहां के किसान सिंचाई के लिए मुश्किलों का सामना कर रहे थे। सिंधु नदी गहरी घाटियों से होकर बहती है। वसंत में बुआई के समय नदी का जलस्तर इतना कम रहता था कि पंप के जरिए पानी खेतों तक पहुंचाना मुश्किल हो जाता था। इससे खेती प्रभावित हो रही थी और किसानों पर आर्थिक दबाव भी बढ़ रहा था।

उपशी में तैयार किया गया यह चेक डैम स्थानीय स्तर पर खेती के लिए पानी मुहैया कराने में मदद करेगा। प्राकृतिक पत्थरों से बने इस ढांचे के जरिए नदी के पानी को रोककर उसका स्तर बढ़ाया गया है। करीब 40 मिलियन लीटर यानी 4 करोड़ लीटर पानी जमा होने से आसपास के खेतों की सिंचाई आसान होगी। लद्दाख प्रशासन अब सिंधु नदी पर ऐसे और चेक डैम बनाने की दिशा में काम कर रहा है। कुछ जगहों पर काम शुरू हो चुका है, जबकि कई अन्य प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं।

यह प्रोजेक्ट सिर्फ स्थानीय किसानों के लिए सिंचाई की सुविधा बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इनपुट के मुताबिक, सिंधु जल संधि को होल्ड पर रखने के बाद भारत अब सीमा से लगे इलाकों में सिंधु नदी के पानी के इस्तेमाल के लिए बुनियादी ढांचा तैयार कर रहा है। इसका संदेश यह है कि नदी का पानी नीचे की तरफ पाकिस्तान पहुंचने से पहले भारत अपने सीमावर्ती इलाकों और वहां रहने वाले लोगों की जरूरतों के लिए उसका इस्तेमाल कर रहा है। लद्दाख में ऐसे और चेक डैम बनने से आने वाले समय में सिंधु नदी के पानी का स्थानीय इस्तेमाल और बढ़ सकता है।

मिथुन चक्रवती को सांस्कृतिक सलाहकार नियुक्त किया जाएगा: शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, (वार्ता)

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि फिल्म अभिनेता मिथुन चक्रवती को राज्य सरकार का सांस्कृतिक सलाहकार नियुक्त किया जाएगा।

श्री अधिकारी ने शुक्रवार को यहां न्यू टाउन में 25 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले उत्तम कुमार फिल्म केन्द्र के लिए भूमि पूजन किया और आधारशिला रखी। इस केन्द्र में सिनेमा हॉल, 1,000 सीटों वाला ऑडिटोरियम, ओपन-एयर थिएटर और एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स और फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन की सुविधाएं होंगी। मुख्यमंत्री के साथ समारोह में अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती, प्रोसेनजीत चटर्जी और रंजीत मल्लिक शामिल हुए।

श्री अधिकारी ने कहा कि बंगाली सिनेमा के दिग्गज उत्तम कुमार की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में विकसित किए जा रहे इस प्रस्तावित सेंटर में तीन हिस्से होंगे। पहले हिस्से में कुल 750 सीटों की क्षमता वाले दो सिनेमा हॉल होंगे, साथ ही एक प्रीव्यू थिएटर, फूड कोर्ट और पार्किंग की सुविधा भी होगी। दूसरे हिस्से में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए 1,000 सीटों वाला ऑडिटोरियम और एक ओपन-एयर थिएटर तथा तीसरे हिस्से में एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स, एक्सटेंडेड रियलिटी और फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन के लिए प्रयोगशालाएं और स्टूडियो होंगे। इसे मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए एक विशेष सुविधा के रूप में तैयार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमने शुरुआती तौर पर 25 करोड़ रुपये तय किए हैं। मिट्टी की जांच पूरी हो चुकी है, जगह चुन ली गई है और

डीपीआर की प्रक्रिया चल रही है। मॉनसून खत्म होने के बाद संबंधित एजेंसी काम शुरू कर देगी।

श्री अधिकारी ने कहा कि इस प्रोजेक्ट की योजना और डिज़ाइन पर फिल्म उद्योग और उत्तम कुमार शताब्दी समिति के सदस्यों से सलाह ली जाएगी। उन्होंने कहा,हमारा मानना है कि काम उन्हें सौंपा जाना चाहिए जो इस विषय को समझते हैं। यह विषय पूरी तरह से उन्हीं का है। वे हमें मार्गदर्शन देंगे और हम बुनियादी ढांचा तैयार करेंगे। श्री अधिकारी ने एक अलग घोषणा में कहा कि महागुरु के नाम से मशहूर चक्रवर्ती को जल्द ही राज्य सरकार में आधिकारिक भूमिका दी जाएगी। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल सरकार अगले कुछ दिनों में मिथुन चक्रवर्ती को अपना सांस्कृतिक सलाहकार औपचारिक रूप से नियुक्त करेगी।

चक्रवर्ती उत्तम कुमार की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में साल भर चलने वाले समारोहों की तैयारियों से जुड़े रहे हैं। मुख्यमंत्री ने शताब्दी कार्यक्रम के आयोजन में चटर्जी की भूमिका की तारीफ़ की और उन अटकलों को खारिज कर दिया कि अभिनेता राजनीति में आने या भाजपा में शामिल होने की योजना बना रहे थे।

श्री अधिकारी ने कहा, वह मेरे पास सिर्फ़ एक मकसद से आए थे-यह पक्का करना कि महानायक उत्तम कुमार की जन्म शताब्दी शानदार ढंग से मनाई जाए। वह अपने लिए कुछ भी मांगने नहीं आए थे।

श्री अधिकारी ने उत्तम कुमार को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि शताब्दी समारोहों से एक स्थायी विरासत बननी चाहिए। उन्होंने कहा, जब उत्तम कुमार की 200वीं जयंती मनाई जाएगी, तो हममें से कोई भी यहां नहीं होगा। लेकिन लोग पीछे मुड़कर देखेंगे कि उनकी जन्म शताब्दी के दौरान क्या बनाया गया था।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, इसे केवल कुछ समय के जश्न तक सीमित नहीं रखा जा सकता। हमें कुछ ऐसा बनाना होगा जिसे बंगाली लोग दशकों तक याद रखें। बंगाली सिनेमा में महानायक उत्तम कुमार का योगदान असीमित, अमर और हमेशा सम्मान तथा याद किए जाने के काबिल है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली क्यों बसे लंदन? डॉ. श्रीराम नेने ने बताई प्राइवेसी और बच्चों की परवरिश से जुड़ी असल वजह

बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली देश के सबसे पसंदीदा और चर्चित सेलिब्रिटी कपल्स में से एक हैं। पिछले कुछ समय से यह पावर कपल अपनी निजी जिंदगी और बच्चों के साथ लंदन में काफी समय बिता रहा है। अब माधुरी दीक्षित के पति डॉ. श्रीराम नेने के एक पुराने साक्षात्कार की बातें फिर से चर्चा में हैं, जिसमें उन्होंने खुलासा किया था कि विराट और अनुष्का ने भारत छोड़कर लंदन को अपना ठिकाना बनाने का फैसला क्यों लिया। भौगोलिकसंदर्भ यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया से बात करते हुए, डॉ. नेने ने कोहली और अनुष्का से अपनी मुलाक़ात को याद किया और कहा कि क्रिकेटर के लिए उनके मन में बहुत सम्मान है। उन्होंने कोहली को एक अच्छा इंसान बताया और फिर अनुष्का के साथ हुई उस बातचीत को याद किया जिसमें कपल के लंदन जाने के प्लान के बारे में बात हुई थी। डॉ. नेने के अनुसार, अनुष्का और कोहली को लगा कि भारत में मिलने वाले लगातार ध्यान की वजह से अपनी सफलता का आनंद लेना और सामान्य जीवन जीना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि कपल अपने बच्चों को उस तेज़ पब्लिक स्क्रूटनी (लोगों की नज़र) से दूर पालना चाहता था जो अक्सर उनके पीछे

रहती है। नेने ने कहा, वे कुछ भी करें, आप करें या हम करें, ध्यान आकर्षित होता है, और इसलिए हम लगभग अलग-थलग हो जाते हैं। इसके बाद बातचीत पब्लिक में पहचाने जाने की चुनौतियों पर मुड़ी। नेने ने कहा कि भले ही उन्हें आम तौर पर लोगों से बातचीत करना अच्छा लगता है, लेकिन सेल्फ़ी के लिए लगातार आने वाली रिक्वेस्ट को कभी-कभी संभालना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने कहा,मैं सबके साथ घुल-मिल जाता हूँ और बिंदास हूँ, लेकिन वहाँ भी कभी-कभी यह मुश्किल हो जाता है। कभी-कभी हर पल सेल्फ़ी का पल बन जाता है। नेने ने इस बारे में बात की कि कैसे सेलिब्रिटी कल्चर आम पलों को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने साफ़ किया कि वे इस तरह के ध्यान को ज़रूरी तौर पर नकारात्मक नहीं मानते, लेकिन कहा कि यह अंतत: दखल देने वाला हो सकता है, खासकर निजी पलों के दौरान। अनुष्का और विराट के बारे में बात करते हुए नेने ने कहा, वे बहुत अच्छे लोग हैं और बस अपने बच्चों को सामान्य रूप से पालना चाहते हैं। अनुष्का और कोहली ने दिसंबर 2017 में इटली में एक निजी समारोह में शादी की थी। 2021 में उनकी बेटी वामिका और 2024 में बेटे अकाय का जन्म हुआ।

'द वन' के गाने 'समझो ना' में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना की फ्रेश जोड़ी ने जीता दिल

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द वन' का पहला गाना 'समझो ना' रिलीज हो गया है। गाने में पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना रोमांटिक जोड़ी के रूप में नजर आ रहे हैं। दोनों की फ्रेश ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों से खूब पसंद किया जा रहा है और सोशल मीडिया पर उन्हें 'ब्लॉकबस्टर जोड़ी' कहा जा रहा है। फिल्म के टीजर में जहां रहस्य, रोमांच और लोककथाओं से भरी दुनिया की झलक दिखाई गई थी, वहीं 'समझो ना' कहानी का रोमांटिक पक्ष सामने लाता है। गाने में सिद्धार्थ और तमन्ना के किरदारों के बीच के रिश्ते और उनकी केमिस्ट्री को खूबसूरत अंदाज में पेश किया गया है। जी म्यूजिक के लेबल के तहत रिलीज हुए इस गाने को तनिष्क बागची ने कंपोज और प्रोड्यूस किया है। जुबिन नौटियाल और सुवर्णा तिवारी ने अपनी आवाज दी है, जबकि गीत मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। कृष्णा किशोर ने अतिरिक्त लाइव प्रोडक्शन संभाला है और एरिक पिल्लई ने गाने को मिक्स और मास्टर किया है। जुबिन नौटियाल ने कहा कि 'समझो ना' में खूबसूरत मासूमियत और एहसास है, जिससे वह तुरंत जुड़ गए। उन्होंने तनिष्क बागची की धुन और मनोज मुंतशिर के बोल की सराहना करते हुए कहा कि सिद्धार्थ और तमन्ना की केमिस्ट्री गाने में खास ताजगी लेकर आती है।

'इंद्रपुत्र' से जुड़ेंगी खुशबू सुंदर! कास्टिंग को लेकर चर्चाएं तेज

ज़ी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा की आगामी पैन-इंडिया मायथोलॉजिकल एक्शन-फैंटेसी फिल्म 'इंद्रपुत्र' अपनी घोषणा के बाद से चर्चा में है। किरण अब्बावरम की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म को बड़े मायथोलॉजिकल यूनिवर्स की शुरुआत के रूप में तैयार किया जा रहा है। इसी बीच दिग्गज अभिनेत्री खुशबू सुंदर का नाम भी फिल्म से जुड़ने की चर्चा है।

हालांकि, खुशबू सुंदर के फिल्म का हिस्सा बनने को लेकर अभी मेकर्स या अभिनेत्री की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ऐसे में फिलहाल इसे महज अटकलों के तौर पर देखा जा रहा है। यदि खुशबू फिल्म से जुड़ती हैं, तो अलग-अलग भाषाओं में उनकी लोकप्रियता के कारण इसकी पैन-इंडिया अपील और मजबूत हो सकती है।

श्रीकांत पुप्पला के निर्देशन में बन रही 'इंद्रपुत्र' भारतीय पौराणिक कथाओं से प्रेरित है। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी में जगन्नाथ मंदिर और भगवान कृष्ण से जुड़े पहलुओं की अहम भूमिका होगी। इसमें माइथोलॉजी, फैंटेसी और एक्शन के साथ समकालीन किरदारों और कहानी को जोड़े जाने की बात कही गई है।

फिल्म में किरण अब्बावरम एक अलग अवतार में नजर आएंगे। उनके किरदार में भावनात्मक गहराई के साथ शारीरिक बदलाव की भी जरूरत बताई जा रही है। निर्देशक श्रीकांत पुप्पला भारतीय पौराणिक विरासत को बड़े सिनेमाई पैमाने पर पेश करने की तैयारी में हैं। फिल्म में बड़े स्तर का एक्शन, फैंटेसी और पौराणिक संदर्भ देखने को मिल सकते हैं। मेकर्स इसे अलग-अलग भाषाओं और पीढ़ियों के दर्शकों तक पहुंचाने की योजना बना रहे हैं। फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन चरण में है और इसकी शूटिंग 26 अक्टूबर से शुरू होने की उम्मीद है।

शिक्षक दिवस पर एनटीपीसी गाडरवारा ने शिक्षकों को किया सम्मानित

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

भारत के महान शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में एनटीपीसी गाडरवारा द्वारा अपनी सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत एक विशेष शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक एवं परियोजना प्रमुख, हिम्मत सिंह चौहान । इस अवसर पर मानव संसाधन प्रमुख, भास्कर गुप्ता तथा खंड शिक्षा अधिकारी, वीरेंद्र सिंह राजपूत भी विशेष रूप से

उपस्थित रहे।इस अवसर पर एनटीपीसी गाडरवारा के परियोजना प्रभावित ग्रामों (क्क्क्ह्य) एवं आसपास के गांवों के शिक्षकों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज के निर्माण एवं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षकों द्वारा किए जा रहे अमूल्य योगदान के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया गया।

इस विशेष पहल से सभी शिक्षक अत्यंत प्रसन्न एवं उत्साहित दिखाई दिए। शिक्षकों ने एनटीपीसी गाडरवारा द्वारा शिक्षा एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए इस पहल के लिए एनटीपीसी गाडरवारा के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

एनटीपीसी गाडरवारा सदैव अपने परियोजना प्रभावित एवं आसपास के क्षेत्रों के समग्र विकास तथा शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बाढ़ राहत में ग्रामोदय विश्वविद्यालय की सेवा यात्रा

दुर्गम रास्तों से टाठी घाट पहुंचा भोजन और पेयजल

सतना स्वतंत्रमत।

चित्रकूट क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो आलोक चौबे के निर्देश पर संचालित बाढ़ राहत सहायता अभियान के अंतर्गत बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने सेवा कार्य किया।

कुलगुरु प्रो.आलोक चौबे के निर्देश पर छै कार्यक्रम अधिकारी डा.उमेश कुमार शुक्ला के नेतृत्व में सेवा दल ने टाठी घाट क्षेत्र में पहुंचकर स्वच्छता हेतु श्रमदान करने के साथ प्रभावित लोगों के लिए भोजन दवाएं एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया।

विश्वविद्यालय के शिक्षक अधिकारी कर्मचारी एवं विद्यार्थी अपने सिर पर खाद्य सामग्री लेकर बाढ़ के बाद मिट्टी और पानी से भरे दुर्गम कच्चे रास्तों एवं पगडंडियों से होते हुए टाठी घाट क्षेत्र पहुंचे। रास्ते में बाढ़ के कारण टूटे पेड़ उनकी गिरी डालियां तथा कीचड़ से उत्पन्न कठिनाइयों के बावजूद सेवा दल के सदस्यों में उत्साह बना रहा। उन्होंने स्थानीय जरूरतमंदों तक राहत सामग्री

पहुंचाकर सेवा कार्य में सहभागिता की।

सेवा यात्रा के दौरान संत.महात्माओं के दर्शन एवं उनके आध्यात्मिक संदेश सेवा दल के लिए विशेष प्रेरणादायी रहे। स्वयंसेवक विद्यार्थियों ने इस यात्रा को अपने जीवन का सुखद एवं यादगार अनुभव बताया। प्रो॰ आञ्जनेय पांडेय भी सेवा दल के साथ नंगे पैर दुर्गम मार्ग से टाठी घाट पहुंचे और संत.महात्माओं से संवाद किया।

संतों ने बताया कि टाठी घाट क्षेत्र में साधनारत संत.महात्मा फलाहारी एवं स्वपाकी प्रकृति के हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसे साधना क्षेत्रों में तैयार भोजन के स्थान पर फलए आटाए कच्ची सब्जियां एवं दूध जैसी सामग्री उपलब्ध कराना अधिक उपयोगी रहेगा।

सेवा कार्य में विश्वविद्यालय परिवार की सहभागिता

सेवा दल में स्वयंसेवक विद्यार्थी सोनाली कुमारी शिवानी बागरी,दुर्गेश मिश्रा एवं रविशंकर रैकवार सहित कुलसचिव प्रो.आञ्जनेय पांडेय,कार्यक्रम अधिकारी डॉ. उमेश कुमार शुक्ला,प्रो.साधना चौरसिया, डॉ.जय प्रकाश शुक्ल महेश कुमार काशी तिवारी संतोष राजपूत विद्यानन्द चतुर्वेदी डॉ. जय प्रकाश तिवारी राजेंद्र तिवारी, फूल सिंहए राम जियावन सहित परिवार के अन्य सदस्य शामिल रहे। ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संचालित यह सेवा अभियान आपदा की घड़ी में सहभागिता उत्तरदायित्व और सेवा भावना को सशक्त करने की दिशा में निरंतर जारी है।

ताज कृपा दरबार में प्रसाद वितरण

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) । स्थानीय ताज कृपा दरबार में सम्पर्कित संस्थान ताज दरबार बाकी शरीफ के छै: मासी उर्स के मौके पर सरकार ताजुल औलिया की शान में सेहरा बंदी, फूल माला, इत्र, चंदन और प्रसाद अर्पित कर प्रसादी वितरण किया गया । उल्लेखनीय है कि स्थानीय दरबार के प्रधान मुखिया प्रभाकरराव डहाके अध्यक्ष ताज दरबार बाकी शरीफ हैऔर उनके मार्गदर्शन में समस्त दरबारियों व्दारा संस्थापक नासिर मासाब व्दारा स्थापित परम्पराओं का अनुशरण करते हुए उमंग और उत्साह से दरबार का भलीभांति नियमित विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर रहे हैं ।

जिला स्तरीय शालेय स्केटिंग प्रतियोगिता आयोजित

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

गत दिवस स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सत्र 2026-27 की जिला स्तरीय रोलर शालेय स्केटिंग प्रतियोगिता बालक एवं बालिका वर्ग का आयोजन डीईओ डॉ अनिल कुशवाहा, जिला क्रीड़ा एवं कल्याण निरीक्षक अनुज जैन के मार्गदर्शन में गाडरवारा के अशासकीय क्रेयान विद्यालय में किया गया। इस प्रतियोगिता में अंडर 11, 14, 17 एवं 19 आयु बालक/बालिका वर्ग के करेली, साईखेड़ा, नरसिंहपुर एवं चाँवरपाठा ब्लॉक के छात्र एवं छात्राओं ने सहभागिता करते हुए अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रभावित किया। प्रतियोगिता उपरांत आगामी समय मे होने वाली संभाग स्तरीय स्पर्धा हेतु छात्र छात्राओं का चयन उनके अच्छे प्रदर्शन के आधार पर किया गया। इस आयोजन को संपन्न कराने में संस्था के डायरेक्टर संदीप उपाध्याय, दीपिका उपाध्याय, प्राचार्य डॉ वर्षा षिजू,विकासखंड खेल प्रभारी सत्यप्रकाश ढिमोले, अजय सोनी, अजीत उपाध्याय,आदित्य द्विवेदी, गौरव नेमा, गणेश यादव, शहजाद बेग, सिराज मोहम्मद,दसोदा गौरव,प्रीति ठाकुर आदि निर्णायक मंडल एवं खेल अधिकारियों की उल्लेखनीय भूमिका रही ।

स्मार्ट सिटी कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

सतना स्वतंत्रमत। नगर निगम आयुक्त डा.नागार्जुन बी.गौडा की अध्यक्षता में स्मार्ट सिटी के विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर में चल रहे सड़क नाली विद्युतीकरण सुंदरीकरण और अन्य अधोसंरचना विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों से प्रत्येक प्रोजेक्ट की वर्तमान स्थिति गुणवत्ता और समयसीमा को लेकर विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कार्य तय समय.सीमा में और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा करने निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों का पालन करने और आम नागरिकों को कम से कम असुविधा हो इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही अधिकारियों को नियमित फील्ड विजिट कर कार्यों की मॉनिटरिंग करने को कहा गया। बैठक में स्मार्ट सिटी के अधिकारी नगर निगम के इंजीनियर और संबंधित ठेकेदार मौजूद रहे।

निर्माण श्रमिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने 5 और 7 सितंबर को विशेष कैम्प

सतना स्वतंत्रमत। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मंडल के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के लिए नगर पालिक निगम सतना क्षेत्र में विशेष कैम्प आयोजित किया जा रहा है। यह विशेष कैम्प 5 सितंबर एवं 7 सितंबर 2026 को संजीवनी हॉस्पिटल पतेरी, सतना में आयोजित होगा। कैम्प में आस-पास के क्षेत्र में निवासरत पंजीकृत निर्माण श्रमिक अपने एवं अपने परिवार के सदस्यों के आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए उपस्थित हो सकते हैं। सहायक श्रमायुक्त रीवा संभाग सतना ने निर्माण श्रमिकों से अपील की है कि निर्धारित तिथियों पर कैम्प में उपस्थित होकर आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें, ताकि भविष्य में उन्हें एवं उनके परिवार के सदस्यों को नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा का लाभ प्राप्त हो सके।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत तिरूपति-श्रीकालहस्ती तीर्थ यात्रा के लिए 23 सितम्बर तक होंगे आवेदन

सतना स्वतंत्रमत। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत सतना जिले से वरिष्ठ नागरिकों को तिरूपति-श्रीकालहस्ती तीर्थ यात्रा कराई जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यात्रा 12 अक्टूबर से 18 अक्टूबर 2026 तक प्रस्तावित है। इस यात्रा के लिए इच्छुक पात्र नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 23 सितम्बर 2026 निर्धारित की गई है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सतना डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा जिले के सभी संबंधित तहसीलदारों, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायतों, नगर परिषदों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों तथा नगर पालिक निगम सतना के आयुक्त को आवेदन प्राप्त करने और पात्र यात्रियों का चयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत मध्यप्रदेश के ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है, यात्रा के लिए पात्र होंगे। महिलाओं के मामले में आयु सीमा में दो वर्ष की छूट दी गई है। आवेदक का सतना जिले की संबंधित तहसील का मूल निवासी होना आवश्यक है। साथ ही आवेदक आयकरदाता नहीं होना चाहिए। योजना के अंतर्गत ऐसे व्यक्ति भी पुन: पात्र होंगे, जिनकी पिछली तीर्थ यात्रा को 5 वर्ष की अवधि पूर्ण हो चुकी है। आवेदक तीर्थ यात्रा के लिए शारीरिक एवं मानसिक रूप से सक्षम होना चाहिए तथा शासन द्वारा निर्धारित संक्रामक एवं गंभीर बीमारियों से ग्रसित नहीं होना चाहिए। 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के आवेदक के साथ सहायक को यात्रा पर ले जाने का प्रावधान है। सहायक की आयु 18 वर्ष से अधिक एवं 50 वर्ष से कम होना आवश्यक है। यदि आवेदक सहायक को साथ ले जाना चाहता है, तो सहायक का आवेदन भी आवेदक के आवेदन पत्र के साथ ही जमा करना होगा। इसी प्रकार आवेदक का जीवनसाथी अर्थात पति अथवा पत्नी भी यात्रा करना चाहता है, तो उसका आवेदन भी आवेदक के साथ ही जमा किया जाना आवश्यक होगा।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में व्यापारी निभाएं सक्रिय भूमिका : तोमर

कैट के राज्य स्तरीय व्यापारी सम्मेलन में संगठन विस्तार, शहडोल के मनोज गुप्ता बने प्रदेश महामंत्री

शहडोल (स्वतंत्रमत)। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा राजधानी भोपाल स्थित विधानसभा के मानसरोवर हॉल में राज्य स्तरीय व्यापारी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में संभाग के शहडोल, उमरिया और अनूपपुर सहित मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब 250 प्रमुख व्यापारी नेताओं एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इस दौरान व्यापार, स्वदेशी, संगठन सशक्तिकरण, डिजिटलीकरण और विकसित भारत के संकल्प को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया गया।

मनोज गुप्ता को मिली प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी-सम्मेलन के दौरान कैट मध्यप्रदेश के संगठन का विस्तार करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शहडोल के व्यापारी नेता मनोज गुप्ता को प्रदेश महामंत्री का दायित्व सौंपा गया। इसके साथ ही अन्य पदाधिकारियों की भी नियुक्तियां की गईं। मनोज गुप्ता को नई जिम्मेदारी मिलने पर शहडोल संभाग के व्यापारिक प्रतिनिधियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

वोकल फॉर लोकल को आत्मनिर्भर भारत का आधार बताया

सम्मेलन का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने किया। व्यापारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिया गया वोकल फॉर लोकल का मंत्र केवल आर्थिक अभियान नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का राष्ट्रीय आंदोलन है। भारतीय उत्पादों के उपयोग एवं प्रचार से देश के कारीगरों, लघु उद्योगों, स्टार्टअप और व्यापारिक समुदाय को नई शक्ति मिलती है। उन्होंने व्यापारियों से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

व्यापार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर हुआ मंथन

सम्मेलन में कराधान, डिजिटल व्यापार, ई-कॉमर्स, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने, नए बाजारों तक पहुंच और व्यापारिक संगठनों को मजबूत बनाने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। व्यापारिक प्रतिनिधियों ने बदलते दौर में तकनीक को अपनाने और छोटे एवं मध्यम व्यापारियों को नए बाजारों से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। सभी ने व्यापार एवं अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

संगठन को मजबूत बनाने पर जोर

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया ने संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करते हुए कहा कि कैट को देश के सबसे मजबूत व्यापारी संगठन के रूप में और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन करने तथा व्यापारी समुदाय की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित भारतीय व्यापार महोत्सव का उल्लेख करते हुए कहा कि इस आयोजन ने देश के व्यापारिक इतिहास में नया अध्याय जोड़ा है। वहीं राष्ट्रीय चेयरमैन बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के प्रति उपभोक्ताओं का बढ़ता विश्वास भारत की आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार है।

व्यापारिक संगठनों को स य बनाने का आह्वान

कैट मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन ने व्यापारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापारिक संगठनों को अधिक सक्रिय एवं संगठित कर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ने का आह्वान किया। प्रदेश मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि यह सम्मेलन मध्यप्रदेश के व्यापारिक समुदाय की एकजुटता और सामूहिक शक्ति का संदेश है।तकनीक और नए बाजारों से जुड़ें छोटे व्यापारी रू मनोज गुप्ता कैट के नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री एवं शहडोल निवासी मनोज गुप्ता ने कहा कि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। वर्तमान समय में छोटे और मध्यम व्यापारियों को तकनीक, डिजिटलीकरण, ई-कॉमर्स तथा नए बाजारों से जोड़ना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों से व्यापारियों की सहभागिता यह दर्शाती है कि व्यापारी वर्ग अब केवल अपने व्यापारिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वदेशी, आत्मनिर्भर भारत, रोजगार सृजन और विकसित भारत के निर्माण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। सम्मेलन में कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया, राष्ट्रीय चेयरमैन बृजमोहन अग्रवाल, सांसद एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल, कैट मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन, प्रदेश मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र शर्मा सहित मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आए वरिष्ठ व्यापारी नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संभाग स्तरीय बैडमिंटन चयन प्रतियोगिता सम्पन्न

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शहडोल संभाग के प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

शिक्षा विभाग शहडोल द्वारा संभाग स्तरीय बैडमिंटन चयन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शहडोल, उमरिया एवं अनूपपुर जिले के 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर आगामी राज्य स्तरीय शालेय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों का चयन किया गया है। चयनित खिलाड़ी राज्य स्तर पर शहडोल संभाग का प्रतिनिधित्व

करेंगे। 14 एवं 17 वर्ष आयु वर्ग की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता सागर में70वीं शालेय राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंतर्गत 14 एवं 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों की प्रतियोगिता 16 सितंबर से 20 सितंबर 2026 तक सागर में आयोजित होगी।

19 वर्ष आयु वर्ग की प्रतियोगिता नर्मदापुरम में

19 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों की राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता 01 दिसंबर से 04 दिसंबर तक नर्मदापुरम में आयोजित की जाएगी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन शालेय राष्ट्रीय स्तर की बैडमिंटन प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया जाएगा।

अधिकारियों ने दी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं

चयनित खिलाड़ियों को आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए विभागीय अधिकारियों एवं खेल पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उमेश कुमार धुर्वे, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, शहडोल संभाग, अतुल चौधरी, जिला शिक्षा अधिकारी शहडोल, रईस अहमद, सहायक संचालक (खेल), सुदर्शन मिश्रा, संभागीय खेल अधिकारी तथा राम रूद्र पटेल, जिला खेल अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के आयोजन एवं खिलाड़ियों के चयन में सहसंयोजक के.के. श्रीवास्तव तथा जिला बैडमिंटन संघ शहडोल के विकास खेड़िया, सत्येंद्र सोनी एवं उनकी पूरी टीम का विशेष योगदान रहा। सहायक संचालक खेल रईस अहमद ने चयनित खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

विक्रमपुर अस्पताल में रोगी कल्याण समिति की बैठक, सुधार पर हुआ मंथन

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विक्रमपुर में गुरुवार को रोगी कल्याण समिति की बैठक क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश धुर्वे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्रवासियों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, मरीजों को उपचार एवं जांच के दौरान होने वाली परेशानियों तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक श्री धुर्वे ने मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने देने तथा उन्हें उपचार और आवश्यक जांच की सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही सहज रूप से उपलब्ध कराने पर जोर दिया। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा आवश्यक सुधार एवं व्यवस्थाओं को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। रोगी कल्याण समिति के माध्यम से अस्पताल की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की दिशा में आवश्यक निर्णयों पर भी चर्चा हुई। बैठक के पश्चात विधाय ओमप्रकाश धुर्वे ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में वृक्षारोपण किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के साथ अस्पताल परिसर को स्वच्छ एवं हराभरा बनाए रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर रोगी कल्याण समिति के नामांकित सदस्य एवं प्रदेश मीडिया सह प्रभारी पिछड़ा वर्ग मोर्चा सुशील राय, क्षेत्रीय जनपद सदस्य श्रीमती कीर्ति गुप्ता, सरपंच भारत पट्टा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पांडे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ममता दीवान, बीएमओ डॉ. जयश्री मरावी, डीपीएम विक्रम सिंह, बीपीएम दिगंबर सिंह बिलागर, डॉ. प्रकाश ठाकुर उपस्थित रहे।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर कन्या महाविद्यालय में विशेष आयोजन

कटनी (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ, एनसीसी एवं एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर 4 सितंबर 2026 को विशेष सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति, उत्साह एवं सांस्कृतिक चेतना से परिपूर्ण रहा। आयोजन का उद्देश्य छात्राओं को भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं एवं भगवान श्री कृष्ण के जीवन-दर्शन से परिचित कराते हुए उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ

मां सरस्वती एवं भगवान श्री कृष्ण के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ ही परिसर में आध्यात्मिक एवं भक्तिमय वातावरण का निर्माण हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने भगवान श्री कृष्ण के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने भगवान श्री कृष्ण के जीवन, व्यक्तित्व, कृतित्व एवं उनकी शिक्षाओं पर सारगर्भित उद्बोधन दिया। उन्होंने श्री कृष्ण के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान श्री कृष्ण का जीवन हमें धर्म, सत्य, प्रेम, कर्तव्यनिष्ठा, कर्मयोग, धैर्य एवं विषम परिस्थितियों में भी सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता के कर्मयोग के संदेश को वर्तमान जीवन में प्रासंगिक बताते हुए छात्राओं को अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल्यों को अपने आचरण में उतारने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं एवं जीवन प्रसंगों पर आधारित कथाओं, भजनों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भावपूर्ण प्रस्तुतीकरण किया गया। छात्राओं की प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं उल्लासपूर्ण बना दिया। भजनों की मधुर स्वर-लहरियों और श्री कृष्ण की लीलाओं के भावपूर्ण वर्णन से उपस्थित जनसमुदाय भक्ति रस में सराबोर हो गया। छात्राओं की प्रस्तुतियों में भारतीय संस्कृति एवं परंपरा के प्रति उनकी आस्था और उत्साह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने सभी को श्री कृष्ण जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए छात्राओं, प्राध्यापकों एवं आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान परंपरा से जुड़े ऐसे आयोजन छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ उनमें नैतिक, सांस्कृतिक एवं मानवीय मूल्यों का विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। यह आयोजन महाविद्यालय में आध्यात्मिकता, सांस्कृतिक चेतना, भारतीय ज्ञान परंपरा और सामूहिक सहभागिता का सुंदर संगम सिद्ध हुआ। कार्यक्रम ने छात्राओं को भगवान श्री कृष्ण के जीवन-दर्शन से प्रेरणा लेने तथा भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, अतिथि विद्वान, जनभागीदारी अतिथि विद्वान, एनसीसी एवं एनएसएस के स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

मानव जीवन विकास समिति ने मनाई कृष्ण जन्माष्टमी

मानव जीवन विकास समिति द्वारा संचालित बजरंग गौशाला पठरा में समिति सचिव एवं पर्यावरणविद निर्भय सिंह के नेतृत्व में और पशुपालन एवं डेयरी विभाग कटनी व पशु चिकित्सा अधिकारी बड़वारा डाक्टर आत्मानंद मिश्रा के सहयोग से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर गौमाता पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अनिल सिंह उपसरपंच पठरा के मुख्य आतिथ्य में गौ माता की पूजा अर्चना कर गौमाता को फूलमाला पहनाया गया और फलाहार कराकर श्रीकृष्ण के जन्म का आनन्दोत्सव मनाया इस दरमियान ग्राम पंचायत रोजगार सहायक सुशील कुशवाहा, राहुल कुशवाहा, पूनम शर्मा, चंद्रपाल कुशवाहा, रामकिशोर चौधरी, ओमप्रकाश यादव, गुलशन सिंह, रमेश साहू, रामसखा पाल,

फग्गू केवट सहित ग्रामवासी उपस्थित होकर कार्यक्रम में सहभागिता की और गौमाता से आशीर्वाद लिया।

गौमाता पूजन अर्चना के बाद पौधरोपण भी किया गया। मानव जीवन विकास समिति सचिव निर्भय सिंह द्वारा बताया गया की भगवान श्री कृष्ण का गौमाता से अद्भुत और गहरा संबंध था। उन्हें गोपाल और गोविंद कहा जाता है, जिसका अर्थ है गायों का रक्षक और पालनहार। कृष्ण का बचपन गोकुल और वृंदावन में गायों के साथ बीताए जहाँ वे अपनी बांसुरी की धुन से गायों को मोहित करते थे, गाय को हिंदू धर्म में माता का स्थान प्राप्त है, और कृष्ण ने हमेशा गौ-सेवा का महत्व बताया। उन्होंने गोवर्धन पर्वत को उठाकर गायों और ग्वालों की रक्षा की। कृष्ण ने हमेशा गायों को सम्मान दिया और उन्हें गौमाता कहकर संबोधित किया।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का हुआ आयोजन

शासकीय महाविद्यालय ढीमरखेड़ा में प्राचार्य डॉ. बृजलाल अहिरवार के मार्गदर्शन में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को श्रद्धापूर्वक और हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण के पूजन एवं आराधना से हुआ। पूजन-अर्चन कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों तथा धर्म, कर्म एवं कर्तव्य के संदेश को स्मरण किया गया। इसके उपरांत मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने भाग लिया और बीएससी प्रथम वर्ष के छात्र सच्चू चमार ने मटकी फोड़ी, प्राचार्य द्वारा प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। विद्यार्थियों ने इसमें बढ़-चढ़कर सहभागिता की, जिससे संपूर्ण महाविद्यालय परिसर में उत्साह एवं आनंद का वातावरण निर्मित हुआ और विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपरा, सामूहिकता एवं सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में दीनदयाल चक्रवर्ती, प्रभु दयाल बर्मन, निधि साहू, रिचा मेहरा, पूजा श्रीवास, प्रतिमा मेहतर अभिषेक पटेल, नितेश साहू, अंजली पटेल, यशराज सोनी, मयंक लोधी, हिमेश रैकवार का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर डॉ.मनीषा व्यास, डॉ. सचिन कोष्टा, डॉ. राजाराम सिंह, डॉ. मनोज कुमार गुप्ता, डॉ. कृष्ण कुमार नागवंशी, डॉ. श्वेता सिंह बघेल, डॉ. स्मिता परसाई ,डॉ. आकृति, डॉ. हर्षित द्विवेदी, डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी, युवराज कुमार तिवारी, जवाहरलाल चौधरी, मनीष कुमार, जितेंद्र कुमार, राजीव कुमार एवं अधिक

संख्या में छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में मनाई गई भगवान श्रीकृष्ण जयंती - प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय कटनी में भगवान श्रीकृष्ण जयंती के उपलक्ष्य में विविध सांस्कृतिक एवं बौद्धिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बाजपेई की अध्यक्षता एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. माधुरी गर्ग के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में संगोष्ठी के साथ गीत, संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ.आर. पी. मिश्रा, डॉ. एमपी यादव, डॉ. विनय बाजपेई एवं डॉ. माधुरी गर्ग ने भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।

बांसुरी की धुन और भजनों से गूंजा महाविद्यालय परिसर - सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के क्रम में विवेक वंशकार ने बांसुरी की मधुर धुन प्रस्तुत कर भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में अपनी भक्ति भावना अर्पित की। देवांशु जायसवाल ने सुमधुर गीत प्रस्तुत किया। वहीं रिया कुशवाहा ने मोहे रंग लो लाल भजन की मनमोहक प्रस्तुति देकर उपस्थितजनों का मन मोह लिया। समीर पांडे ने भजन प्रस्तुत किया, जबकि सत्यम लोधी ने कृष्ण गोविंद हरे मुरारी भजन की भावपूर्ण प्रस्तुति से वातावरण को कृष्णमय कर दिया। अजय कुररिया ने भी सुमधुर गीत प्रस्तुत कर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

अन्नपूर्णा वेयर हाउस में वाहनों से बैटरी चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के द्वारा आपराधिक गतिविधियों में अंकुश एवं अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है । निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, उप पुलिस अधीक्षक सुश्री शिवा पाठक के मार्गदर्शन में कुठला थाना प्रभारी निरीक्षक अखलेश दाहिया के नेतृत्व में बैटरी चोरी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने एवं बैटरियाँ जप्त करने में सफ्लता प्राप्त की है। प्रार्थी नीरज दुबे पिता रामजी दुबे उम्र 31 वर्ष निवासी गैतरा थाना कुठला जिला कटनी की रिपोर्ट पर कि उसकी जेएसआर एजेन्सी में मैनेजर हूं फर्म की गाड़िया अन्नपूर्णा वेयर हाउस के बाहर उनकी फर्म के वाहन क्रमांक MP20HB-2815, MP20HB-1626, MP20HB-4937 एवं MP20HB-1765 खड़े थे। दिनांक 20-08-2026 की रात्रि से 21-08-2026 की सुबह के बीच अज्ञात चोरों द्वारा उक्त चारों वाहनों से कुल 08 नग बैटरियां एवं वायर चोरी कर लिए गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग 40,000 रुपये है। रिपोर्ट पर थाना कुठला में अपराध क्रमांक 746/26 धारा 303(2) बीएनएस का पंजीबद्ध कर तत्काल पुलिस टीम गठित कर तलाश प्रारम्भ की गई। तलाश के दौरान मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया तथा परम्परागत एवं तकनीकी साक्ष्य सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर घटनास्थल के आसपास के सीसीटीव्ही फुजेटए सम्भावित स्थानों की चौकिंग की गई गई फलस्वरूप दिनांक 02-09-2026 को प्रशात तिवारी उर्फ लकी तिवारी पिता परसराम तिवारी उम्र 18 वर्ष, सागर उर्फ बेटू भूमिया पिता दुखीलाल भूमिया उम्र 20 वर्ष, 3 संजीत उर्फ बल्लू वर्मन पिता अनिल बर्मन उम्र 19 वर्ष तीनों निवासी चाका, भगत वंशकार पिता सरमन वंशकार उम्र 31 वर्ष निवासी लमतरा फाटक थाना कुठला से सघन पूछताछ करने पर बैटरी चोरी करना स्वीकार किये जो उक्त बैटरियों को आरोपियों से बरामद कर विधिवत जप्त किया गया ।

तीन डेयरियों से लिए दूध, पनीर, घी और दही के नमूने

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले के नागरिकों को सुरक्षित, शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण और नमूना कार्रवाई लगातार की जा रही है। इसी क्रम में गुरूवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने रघुनाथगंज, कटनी स्थित श्री अमृत डेयरी का निरीक्षण कर दूध, पनीर एवं घी के नमूने लिए। इसी प्रकार नदी पार कटनी स्थित महाकाल डेयरी से दूध, दही एवं पनीर तथा ऑलफर्टगंज स्थित जायसवाल डेयरी से दूध के नमूने जांच के लिए लिए गए हैं। मिलावट की आशंका के मद्देनजर लिए गए इन नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। विभाग के अनुसार खाद्य पदार्थों की वास्तविक संरचना एवं गुणवत्ता के संबंध में अंतिम निष्कर्ष प्रयोगशाला परीक्षण से प्राप्त परिणामों के आधार पर ही निकाला

जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि कोई नमूना खाद्य सुरक्षा एवं मानकों के अनुरूप नहीं पाया जाता है, तो खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा संबंधित नियमों एवं विनियमों के तहत नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि मिलावटी, अमानक तथा गलत नाम या दावों के साथ विक्रय किए जा रहे। खाद्य पदार्थों के विरुद्ध जांच एवं कार्रवाई का अभियान निरंतर जारी रहेगा।

अनुशासन और अटूट समर्पण की मिसाल थे कुशाभाऊ-दीपक सोनी टंडन

संगठन शिल्पी कुशाभाऊ ठाकरे की जन्मजयंती पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

कटनी (स्वतंत्रमत)। भारतीय जनता पार्टी के संगठन शिल्पी कुशाभाऊ ठाकरे के तिथि के अनुसार जन्माष्टमी पर मनाई जाने वाली जन्म जयंती पर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय व बायपास पर ठाकरे जी की प्रतिमा स्थल में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसने कार्यकर्ताओं ने उन्होंने याद करते हुए चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन ने कहा श्री कुशाभाऊ ठाकरे जी का जीवन अनुशासन और अटूट समर्पण की एक मिसाल थे। ष्सादगी और उच्च विचारों के धनीए कुशाभाऊ ठाकरे ने सहजता से कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर राष्ट्र और समाज के उत्थान के कार्यों हेतु तैयार किया। उन्होंने अपने संगठन कौशल से असंख्य

अनुशासित कार्यकर्ताओं का निर्माण किया। उनका जीवन उनसे मिले संस्कार हमें सदैव बताए आदर्शों पर चलने को प्रेरित करता रहेगा।

वरिष्ठ नेता पीतांबर टोपनानी, कैलाश जैन सोगानी, सुनील उपाध्याय ने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व और संगठनात्मक विचारों पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि एक नहीं, अनेकों कार्यकर्ताओं का जीवन कुशाभाऊ ठाकरे जी ने गढ़ा, कार्यकर्ता को काम करने का पूरा अवसर कैसे मिले, वे इसकी चिंता करते थे। वह कार्यकर्ताओं से अत्यधिक और निश्छल प्रेम करते थे, जैसे भगवान श्री कृष्ण सभी को प्रेम करते थे और लोग उनसे करते थे, उसी तरह कुशाभाऊ कार्यकर्ताओं से और कार्यकर्ता उनसे प्रेम करते थे। श्रद्धांजलि सभा का संचालन जिला मंत्री आशीष गुप्ता बाबा ने किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, वरिष्ठ नेता रामरतन पायल, पीतांबर टोपनानी, प्रीति सूरी, सुनील उपाध्याय, कैलाश जैन सोगानी, सीमा जैन सोगानी, रम्मू साहू, आशीष गुप्ता बाबा सहित कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

मांगों के निराकरण हेतु पटवारियों ने सौंपा ज्ञापन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

प्रदेश के आह्वान पर संयुक्त रूप से तहसील कटनी नगर कटनी ग्रमीण एवं तहसील रीठी एवं बडवारा की ओर से ज्ञापन एसडीएम एवं उपखण्डीय मजिस्ट्रेट जितेंद्र पटेल सर को ज्ञापन सौपकर पट्वारियों ने अपनी मांगो के निराकरण होने तक फार्मर आइडी तैयार करने से विरत रहने के लिए प्रमुख सचिव राजस्व व आयुक्त भछ संशाधन प्रबंधन ग्वालियर केनाम ज्ञापन सौपा ज्ञापन के समय जिलाध्यक्ष दादूराम पटेल तहसील अध्यक्ष द्वय कटनी नगर, ग्रामीण राज दुबे, प्रकाश गुप्ता मो. नाजिर नितेश पांडे, इमरान खान, अभिषेक सोनी, दिनेश गुप्ता, श्रीमति स्वाती राय, पंकज विश्वकर्मा आदि पट्वारियों की उपस्थिति रही।

राजस्व अधिकारी जन अपेक्षाओं पर खरा उतरें: कलेक्टर

बाढ़-आपदा की स्थिति पर रखें कड़ी नजरए अलर्ट मोड में रहें अधिकारी

कटनी (स्वतंत्रमत)।

राजस्व विभाग सीधे तौर पर आमजन से जुड़ा विभाग है। राजस्व अधिकारियों की कार्यप्रणाली का सीधा प्रभाव नागरिकों की रोजमर्रा की समस्याओं और शासन की सेवाओं तक उनकी पहुंच पर पड़ता है। इसलिए अधिकारी अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ निर्वहन करते हुए जन अपेक्षाओं पर खरा उतरना सुनिश्चित करें। कलेक्टर आशीष तिवारी ने शुक्रवार को राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले में बाढ़ और अतिवृष्टि जैसी स्थिति नहीं होने के बावजूद सावधान और सतर्क रहें। अधिकारी अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखें और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सदैव अलर्ट मोड में रहें। उन्होंने मैदानी अमले को भी सक्रिय रखते हुए सूचना तंत्र मजबूत बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर प्रमोद चतुर्वेदी सहित जिले के सभी एसडीएम तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

बड़े बकायादारों से वसूली के लिए बनाएं सूची, नोटिस देकर करें कार्रवाई

राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री तिवारी ने सभी तहसीलदारों को बड़े बकायादारों की सूची तैयार कर उन्हें नोटिस जारी करने और प्रभावी वसूली कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली में प्रत्येक तहसील की प्रगति स्पष्ट रूप से दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने आगामी दिनों में बैंकों के साथ प्रस्तावित बैठक का उल्लेख करते हुए तहसीलदारों को निर्देश दिए कि वसूली से संबंधित प्रगति, समस्याओं और आवश्यक सहयोग की जानकारी बैठक में प्रस्तुत करने

के लिए तैयार रखें।

पीएम किसान और फार्मर रजिस्ट्री में धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

कलेक्टर ने पीएम किसान ई-केवाईसी और फार्मर रजिस्ट्री के कार्य की समीक्षा करते हुए कहा कि इन कार्यों की प्रगति की लगातार समीक्षा की जा रही है और प्रत्येक बैठक में तेजी लाने के निर्देश दिए जा रहे हैं। इसके बावजूद अपेक्षित प्रगति नहीं आना गंभीर विषय है। उन्होंने तहसीलदारों को पीएम किसान ई-केवाईसी और फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में तेजी लाकर पात्र किसानों से संबंधित कार्य समय पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

एक से पांच वर्ष तक पुराने राजस्व प्रकरणों के निराकरण पर फोकस

कलेक्टर ने राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए एक से दो वर्ष तथा दो से पांच वर्ष से अधिक अवधि से लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि नामांतरण और बंटवारे के प्रकरण तीन माह से अधिक लंबित नहीं रहने चाहिए। अभिलेख दुरुस्ती के एक से दो वर्ष एवं दो से पांच वर्ष पुराने लंबित मामलों का भी शीघ्र निराकरण कराने के निर्देश एसडीएम को दिए गए। इसी प्रकार पेशी से गिरे प्रकरणों तथा पीठासीन अधिकारी एवं रीडर आईडी में लंबित मामलों को भी प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश दिए गए।

लंबित आधार आवेदनों के निराकरण में तेजी लाएं

बैठक में 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लंबित आधार आवेदनों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने ऐसे लंबित आवेदनों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। सीएम हेल्पलाइन में पीएम किसान से संबंधित लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने शिकायतों के निराकरण में तत्परता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 50 दिवस से अधिक अवधि से लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत किया जाए। फोर्स क्लोज की जाने वाली शिकायतों में जवाब तथ्यात्मकए स्पष्ट और उचित रूप से दर्ज कर जिला कार्यालय को प्रेषित करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व विभाग के कार्यों में समयबद्धता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

पाकिस्तान को धूल चटाने उतरेगा भारत

महिला एशिया कप में होगी दोनों टीमों की भिड़ंत

दुबई, (वार्ता) सेमीफाइनल में जगह पक्की होने के बाद, भारत शनिवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में महिला एशिया कप के अपने अंतिम लीग मैच में पाकिस्तान से भिड़ेगा तो उसकी नजर जीत की लय बरकरार रखने पर होगी। टूर्नामेंट में भारत का दबदबा रहा है और उसने पाकिस्तान की टीम के खिलाफ प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत की है, जिसने उम्मीद की झलक तो दिखाई है, लेकिन अभी भी कुछ प्रमुख खिलाड़ियों पर निर्भर है। यह मैच भारत को नॉकआउट चरण से पहले अपने संयोजन को दुरुस्त करने का मौका भी देता है। एशिया में अपनी श्रेष्ठता के बावजूद, टीम के पास अभी भी टी20 क्रिकेट में संबोधित करने के लिए क्षेत्र हैं, खासकर पिछले दो विश्व कप से जल्दी बाहर होने के बाद। भारत अपने पावर-हिटिंग और तेज़-गेंदबाजी विभागों में अधिक गहराई बनाना चाह रहा है। वे ऑस्ट्रेलिया पर अंतर को कम करने का प्रयास करते हैं, जिन्होंने प्रारूप में बेंचमार्क स्थापित किया है। हालाँकि, अभी भारत का ध्यान महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखने पर होगा। जबकि वे पिछले संस्करण में श्रीलंका से उपविजेता रहे थे।

पाक अभी भी सेफा में जगह बनाने की दौड़ में

थाईलैंड को हराने के बाद पाकिस्तान अभी भी सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ में है दोनों पक्षों के बीच हुए पांच आमने-सामने के मुकाबलों में से अंतिम चार में भी भारत का दबदबा रहा है। भारत का सबसे बड़ा फायदा एक बार फिर उनका शुरुआती संयोजन हो सकता है। स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा दोनों ने अपनी लय हासिल कर ली है, मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ टूर्नामेंट के असाधारण प्रदर्शनों में से एक का प्रदर्शन किया। बाएं हाथ की बल्लेबाज ने यादगार शतक लगाया और इस दौरान कई रिकॉर्ड तोड़े, जबकि शैफाली ने भी उन परिस्थितियों से अच्छी तरह से तालमेल बिठाया, जिन्होंने दुबई में बल्लेबाजी करना मुश्किल बना दिया था।

बल्लेबाजों को आम तौर पर सतह की गति से अभ्यस्त होने के लिए समय की आवश्यकता होती है, अक्सर उन्हें अपने शॉट्स को स्वतंत्र रूप से खेलना शुरू करने से पहले लगभग 10 गेंदों का समय लगता है। मंधाना और शैफाली ने दिखाया कि वे उस चुनौती से निपटने में सक्षम हैं।

भारत मध्यक्रम से और अधिक की उम्मीद करेगा

भारत मध्यक्रम से और अधिक की उम्मीद करेगा, हालांकि प्रतीका रावल, ऋचा घोष और कप्तान हरमनप्रीत कौर आशाजनक शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में विफल रही हैं। तीसरे नंबर पर रावल का स्थान जांच के दायरे में रहने की संभावना है। उन्होंने खुद को एक सफल वनडे बल्लेबाज के रूप में स्थापित किया है, लेकिन टी20 प्रारूप में अभी तक वैसा प्रभाव नहीं डाल पाई हैं। हालाँकि, मंधाना ने पाकिस्तान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अपने साथियों का समर्थन किया। उन्होंने कहा, वहां बल्लेबाजी करने के लिए परिस्थितियां आसान नहीं हैं, हम जानते हैं कि यह थोड़ा मुश्किल हो सकता है। मध्यक्रम में भी हर कोई विश्व स्तरीय बल्लेबाज है और इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे अनुकूलन करने में सक्षम होंगे।

नंदनी शर्मा ने आक्रमण में आने के बाद से प्रभाव डाला

गति विभाग में उत्साहजनक संकेत मिले हैं, नंदनी शर्मा ने आक्रमण में आने के बाद से प्रभाव डाला है। उन्होंने क्रांति गौड़ के साथ नई गेंद साझा की है। भारत के गति संसाधनों में एक और विकल्प जोड़ा गया। इस बीच, पाकिस्तान को अपनी बल्लेबाजी से कहीं बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। बल्ले से उनका संघर्ष एक बार-बार होने वाला मुद्दा रहा है, और थाईलैंड के खिलाफ भी उन्होंने अंदर तीन विकेट खो दिए थे। 119 रन का बचाव करते हुए पाकिस्तान अंततः जीत गया, लेकिन शीर्ष क्रम में मुनीबा अली और कप्तान फातिमा सना पर उनकी निर्भरता चिंता का विषय बनी हुई है। मजबूत भारतीय आक्रमण के खिलाफ पाकिस्तान को एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर रहने के बजाय पूरे बल्लेबाजी क्रम से योगदान की जरूरत होगी।

मंधाना ने शानदार शतक के साथ ध्वस्त किये कई रिकॉर्ड

दुबई (वार्ता)। स्मृति मंधाना ने महिला एशिया कप में हांगकांग के खिलाफ भारत की जीत के दौरान अपना दूसरा टी 20 शतक लगाकर कई बड़े रिकॉर्ड तोड़े। मंधाना ने 64 गेंदों पर शानदार 124 रन बनाए। उनकी इस पारी में 14 चौके और सात छक्के शामिल थे। इसके साथ ही वह महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं और उन्होंने मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ा। इस बाएं हाथ की बल्लेबाज के नाम अब सभी फॉर्मेट में कुल 10,880 रन हो गए हैं। उन्होंने भारत की पूर्व कप्तान को पीछे छोड़ दिया, जिनके नाम सभी फॉर्मेट में 10,868 रन हैं। इसके अलावा, मंधाना का यह शतक सभी फॉर्मेट में उनका 18वां शतक था। इसके साथ ही वह महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज़्यादा शतक लगाने के मामले में ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग से भी आगे निकल गईं। 2013 में भारत के लिए डेब्यू करने के बाद से मंधाना ने क्रिकेट के इतिहास में भारत की बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक के तौर पर अपनी जगह बनाई है। पिछले साल अपना पहला टी 20 शतक लगाने के बाद, मंधाना महिला क्रिकेट में सभी फॉर्मेट में शतक लगाने वाली पहली भारतीय बल्लेबाज बनी थीं।

मंधाना ने बाद में कहा, मुझे नहीं पता था कि ऐसा कुछ हुआ है। मेरी बल्लेबाजी के लिए धीमी गति के गेंदबाजों का सामना करना मुश्किल होता है। उन्होंने (हांगकांग के गेंदबाजों ने) पावरप्ले में अनुशासित गेंदबाजी की, बहुत अच्छी गेंदबाजी की और उन्होंने जो ऊर्जा दिखाई, उससे हम सीखेंगे। लेकिन मुझे बल्लेबाजी करना पसंद है और मैं योगदान देकर खुश हूं। ऐसे दिन भी होते हैं जब आप स्टंप्स के पास से गेंद को हिट करते हैं। ऐसे दिन भी होते हैं जब गेंद बल्ले के किनारे (एज) से लग जाती है। यह बहुत अनिश्चित होता है। आईसीसी के अनुसार, जब उनसे उनके रिकॉर्ड तोड़ने वाले कारनामों के बारे में पूछा गया, तो मंधाना ने अपने परिवार को इसका श्रेय दिया। उन्होंने कहा, बहुत सी बातें रही हैं, मैं इसे अपने परिवार को समर्पित करना चाहती हूँ।

हमें उनके (हांगकांग) बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं है क्योंकि हमने बस कुछ ही वीडियो देखे हैं; हमारा ध्यान मुख्य रूप से खेल की रफ़्तार के साथ तालमेल बिठाने पर है। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए, भारतीय ओपनर्स ने 47 गेंदों में 74 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की, जिसके बाद रुचिथा वेंकटेश ने शैफ़ाली वर्मा को आउट किया।

श्रीनीति की नज़रें युगल खिताब पर

नियंथ ने टॉप सीड तेजस को हराया

बेंगलुरु (वार्ता)। केएसएलटीए वर्ल्ड टेनिस टूर जूनियर जे 30 बेंगलुरु में स्थानीय टीनएजर श्रीनीति चौधरी एकल और युगल दोनों खिताब जीतने की राह पर हैं। वहीं, अमेरिका के नियंथ बद्रीनारायणन ने टॉप सीड और घरेलू खिलाड़ी तेजस रवि को हराकर शुक्रवार को एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में लड़कों के एकल फाइनल का रोमांचक मुकाबला तय किया। चौथी सीड श्रीनीति ने लड़कियों के एकल सेमीफाइनल में छठी सीड वसुंधरा बालाजी को 3-6, 6-1, 6-1 से हराकर शानदार वापसी की। इसके बाद वह रिद्धि शिंदे के साथ मिलकर लड़कियों के डबल्स फाइनल में भी जगह बनाने में कामयाब रहीं।

बेंगलुरु की 15 वर्षीय खिलाड़ी एकल खिताब के मुकाबले में पांचवीं सीड और स्थानीय खिलाड़ी आहिदा सिंह का सामना करेंगी। आहिदा ने ज़ोहा कुरैशी पर 6-2, 6-0 से शानदार जीत दर्ज की। ज़ोहा ने इससे पहले प्री-क्वार्टर फाइनल में टॉप सीड शैवी गौरव दलाल को हराया था। पहले सेट में 0-5 से पिछड़ने के बाद श्रीनीति वसुंधरा के खिलाफ मुश्किल में फंसी हुई लग रही थीं। उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर वापसी की कोशिश की, लेकिन वसुंधरा ने संयम बनाए रखते हुए सेट 6-3 से जीत लिया। इसके बाद मैच का रुख पूरी तरह बदल गया। श्रीनीति ने अपने फोरहैंड शॉट पर पकड़ बनाई और बार-बार नेट के करीब आकर अधिकतर मौकों को भुनाया। उन्होंने चौथे और छठे गेम में वसुंधरा की सर्विस तोड़ी (ब्रेक किया)। प्रतिद्वंद्वी की लगातार गलतियों (अनफोर्स्ड एरर्स) का फायदा उठाकर बेंगलुरु की खिलाड़ी ने मैच बराबरी पर ला दिया। श्रीनीति ने निर्णायक सेट में भी अपनी लय बनाए रखी। उन्होंने पहले गेम में सर्विस तोड़ी और फिर पांचवें व सातवें गेम में भी सर्विस ब्रेक करके शानदार वापसी पूरी की।

साउथ ज़ोन के लिए खेलेंगे पड़िक्कल, सिराज

चेन्नई (वार्ता)।

देवदत्त पड़िक्कल और मोहम्मद सिराज को रविवार से चेन्नई में ईस्ट ज़ोन के ख़िलाफ़ होने वाले दलीप ट्रॉफी फ़ाइनल के लिए साउथ ज़ोन की टीम में शामिल किया गया है। अभी यह साफ़ नहीं है कि उनकी जगह किन दो खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया जाएगा। साउथ ज़ोन के कप्तान तिलक वर्मा के साथ ही वैभव सूर्यवंशी और ईस्ट ज़ोन के कप्तान इशान किशन के भी खेलने की संभावना है। हालांकि, अगर भारतीय टीम मैनेजमेंट ने आख़िरी समय पर उन्हें नहीं खेलने को कहा, तो स्थिति बदल सकती है। ये तीनों खिलाड़ी अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ़ तीन टी20 मैचों के लिए भारत की टीम का हिस्सा हैं। यह सीरीज़ दलीप ट्रॉफी फ़ाइनल के तय कार्यक्रम के अनुसार 10 सितंबर को ख़त्म होने के तीन दिन बाद शुरू होगी। पड़िक्कल और सिराज को टीम में शामिल करना टेस्ट खिलाड़ियों को लय में बनाए

रखने की टीम मैनेजमेंट की योजना का हिस्सा है। तिलक ने गुरुवार को नॉर्थ ज़ोन के खिलाफ़ सेमीफ़ाइनल में नाबाद 116 और 51 रन की पारियां खेलकर साउथ ज़ोन को जीत दिलाने के बाद कहा था, मैं फ़ाइनल खेलना चाहूंगा। यह मैच अभी ख़त्म हुआ है, लेकिन मुझे लगता है कि अफ़ग़ानिस्तान के खिलाफ़ मैच 13 तारीख़ को है। मैं फ़ाइनल खेलने के लिए तैयार हूं। इसके बाद हमारे पास दो दिन का ब्रेक है और अगर मैं 11 तारीख़ को भी टीम से जुड़ता हूं, तो एक दिन अभ्यास कर सकता हूं और उसके बाद मैच खेलने जा सकता हूं। पड़िक्कल हाल ही में श्रीलंका के ख़िलाफ़ टेस्ट दौरे में प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ रहे थे। उन्होंने तीन पारियों में 328 रन बनाए थे, जिसमें नंबर 3 पर बल्लेबाज़ी करते हुए दो शतक भी शामिल थे। 2024 में टेस्ट डेब्यू करने के बाद यह पहली बार था जब उन्होंने लगातार दो टेस्ट मैच खेले थे। उन्हें यह मौक़ा इसलिए मिला क्योंकि नियमित नंबर 3 बल्लेबाज़ बी साई सुदर्शन पैर के अंगूठे में चोट के कारण सीरीज़ से बाहर हो गए थे। साई सुदर्शन दलीप ट्रॉफी फ़ाइनल में नहीं खेलेंगे, लेकिन समझा जाता है कि वह पूरी तरह फ़िट होने के क़रीब हैं। 22 सितंबर से पुडुचेरी में शुरू होने वाली ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ इंडिया ए सीरीज़ के लिए उन्हें टीम की योजनाओं में शामिल किए जाने की संभावना है। सिराज की मौजूदगी से साउथ ज़ोन की तेज़ गेंदबाज़ी मज़बूत होगी। सेमीफ़ाइनल में टीम के सबसे अच्छे गेंदबाज़ रहे विद्वत कावेरप्पा को मामूली परेशानी होने के बाद यह टीम के लिए अहम है। पड़िक्कल की तरह सिराज ने भी श्रीलंका के खिलाफ़ दोनों टेस्ट खेले थे, जिसमें उन्होंने चार विकेट लिए थे। सिराज के हैदराबाद टीम के साथी सीवी मिलिंद को भी टीम में कवर के तौर पर शामिल किया गया है।

भारत के अंडर-19 खिलाड़ी रोहित यादव पर लगा दो साल का प्रतिबंध

कोलकाता (वार्ता)। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) ने लेग-स्पिनर रोहित यादव पर उम्र से जुड़ी धोखाधड़ी के कारण दो साल का प्रतिबंध लगाया गया है। यह गड़बड़ी तब सामने आई जब सीएबी ने अपने खिलाड़ियों के लिए प्री-सीजन डॉक्यूमेंटेशन ड्राइव चलाई। इसके बाद रोहित को भारत अंडर-19 टीम से हटा दिया गया है। उन्हें इस महीने के आखिर में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ पांच वनडे और दो मल्टी-डे मैच खेलने हैं। इस एज-ग्रुप सर्किट में बंगाल का प्रतिनिधित्व वाले रोहित की उम्र में 27 महीने की गड़बड़ी पाई गई है, जैसा कि सीएबी ने बताया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से जुड़ी सभी राज्य इकाइयों को इस प्रतिबंध के बारे में बता दिया गया है, जो तुरंत लागू हो गया है। सीएबी ने उम्र से जुड़ी ऐसी ही गड़बड़ियों के लिए 64 अन्य खिलाड़ियों पर भी प्रतिबंध लगाया है। इनमें रवि कुमार भी शामिल हैं, जो भारत की अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता टीम का हिस्सा थे और कैरिबियन में इंग्लैंड के खिलाफ 2022 के फ़ाइनल में शानदार प्रदर्शन किया था। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रवि कुमार ने उसी साल बंगाल की सीनियर टीम के लिए डेब्यू किया था, लेकिन आखिरी बार 2023 में खेले थे।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा

मुंबई (वार्ता)।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 अगस्त को समाप्त सप्ताह में नया रिकॉर्ड बनाता हुआ पहली बार 740 अरब डॉलर के पार पहुंच गया।रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 11.475 अरब डॉलर बढ़कर 740.803 अरब डॉलर हो गया। यह लगातार नौवां सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा का देश का भंडार बढ़ा है। इस दौरान इसमें 73.87 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गयी है। आरबीआई ने बताया कि 28 अगस्त को समाप्त सप्ताह में

विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 9.337 अरब डॉलर उछलकर 600.67 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अक्टूबर 2024 के बाद 22 महीने में पहली बार यह 600 अरब डॉलर के स्तर को छूने में कामयाब रहा है। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में अमेरिकी डॉलर के साथ जापानी येन, ब्रितानी पाउंड और यूरो भी शामिल हैं। इनके मूल्य का आंकलन डॉलर की तुलना में इनकी संदर्भ दर के आधार पर किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में देश का स्वर्ण भंडार 2.191 अरब डॉलर बढ़कर 116.409 अरब डॉलर रहा। यह इस साल 15 मई के बाद का उच्चतम स्तर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि और विशेष आहरण अधिकार क्रमशः 1.1 करोड़ डॉलर और 4.3 करोड़ डॉलर घटकर क्रमशः 4.914 अरब डॉलर और 18.81 अरब डॉलर रह गया।

अकासा ने वियतनाम के लिए शुरू की विमान सेवा

नयी दिल्ली (वार्ता)। नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर ने शुक्रवार को राजधानी हनोई के लिए उड़ान शुरू करने के साथ ही वियतनाम को अपने नेटवर्क में शामिल कर लिया है। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पहली उड़ान आज सुबह 5:35 बजे रवाना हुई और स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 12 बजे हनोई के नोई बाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंची। यह अकासा एयर का सातवां अंतरराष्ट्रीय गंतव्य है।

सेल ने अगस्त में बनाया उत्पादन का नया रिकॉर्ड

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारतीय इस्पात निगम लिमिटेड (सेल) ने इस साल अगस्त में उत्पादन के मोर्चे पर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि हॉट मेटल, क्रूड स्टील और तैयार इस्पात का उत्पादन अब तक के अगस्त माह के उच्चतम स्तर पर रहा। साथ ही उसने अप्रैल-अगस्त 2026 की अवधि बिक्री में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की है। कंपनी क्रूड स्टील उत्पादन अगस्त में आठ प्रतिशत बढ़कर 15.5 लाख टन से 16.8 लाख टन पर पहुंच गया। हॉट मेटल का उत्पादन नौ प्रतिशत बढ़कर 17.8 लाख टन पर और तैयार इस्पात का उत्पादन एक प्रतिशत बढ़कर 16.9 लाख टन पर पहुंच गया।

अगस्त सेल की कुल विक्रय 18.71 लाख टन रही। यह अगस्त 2025 की तुलना में 13 ऊपर रही। कंपनी के नकदी संग्रह में भी सालाना आधार पर 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीने में अप्रैल से अगस्त के दौरान सेल की बिक्री पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 5.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 77.1 लाख टन हो गई। कंपनी ने बताया कि बेहतर उत्पाद मिश्रण, मजबूत क्षेत्रीय पहुंच और सुदृढ़ हुई घरेलू मांग के दम पर फिनिश्ड और प्रोसेस्ड स्टील सेगमेंट में अच्छी गति बनी रही। पांच महीनों की अवधि के लिए नकदी प्राप्ति में भी वृद्धि दर्ज की गई।

गेहूं के रिकॉर्ड उत्पादन से 1.5 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है निर्यात : एसोचैम

नयी दिल्ली (वार्ता)। गेहूं के रिकॉर्ड उत्पादन, पर्याप्त घरेलू भंडार और निर्यात के धीरे-धीरे फिर से खुलने से भारत के पास 1.5 अरब डॉलर के गेहूं निर्यात का मौका है। प्रमुख उद्योग संगठन एसोचैम ने शुक्रवार को कहा कि हाल ही में सरकार ने गेहूं की खास किस्मों, गेहूं के आटे और उससे जुड़े उत्पादों की निर्या नीति को प्रतिबंधित से मुक्त कर दिया है। इस कदम में गेहूं, ड्यूरम गेहूं, आटा, मैदा, सूजी/रवा और उससे जुड़े उत्पाद शामिल हैं। इससे भारतीय गेहूं और गेहूं से बने उत्पादों के लिए ज्यादा बाजार पहुंच मिलने, निर्यात से होने वाली कमाई को समर्थन मिलने, भारतीय उत्पादकों और उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार के मौके बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय गेहूं व्यापार में देश की भूमिका मजबूत होने की उम्मीद है। एसोचैम ने कहा कि देश के पास मिस्र, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, अल्जीरिया और फिलीपींस में निर्यात के मजबूत मौके हैं। भारतीय गेहूं की प्रतिस्पर्धी कीमत और भौगोलिक नजदीकी से गेहूं का आयात बढ़ने की उम्मीद है। एसोचैम वैश्विक अनुसंधान एवं रणनीतिक केंद्र के अध्ययन च्वैश्विक गेहूं बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धी बढ़त में पाया गया है कि भारत के लिए गेहूं निर्यात बढ़ाने के लिए स्थिति अच्छी है। रिकॉर्ड उत्पादन, पर्याप्त भंडार, प्रतिस्पर्धी कीमतें और निर्यात का धीरे-धीरे फिर से खुलना देश को एक भरोसेमंद वैश्विक गेहूं आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने में मददगार है। देश में गेहूं का उत्पादन 2025-26 में रिकॉर्ड 12.1 करोड़ टन पर पहुंच गया जबकि घरेलू खपत लगभग 11.1 करोड़ टन थी।

कच्चे तेल में नरमी से रुपया मजबूत

मुंबई (वार्ता)।

कच्चे तेल में नरमी से शुक्रवार को अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया आठ पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 94.43 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 22 पैसे चढ़कर 94.51 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपया आज दो पैसे फिसलकर 94.53 रुपये प्रति डॉलर पर खुला, लेकिन इसके बाद धीरे-धीरे इसका ग्राफ ऊपर की ओर बढ़ता गया। यह ऊपर 94.43 रुपये प्रति डॉलर तक जाने के बाद इसी स्तर पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चा तेल आज दो प्रतिशत से अधिक गिरकर 93.5 डॉलर प्रति बैरल तक उतर गया। इससे रुपये को समर्थन मिला।

वित्तीय कंपनियों में तेजी से सेंसेक्स 362.57 अंक चढ़ा

मुंबई (वार्ता)। कच्चे तेल में नरमी और रुपये में जारी तेजी के बीच निजी बैंकों और वित्तीय कंपनियों में लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को तेजी रही और बीएसई का सेंसेक्स 363 अंक फिसल गया।

सेंसेक्स में सुबह से ही तेजी रही। यह 504 अंक की बढ़त में 76,657 अंक पर खुला और एक समय 76,883 अंक तक चढ़ गया था। अंत में 362.57 अंक (0.48 प्रतिशत) ऊपर 76,515.43 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 24.25 अंक यानी 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 23,897.70 अंक पर पहुंच गया। रुपया इस सप्ताह लगातार चढ़ता हुआ फिलहाल 94.47 रुपये प्रति डॉलर पर है। आज यह चार पैसे मजबूत हुआ है। साथ ही अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 0.8 फीसदी उतरकर 95 डॉलर प्रति बैरल से नीचे उतर

गया। इससे घरेलू शेयर बाजारों में निवेश धारणा मजबूत हुई। वृहत बाजार में मिलाजुला रुख रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.23 प्रतिशत फिसल गया। वहीं, स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 0.22 प्रतिशत की तेजी रही। आईटी, ऑटो, फार्मा, सार्वजनिक बैंक, रियल्टी, स्वास्थ्य, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और रसायन समूहों के सूचकांक टूट गये। धातु, वित्त, निजी बैंकों और सीमेंट सेक्टरों से सूचकांक ऊपर रहे। एनएसई में जिन 3,648 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,016 के शेयरों में तेजी और 1,517 में गिरावट रही। अन्य 115 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे।

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील का शेयर 2.91 प्रतिशत मजबूत हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 1.61 फीसदी, बजाज फाइनेंस का 1.47, ट्रेंट का 1.34, अडानी पोर्ट्स का 1.33, एचडीएफसी बैंक का 1.30, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.15, अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.11, टाइटन का 1.01, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 0.92 और हिंदुस्तान यूनीलिवर का 0.91 प्रतिशत मजबूत हुआ। एनटीपीसी, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, इंडिगो, एक्सिस बैंक और पावरग्रिड के शेयर भी हरे निशान में रहे। भारती एयरटेल तथा एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर 1.24 फीसदी और इटरनल का शेयर 1.09 प्रतिशत टूट गया।

भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं कष्ट सहे, लेकिन दूसरों के लिए प्रशस्त किया सुख-समृद्धि का रास्ता : डॉ. यादव

बाल-गोपाल और राधा कृष्ण की वेशभूषा में शामिल हुए नन्हें बच्चे, मुख्यमंत्री ने खिलाया माखन

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के नाम से भारत की पहचान दुनियाभर में बनी है। उन्होंने सृष्टि का उद्धार करने के लिए पृथ्वी पर मानव रूप में जन्म लिया। अपने जीवन में अनेकों कष्ट सहे और दुष्टों का संहार कर जनता के लिए सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया। भगवान श्रीकृष्ण ने कारागार में जन्म लेने के बाद अपनी बाल्यकाल की लीलाओं से आमजन के कई कष्टों को मुस्कुराते हुए दूर किया। उन्होंने विश्व को संदेश दिया कि हमें मुश्किल परिस्थितियों में धैर्य और संयम से काम लेना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण ने हमें कष्टों को दूर कर मार्ग निकालने की प्रेरणा दी है। उज्जैन में महर्षि सांदीपनि के आश्रम में श्रीकृष्ण ने 64 कला और 14 विद्याएं सीखीं। श्रीकृष्ण के जीवन से हम सभी के लिए शिक्षा का महत्व प्रतिपादित होता है। सांदीपनि आश्रम में सुदामा जी के साथ उनकी मित्रता के प्रसंग हर काल में प्रासंगिक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री निवास में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आख्यान पर्व के अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल्य स्वरूप लड्डू गोपाल का जलाभिषेक कर विधिवत पूजन-अर्चन किया। मुख्यमंत्री ने माखन और मिसरी से भरी मटकी फोड़कर राधारानी और बाल गोपाल की वेशभूषा में आए नौनिहालों को माखन खिलाया और उपहार देकर दुलार किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दी।

मयूर नृत्य, मलखंभ खिलाड़ियों के करतब से दर्शक हुए मंत्रमुग्ध-श्रीकृष्ण आख्यान की कला अभिव्यक्तियों के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न कला समूहों ने श्रीकृष्ण जन्म, श्रीकृष्ण लीला, कालिया नाग मर्दन, गोवर्धन लीला, कंस वध, गीता उपदेश सहित श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिकाओं का मंचन किया। जबलपुर से आए जुगलकिशोर नामदेव और उनके साथी कलाकारों ने मयूर नृत्य, ब्रज में आनंद उमंग भयो जय हो नंदलाल की, आज ब्रज में होली रे रसिया, श्रीकृष्ण गोबिंद हरे मुरारी जैसे सुमधुर भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिससे मुख्यमंत्री निवास का वातावरण श्रीकृष्णमय होकर भक्तिरस से सराबोर हो गया। कार्यक्रम में भारत सिंह पालीवाल के निर्देशन में उज्जैन से आए खिलाड़ियों ने मलखंभ की प्रस्तुति दी। खिलाड़ियों के अद्भुत करतब देखकर पंडाल में मौजूद सभी दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मलखंभ खिलाड़ियों के साथ फोटो खिंचवाकर सभी का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को वैदिक घड़ी भी भेंट की गई।

आर्थिक रूप से सशक्त हो रहा भारत-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के अथक प्रयासों से आज भारत विश्व बंधुत्व का संदेश देते हुए आर्थिक रूप से सशक्त हो रहा है। हमारी संस्कृति अच्छाई बांटने वाली संस्कृति है। हम इसके वैभव को पुनः प्रतिष्ठित करने के लिए कटिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि दुनिया के कई देशों पर युद्ध के संकट का साया है, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रही है। ग्रोथ रेट के मामले में भारत ने अमेरिका, चीन और जापान जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है। भारत सरकार अपने नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और अपने विदेशी रिश्तों को मजबूत करेगी।

श्रीकृष्ण की शोभा हैं सुदर्शन चक्र और पांचजन्य शंख-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आचार्य सांदीपनि का पहला आश्रम बनारस में था। इसके बाद वे परिवार के साथ उज्जैन आए और यहां विद्यार्थियों को शिक्षा देना प्रारंभ किया। सांदीपनि आश्रम की शिक्षा पद्धति प्रसिद्ध और अद्भुत थी। तत्कालीन समय में गुजरात के प्रभाषपाटण (वर्तमान में द्वारिका) क्षेत्र में जम जाति के आक्रांताओं का आतंक फैला था। जब आचार्य सांदीपनि ने उनके बच्चों को शिक्षा देने के इनकार कर दिया तो आक्रांताओं ने उनके पुत्र को बंधक बना लिया।

डॉ. यादव ने माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान का किया शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा अभियान की संकल्पना पर केन्द्रित पोस्टर का विमोचन भी किया। परिषद द्वारा पर्यावरण संरक्षण की नवाचारी पहल करते हुए माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान चलाया जायेगा। अभियान में पर्यावरण हितैषी संस्थान नर्मदा समग्र द्वारा प्रशिक्षण के माध्यम से प्रदेश के समस्त 313 विकासखण्ड में परषिद के नेटवर्क से जुड़ी नवांकुर सखियों को प्रशिक्षित किया जायेगा। प्रशिक्षित सखियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से अपने ग्रामों में स्थानीय महिलाओं को प्रेरित-प्रशिक्षित कर मिट्टी के 10 लाख गणेण की घर-घर स्थापना करायी जायेगी। अभियान का लक्ष्य 10 लाख गणेश जी की प्रतिमाओं के निर्माण कर 25 लाख लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव श्रीमन एवं परिषद के कार्यपालन निदेशक डॉ. बकुल लाड उपस्थित थे।

भगवान कृष्ण के जीवन से सेवा की प्रेरणा मिलती है : कलेक्टर

दमोह (स्वतंत्र मत)। कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर दमोह में ग्वाल बाबा मंदिर किल्लाई नाका के समीप आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं आमजन उपस्थित रहे और भगवान श्रीकृष्ण की आराधना कर पर्व की खुशियां साझा कीं।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों के साथ जन्माष्टमी पर्व मनाया और सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। आनंद विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद हम सभी पर सदैव बना रहे और उनके आदर्शों एवं संदेशों से प्रेरणा लेकर समाज में प्रेमए सद्भाव और भाईचारे की भावना मजबूत हो, यही प्रभु से कामना है।

जिला जेल में धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

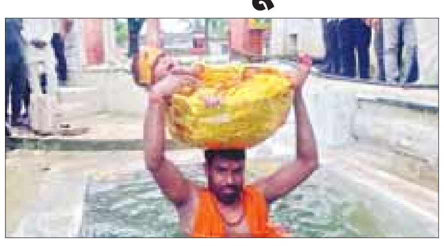

दमोह (स्वतंत्र मत)। भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण दिवस श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर देशभर में धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। मंदिरों के साथ घर-घर में भी जन्माष्टमी की धूम देखने को मिल रही है। इसी क्रम में मप्र सरकार के निर्देशानुसार दमोह जिला जेल में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई। शुक्रवार 4 सितंबर को जिला जेल परिसर में कलाकारों द्वारा भजन एवं धार्मिक गीतों की प्रस्तुति दी गई। वहीं विद्वान पंडितों द्वारा जेल परिसर में स्थित श्रीराम भक्त हनुमान की विशाल प्रतिमा के समीप मंत्रोच्चार के साथ विधिविधान से पूजन-अर्चन किया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर वासुदेव द्वारा उन्हें गोकुल ले जाने तक की पूरी कथा को आकर्षक झांकी के माध्यम से जीवंत किया गया।

झांकी में कारागार में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म, पहरेदारों का बेहोश होनाए कारागार के ताले टूटना और वासुदेव द्वारा बाल स्वरूप श्रीकृष्ण को टोकरी में बैठाकर सिर पर रखकर यमुना नदी पार करने का दृश्य प्रस्तुत किया गया।झांकी ने उपस्थित बंदियों, जेल अधिकारियों और कर्मचारियों का मन मोह लिया। इस दौरान पूरा जेल परिसर श्नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की और हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंज उठा। जेल उप अधीक्षक मांगीलाल पटेल ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जेल में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी धार्मिक परंपराओं के अनुरूप मनाई गई।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर निकली शोभायात्रा, कृष्णमय हुआ नगर

बिहारीजी मंदिर से निकली यात्रा का जगह-जगह स्वागत

हटा (स्वतंत्र मत)। भगवान श्रीकृष्ण की जयंती कृष्ण जन्माष्टमी के रूप में शुक्रवार को नगर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। नगर के सुप्रसिद्ध देव बालाजी मंदिर, रामगोपालजी मंदिर, बिहारीजी मंदिर, मुरलीमनोहर मंदिर और नवल किशोर मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण का विशेष पूजन अर्चन, आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। जन्माष्टमी का मुख्य समारोह नाव घाट स्थित बिहारी जी मंदिर में आयोजित हुआ। यहां यादव समाज के लोगों ने सुबह से भगवान का अभिषेक, हवन और पूजन किया। इसके बाद बिहारी जी मंदिर से नगर में विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा तमरहाई, रतन बजरिया, बंशी सागर, चंडीजी चौराहा, पेट्रोल पंप, तीनबत्ती तिगड्डा, राय चौराहा, मंदिर मस्जिद चौराहा और बड़ा बाजार होते हुए पुनः बिहारीजी मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं और नगरवासियों ने शोभायात्रा का स्वागत कर बिहारीजी सरकार की पूजा.अर्चना की। शोभायात्रा में डीजे की धुन पर थिरकते युवाए भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक झांकियां और घोड़ा बग्गी पर बैठे राधा.कृष्ण के रूप में सजे छोटे बच्चों की सजीव प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। कृष्ण लीलाओं की झांकियों ने शोभायात्रा की भव्यता में चार चांद लगा दिए। शैलेंद्र खटीक, दीपेश पटेरिया, प्रदीप खटीक, ब्रजेश गुप्ता सहित यादव समाज के गणमान्य नागरिक शामिल रहे।

थाना परिसर में हुई भजन संध्या

सायंकाल थाना हटा परिसर में भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस दौरान छोटे-छोटे बच्चों ने राधा.कृष्ण और श्रीकृष्ण लीला पर आधारित मनमोहक झांकियां प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में सोनू यादव, राजेश यादवए राकेश यादव सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नेहरू स्टेडियम विवाद

2018 के बाद सभी गैर खेल कार्यक्रमों की अनुमति सार्वजनिक करें सरकार : कांग्रेस

भोपाल (स्वतंत्र मत)। इंदौर के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम को लेकर आज प्रशासन हाई कोर्ट के आदेश का हवाला देकर राहुल गांधी के कार्यक्रम को अनुमति देने से इंकार कर रहा है। प्रदेश कांग्रेस विचार विभाग के अध्यक्ष भूपेन्द्र गुप्ता ने कहा कि हम कानून और न्यायालय के आदेश का पूरा सम्मान करते हैं। लेकिन सवाल यह है कि कानून का सम्मान केवल विपक्ष से ही क्यों अपेक्षित है? उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार, इंदौर नगर निगम और प्रशासन से केवल एक सीधा सवाल पूछा है नेहरू स्टेडियम में 8 मार्च 2024 को आयोजित साड़ी वाकेथॉन के लिए क्या मध्य प्रदेश हाई कोर्ट से अनुमति ली गई थी? यदि ली गई थी तो उसकी प्रति सार्वजनिक की जाए।

इसी तरह 8 फरवरी 2026 को नेहरू स्टेडियम से आयोजित रुद्राक्ष शुक्ला के यूथ वॉक के लिए क्या हाई कोर्ट की अनुमति प्राप्त की गई थी? यदि हाँ, तो आदेश की प्रति जनता के सामने रखी जाए।

हम किसी कार्यक्रम के खिलाफ नहीं हैं। हमारा सवाल केवल कानून के समान अनुपालन का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2018 के कार्यक्रम के लिए सरकार स्वयं हाई कोर्ट गई थी और विशेष अनुमति प्राप्त की थी। इसका रिकॉर्ड सार्वजनिक है। इसलिए यदि हाई कोर्ट के आदेश के कारण नेहरू स्टेडियम में गैर-खेल कार्यक्रम के लिए न्यायालय की अनुमति आवश्यक है, तो बाद में हुए अन्य बड़े आयोजनों के संबंध में भी प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए कि उनके लिए कौन-कौन सी कानूनी अनुमतियां ली गईं। आज राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए हाई कोर्ट के आदेश का हवाला दिया जा रहा है। तो जनता जानना चाहती है- क्या वही नियम साड़ी वाकेथॉन पर लागू था? क्या वही नियम यूथ वॉक पर लागू था? और यदि लागू था, तो अनुमति की प्रतियां सार्वजनिक करने में सरकार को क्या आपत्ति है? लोकतंत्र में सरकार की सुविधा के अनुसार कानून की अलग-अलग व्याख्या नहीं हो सकती। या तो नेहरू स्टेडियम के नियम सबके लिए एक जैसे हों, या फिर सरकार को स्वीकार करना चाहिए कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के लिए अलग-अलग पैमाने अपनाए जा रहे हैं। गुप्ता ने कहा कि हम मांग करते हैं कि इंदौर नगर निगम और जिला प्रशासन वर्ष 2018 के बाद नेहरू स्टेडियम में आयोजित सभी गैर-खेल कार्यक्रमों की सूची सार्वजनिक करे और प्रत्येक कार्यक्रम के संबंध में यह जानकारी दे-

आयोजन किस संस्था या व्यक्ति ने किया? अनुमति किस प्राधिकरण ने दी? क्या हाई कोर्ट से अनुमति ली गई? यदि ली गई, तो आदेश की प्रति क्या है? यदि अनुमति नहीं ली गई, तो किस कानूनी आधार पर आयोजन हुआ? गुप्ता ने कहा कि हाई कोर्ट का आदेश राहुल गांधी के कार्यक्रम के समय ही याद क्यों आता है? सरकार साड़ी वाकेथॉन और रुद्राक्ष शुक्ला के यूथ वॉक की हाई कोर्ट अनुमति की प्रतियां सार्वजनिक करे। अगर अनुमति ली गई थी तो दिखाइए, और नहीं ली गई थी तो बताइए कि कानून विपक्ष के लिए अलग और सत्ता से जुड़े लोगों के लिए अलग क्यों है?

रविदास जयंती के उपलक्ष्य में समरसता का आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान एवं भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे तथा सिद्धार्थ मलैया के मार्गदर्शन में दमोह विधानसभा क्षेत्र में समरसता एवं कलश वंदन यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के दौरान आनू, बांदकपुर, पिपरिया टिकरी, टिकरी पिपरिया, बलारपुर, बरखेड़ा, छितरा, हिनौता, हलगज, मुडारी, जुड़ार, रेंगरा, अमरछिरिया, सेमरा, दतला, अमाना एवं गांधीग्राम सहित विभिन्न ग्रामों में श्रद्धापूर्वक कलश पूजन एवं सभाओं का आयोजन हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गुरु रविदास महाराज का जीवन और उनके विचार समरसता, समानता एवं सामाजिक एकता का संदेश देते हैं। उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाकर सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। यात्रा में भाजपा नेता छोटेलाल गौतम, सुनील डबुलिया, राजकुमार जैन, भाजपा महामंत्री अरुण तिवारी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष प्रमोद विश्वकर्मा, ब्रजेंद्र अहिवाल, बांदकपुर मंडल अध्यक्ष बृजेश लोधी, अभाना मंडल अध्यक्ष दान सिंह लोधी, दमोह नगर मंडल अध्यक्ष रमाकांत बाजपेई सहित सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गौ संरक्षण अभियान में अपना सहयोग प्रदान कर इसे सफल बनाएं : कलेक्टर

जन्माष्टमी पर्व पर वैष्णवी गोशाला और ग्वारी गोशाला पहुंचे कलेक्टर

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर श्री प्रताप नारायण यादव ने कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर मारुताल स्थित वैष्णवी गौशाला पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण का विधिवत पूजन-अर्चन किया और गौ माताओं का भी पूजन कर केला एवं गुड़ खिलाकर गौ सेवा की। गौ संरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने ग्वारी गौ शाला में भी गौमाता की पूजा कर गुड़ और केला खिलाकर सेवा की। कलेक्टर श्री यादव ने कहा भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि गौमाता मां की तरह वात्सल्य और पोषण की मूर्ति है जो हमें अमृत के समान दूध, दही और घी देती है। भगवान कृष्ण ने अपना बचपन गौ सेवा और गौ पूजा से आरंभ किया जिससे उनका गोपाल और गोविंदा नाम सार्थक हुआ वे समाज के लिए गौ रक्षा और गौ सेवा को सबसे उत्तम धर्म और कर्तव्य मानते थे।

कलेक्टर श्री यादव ने बताया गौ.संरक्षण हेतु जिला प्रशासन द्वारा बलराम जयंती के शुभ अवसर पर श्सड़क से गौशाला की ओरश् विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत सड़कों पर घूमने वाली, निराश्रित और असहाय गौवंश को सुरक्षित रूप से गौशालाओं में पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि अभियान के शुरुआती दो दिनों के भीतर ही लगभग एक हजार गौवंश को गौशालाओं में पहुंचाकर सुरक्षित किया जा चुका है।

दुर्घटनाओं पर रोक और सुरक्षा का उद्देश्य

कलेक्टर ने बताया आए दिन गौवंश के सड़कों पर बैठने से गंभीर दुर्घटनाएं होती हैं जिनमें आम नागरिक घायल होते हैं और गौ माताएं भी जख्मी हो जाती हैं। गौवंश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ही यह अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर ने सभी गौशाला संचालकों से आह्वान किया कि शासन द्वारा दिए गए इस पवित्र कार्य को तन, मन, धन और पूरी ईमानदारी के साथ निभाएं।

भोपाल में सीलिंग का संकट सरकार की 21 साल की नीतिगत विफलता का परिणाम : मुकेश नायक

व्यापारी और रहवासी दोनों परेशान, सरकार बताए-21 साल तक मास्टर प्लान क्यों नहीं बनाया और अब अचानक सीलिंग क्यों ?

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया अध्यक्ष मुकेश नायक ने भोपाल में जारी सीलिंग की कार्रवाई को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल में आज व्यापारी और आम रहवासी जिस संकट का सामना कर रहे हैं, वह अचानक पैदा नहीं हुआ है, बल्कि पिछले 21 वर्षों से मास्टर प्लान लागू न किए जाने और सरकार की स्पष्ट शहरी एवं आवासीय नीति के अभाव का परिणाम है। श्री नायक ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद भोपाल के विभिन्न रिहायशी क्षेत्रों में दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सीलिंग की कार्रवाई की जा रही है। भोपाल के कई क्षेत्रों में व्यापारियों के कारोबार प्रभावित हुए हैं। वर्षों से दुकान चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करने वाले लोगों के सामने अब रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि किसी दुकान पर ताला लगाना केवल एक प्रतिष्ठान को बंद करना नहीं है, बल्कि उससे जुड़े व्यापारी, कर्मचारी, परिवार और छोटे कारोबारियों की पूरी आजीविका प्रभावित होती है। सरकार को यह बताना चाहिए कि जिन लोगों ने वर्षों तक कारोबार किया, वे अचानक अपराधी कैसे हो गए? श्री नायक ने कहा कि दूसरी ओर रहवासी भी पार्किंग, ट्रैफिक, शोर, जल निकासी और सुरक्षा जैसी समस्याओं से परेशान हैं। सरकार की अस्पष्ट नीति ने व्यापारी और रहवासी दोनों को परेशानी में डाल दिया है।

सरकार से कांग्रेस के 10 सीधे सवाल-जब भोपाल का मास्टर प्लान पिछले 21 वर्षों से लंबित है, तो इतने वर्षों तक सरकारों ने इसे लागू क्यों नहीं किया? जब सरकार को पता था कि भोपाल तेजी से फैल रहा है और रिहायशी इलाकों में व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ रही हैं, तो भविष्य की जरूरतों के अनुसार व्यावसायिक क्षेत्र विकसित क्यों नहीं किए गए? यदि आवासीय और व्यावसायिक उपयोग को लेकर सरकार की नीति स्पष्ट थी, तो वर्षों तक इन इलाकों में कारोबार कैसे चलता रहा? जिन व्यापारियों ने वर्षों तक अपनी दुकानें चलाकर परिवार पाले, उनके सामने अचानक रोजी-रोटी का संकट खड़ा करने से पहले सरकार ने कोई वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की? क्या सरकार की जिम्मेदारी केवल दुकानें सील करना है, या वर्षों से चली आ रही इस नीतिगत समस्या का स्थायी समाधान निकालना भी है? 60 फीट और 80 फीट जैसी प्रमुख सड़कों पर लंबे समय से चल रहे कारोबार को व्यवस्थित करने के लिए सरकार की स्पष्ट नीति क्या है? व्यापारियों की मांगों-जैसे 60 फीट सड़कों को अर्ध-व्यावसायिक और 80 फीट सड़कों को व्यावसायिक उपयोग के लिए निर्धारित करने-पर सरकार का क्या रुख है? सीलिंग के कारण जिन दुकानदारों, कर्मचारियों और छोटे व्यापारियों की आय बंद हो गई है, उनकी आर्थिक क्षति और रोजगार की जिम्मेदारी कौन लेगा? यदि मास्टर प्लान अब भी सरकार के लिए प्राथमिकता है, तो उसे लागू करने में पिछले 21 वर्षों की देरी के लिए जिम्मेदार कौन है? सरकार भोपाल के नागरिकों को स्पष्ट करे-क्या उसका उद्देश्य शहर की समस्या का समाधान करना है या बिना वैकल्पिक व्यवस्था के सिर्फ सीलिंग की कार्रवाई करके अपनी जिम्मेदारी से बचना है?

भोपाल के व्यापारी अपराधी नहीं हैं-

श्री नायक ने कहा कि भोपाल के व्यापारी अपराधी नहीं हैं। वर्षों से चल रहे कारोबार को केवल प्रशासनिक कार्रवाई के माध्यम से खत्म करने के बजाय सरकार को ऐसी नीति बनानी चाहिए, जिसमें कानून का पालन भी हो और लोगों की आजीविका भी सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी व्यापारी वर्ग और आम रहवासियों दोनों के साथ खड़ी है। कांग्रेस की मांग है कि सरकार तत्काल सीलिंग से प्रभावित व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करे, वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार करे और भोपाल के लिए स्पष्ट, जनहितैषी एवं व्यावहारिक मास्टर प्लान जल्द लागू करे। श्री नायक ने सरकार से पूछा कि भोपाल को सीलिंग और अव्यवस्था का शहर बनाना है या ऐसा आधुनिक और जनहितैषी शहर बनाना है, जिसमें व्यापारी भी सुरक्षित हों और रहवासी भी?

फर्जी मान्यता रद्द करने, परिणाम जारी करने और भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

नर्सिंग काउंसिल पर एनएसओ का लगातार 28वें दिन धरना जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश नर्सिंग काउंसिल भोपाल पर एनएसओ छात्र संगठन का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन 28वें दिन भी जारी रहा। प्रदर्शन के दौरान संगठन के पदाधिकारियों एवं छात्रों ने राज्य सरकार और काउंसिल प्रबंधन के खिलाफ उग्र नारेबाजी करते हुए अपना विरोध जताया। संगठन के संस्थापक गोपाल पाराशर ने फर्जी मान्यता और अटकी परीक्षाओं को लेकर प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने सरकार और नर्सिंग काउंसिल की अधिकृत मान्यता देखकर ही प्रवेश लिया था, ऐसे में हाईकोर्ट में जारी मामलों और फर्जी कॉलेज आवंटन के लिए छात्र जिम्मेदार नहीं हैं।

2097 यात्रियों पर कार्रवाई, 4.20 लाख से अधिक जुर्माना वसूला

रेल मंडल में स्वच्छता नियमों के उल्लंघन पर कड़ा रुख

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। स्वच्छ भारत मिशन और भारतीय रेल की स्वच्छता नीति के तहत पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल ने रेल परिसरों और ट्रेनों को साफ-सुथरा रखने के लिए विशेष अभियान चलाया है। इस सघन जांच अभियान के दौरान स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 2097 यात्रियों के खिलाफ रेलवे अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई की गई, जिससे रेलवे राजस्व के रूप में 4,20,200 से अधिक का जुर्माना वसूला गया। मंडल रेल प्रशासन द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, केवल अगस्त माह में ही गंदगी फैलाने वाले 726 यात्रियों पर कार्रवाई कर 1,45,200 का जुर्माना वसूला गया।

ग्वारीघाट में तेज बहाव के बीच डूबी होमगार्ड की मोटरबोट

नाविकों और जवानों की सूझबूझ से बची जानें, ओवरलोडिंग और इंजन में खराबी बनी वजह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

बरगी बांध के गेट खुलने के बाद नर्मदा नदी के उफान और तेज बहाव के बीच शुक्रवार को ग्वारीघाट पर एक बड़ा हादसा टल गया। ग्वारीघाट में सुरक्षा एवं पेट्रोलिंग में तैनात होमगार्ड जवानों की मोटरबोट अचानक नदी के बीचों-बीच डूब गई। गनीमत यह रही कि स्थानीय नाविकों की मुस्तैदी और जवानों के तैरने की वजह से सभी जवानों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। जानकारी अनुसार बरगी बांध से पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा के सभी घाटों पर हाई अलर्ट जारी किया गया है। इसी के तहत होमगार्ड की टीम मोटरबोट से ग्वारीघाट क्षेत्र में गश्त लगा रही थी। इसी दौरान अचानक बोट का इंजन बंद हो गया। नदी के तेज बहाव और इंजन खराब होने के कारण बोट में तेजी से पानी भरने लगा और वह देखते ही देखते नदी के बीच में डूबने लगी।

नाविकों ने दिखाई तत्परता, सुरक्षित निकाले गए जवान

नाव डूबते ही जवानों में हड़कंप मच गया। कुछ जवानों ने तैरकर अपनी जान बचाई, वहीं घाट पर मौजूद स्थानीय नाविकों ने तुरंत अपनी नावें लेकर मौके पर पहुंचकर बाकी जवानों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। ग्वारीघाट पुलिस और शुरुआती जांच के अनुसार, मोटरबोट चलाने की जिम्मेदारी जवान भानु की थी।

बोट की स्वीकृत क्षमता केवल 4 लोगों की थी, लेकिन हादसे के वक्त उसमें करीब 16 जवान सवार थे। क्षमता से अधिक जवानों का सवार होना भी हादसे का कारण बताया जा रहा है।

अधिकारियों ने दिए जांच के आदेश

घटना की सूचना मिलते ही ग्वारीघाट थाना पुलिस और होमगार्ड के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। बोट की क्षमता से दोगुने जवान बैठाने और आपातकालीन सुरक्षा व्यवस्था में चूक को लेकर होमगार्ड अधिकारियों ने मामले की विभागीय जांच के आदेश दे दिए हैं। घटना के बाद तत्काल ही अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लेकर जवानों से घटना की जानकारी ली। प्रारंभिक जांच में इंजन में खराबी आने के बाद बोट में पानी भरने की बात सामने आई है। फिलहाल पुलिस और होमगार्ड विभाग द्वारा हादसे के कारणों तथा सुरक्षा मानकों की जांच की जा रही है। हादसे में सभी जवानों के सुरक्षित बचने से अधिकारियों ने राहत की सांस ली, लेकिन क्षमता से दोगुने जवानों को मोटरबोट में बैठाए जाने का मामला अब जांच का अहम बिंदु बन गया है।

शीघ्र करें ट्रांसमिशन लाइन की क्षमता वृद्धि का कार्य: एमडी सुनील तिवारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत मध्य प्रदेश शासन के उपक्रम मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको)के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने कटनी 400 केवी सबस्टेशन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने 400 केवी सब स्टेशन से प्रदेश के तीसरे सबसे पुराने 132 केवी सबस्टेशन शांति नगर कटनी के लिए ट्रांसमिशन लाइन की क्षमता वृद्धि के कार्य की समीक्षा की। उन्होंने कटनी शहर के साथ 132 केवी सबस्टेशन स्लीमनाबाद,ढीमरखेडा एवं मनसकरा के लिए बेहद उपयोगी इस लाइन की क्षमतावृद्धि के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुराने कम क्षमता के कंडक्टर को अधिक क्षमता के आधुनिक तकनीक के एचटीएलएस कंडक्टर से बदलने के कारण अब 132 केवी सबस्टेशन कटनी में पहले के मुकाबले तीन गुनी अधिक सप्लाई उपलब्ध रहेगी अत: अधिकारी इस कार्य की गंभीरता को देखते हुए शीघ्र पूरा करने का प्रयास करें।

प्रबंध संचालक ने इसके अलावा 400 केवी सबस्टेशन कटनी में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की भी समीक्षा कर उनकी प्रगति की जानकारी ली। 132 केवी सबस्टेशन स्लीमनाबाद एवं डीमरखेड़ा के लिए बनाये जा रहे दूसरे सर्किट के निर्माण कार्य की धीमी गति पर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया और इसे भी प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत एमपीट्रांसको एमडी ने किया 400 केवी सबस्टेशन का निरीक्षण

रबी सीजन से पूर्व पोस्ट मानसून मेंटेनेंस पूरा करें

प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने उपस्थित मुख्य अभियंता टेस्टिंग श्री एम वाय मंसूरी को निर्देश दिए कि आगामी रबी सीजन के पहले ही सबस्टेशन के सभी पोस्ट मानसून मेंटेनेंस के कार्य पूरे कर लिए जाएं ताकि बिरसिंहपुर जनरेटिंग स्टेशन से आने वाली 700 मेगावाट एवं सतना से मिलने वाली 50 मेगावाट बिजली का समुचित उपयोग हो सके। उन्होंने कहा कि 400 केवी सबस्टेशन में चल रहे महत्वपूर्ण उपकरणों की शिफ्टिंग का कार्य पूरी सजगता, सुरक्षा मानकों का पूरा पालन करते हुए सर्वोच्च गुणवत्ता के साथ किया जाये।

उन्होंने रेलवे के लिए एक अतिरिक्त ट्रैक्शन फीडर तैयार करने की संभावनाओं के बारे में भी विचार विमर्श किया. उन्होंने सब स्टेशन में कार्यरत आउट सोर्स कर्मियों से भी संवाद किया।

किराना व्यापारी पर चाकू से हमला करने वाले बदमाश गिरफ्तार

रांझी पुलिस ने चांदमारी क्षेत्र से दबोचा, निकाला जुलूस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी में एक किराना व्यापारी पर चाकू चलाने के बाद आरोपी राज और शिवा चांदमारी में दोस्त निखिल गोटिया के घर पर फरारी काट रहे थे। पुलिस ने इस वारदात में मुख्य आरोपी नितिन साहू को पूर्व में गिरफ्तार किया था।

थाना प्रभारी रांझी उमेश गोल्हानी ने बताया कि रांझी के किराना व्यापारी अभिषेक श्रीपाल पर चाकू से हमला करने के बाद आरोपी फरार हो गए थे। चाकूबाजी में घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पीड़ित की निशानदेही पर मामला दर्ज करके आरोपी नितिन को पूर्व में ही गिरफ्तार किया था। इसमें आरोपी मानेगांव निवासी राज चौधरी और शिवा राणे को पुलिस ने गुरूवार रात पकड़ा था, जिनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी राज एवं शिवा ने पूछताछ पर घटना के बाद चांदमारी घमापुर निवासी अपने साथी निखिल गोटिया के घर पर शरण लेकर फरारी काटना बताया। प्रकरण में फरार आरोपियों को अपने मकान में आश्रय देने वाले निखिल गोटिया की तलाश की जो फरार होना पाया गया, जिसके विरूद्ध कार्यवाही करते हुये प्रकरण में धारा इजाफा की गई एवं आरोपी शिवा राणे के पास चाकू मिलने से चाकू जप्त करते हुये शिवा राणे के विरूद्ध पृथक से आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

घटनास्थल पर निकाला जुलूस

जानकारी अनुसार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी के नेतृत्व में पुलिस बल ने दोनों आरोपियों को उसी गांधी चौक इलाके में ले जाकर जुलूस निकाला, जहां उन्होंने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया था। इस दौरान आरोपियों ने हाथ जोड़कर आम जनता और व्यापारियों से अपने किए की माफी मांगी तथा भविष्य में अपराध न करने की कसम खाई। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से स्थानीय व्यापारियों और आम नागरिकों में सुरक्षा का संदेश गया है।

पिता-पुत्र पर बमों से हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

घमापुर में गोपाल होटल के पास चार बदमाशों ने एक पिता-पुत्र पर पत्थर बरसाते हुए बम फेंके। दोनों ने अपने घर में घुसकर जान बचाई। चारों बदमाश इसके बाद भी घर का दरवाजा पीटते रहे लेकिन दोनों ने दरवाजा नहीं खोला। इस मामले की पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस आरोपियों की छानबीन कर रही है। घमापुर पुलिस ने बताया कि रामकुमार बेन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मजदूरी करता है।

गुरूवार शाम लगभग शाम लगभग 5 बजे अपने घर से रोड तरफ बेटे सुरेन्द्र को बुलाने गया था। देखा उसके बेटे सुरेन्द्र को हानी, शनि, मनि और चिन्ना खदेड़ रहे थे। उसका बेटा सुरेन्द्र व वह घर की तरफ भाग तो चारों ईंट पत्थर उसके घर की तरफ फैंके तथा सुअर मार बम फेंके, जो घर के पास फूटे। वह अपने परिवार के साथ घर के अंदर चला गया। चारों उसके घर के दरवाजे पीटते रहे।

शहर में पीएम ई-बस सेवा का हुआ सफल ट्रायल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी के जन-परिवहन तंत्र को आधुनिक, स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। शहर में 'पीएम ई-बस सेवा' का भव्य ट्रायल सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह एवं महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने स्वयं बस में सवारी कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। ट्रायल के दौरान सिविल लाइन चैक से गोरखपुर मार्ग तक वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बस का संचालन किया गया। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह और महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने सिविल लाइन से गोरखपुर तक सफर कर ई-बस की तकनीक, सीटिंग और यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की। इस मौके पर मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि यह ई-बस सेवा संस्कारधानी के नागरिकों के लिए एक बड़ी सौगात साबित होगी, जो शहर को प्रदूषण मुक्त और सुगम यातायात प्रदान करेगी। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा कि पीएम बस योजना अंतर्गत आज 10 बसों के साथ ट्रायल रन शुरू हुआ जिसमें मार्ग क्रमश: ई-1 मदर टेरेसा नगर से रांझी घाना वाया घमापुर के लिए 5 बसें एवं ई-9 आई.एस.बी.टी. से भेड़ाघाट वाया अंधमूक बायपास तक 5 बसें आज संचालित की गयी। वहीं कल से दोनों रूटों में 20 बसों का संचालन किया जायेगा।

ई बस सेवा अंतर्गत संचालित ई-बस की सुविधाएँ - महापौर ने बताया कि ई-बस सेवा अंतर्गत बस में स्वाचालित पैसेंजर अनाउंसमेंट सिस्टम यात्रियों को अगले बस स्टॉप की जानकारी देता है। रूट डिस्प्ले सिस्टम दृ रूट नंबर, एवं यात्रा से जुड़ी दूसरी जानकारी दिखाता है।

व्हीलचेयर लिफ्ट दृ दिव्यांग यात्रियों के लिए आसानी से बस में चढ़ने की सुविधा देता है। सीटिंग कैपेसिटी व ऑटोमैटिक डोसरू बस में 25 सीटें हैं चढ़ने-उतरने के लिए 2 ऑटोमैटिक दरवाजे हैं जो केवल तय बस स्टॉप्स पर ही खुलेंगेध्बंद होंगे।

50 हजार न देने पर भाई पर हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अधारताल के नेता कॉलोनी में रहने वाले एक भाई पर दूसरे भाई ने सिर्फ इस बात पर हमला कर दिया कि उसने भाई से 50 हजार रूपए मांगे थे। भाई ने पैसे देने से मना कर दिया था। मौके पर अपशब्द करते हुए भाई ने अपने ही भाई पर नुकीली चीज से हमला कर दिया और भाग गया।

अधारताल पुलिस ने बताया कि गुरूवार रात नेता कॉलोनी निवासी वसीम मंसूरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह आलमारी बनाने का काम करता है। वह अपनी दुकान बहोराबाग में था। तभी दोपहर लगभग 1-30 बजे पत्नी ने फोन कर बताया कि मोहसिन बुला रहा है। वह घर आया तो भाई मोहसिन उससे 50 हजार रूपये की मांग करने लगा। रूपये देने से मना करने पर गाली गलोज करते हुये किसी नुकीली चीज से हमला करने लगा। उसने बचाव किया, जिससे उसके हाथ में चोट आयी। मारपीट कर उसका भाई मोहसिन जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया।

अवकाश दिनों में भी करदाता बकाया करों की राशि कर सकेंगे जमा

30 सितंबर तक संपत्ति कर में मिलेगी 6.25 % की छूट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

नगर निगम ने करदाताओं को कर भुगतान में सुलभता प्रदान करने और समय पर छूट का लाभ पहुँचाने के लिए करदाता-हितैषी निर्णय लिया है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि आगामी अवकाश दिवसों में भी नगर निगम के कैश काउंटर पूरी तरह चालू रहेंगे, ताकि करदाताओं को कर जमा करने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। शहर के नागरिकों को समयबद्ध तरीके से संपत्ति कर जमा करने पर 6.25 प्रतिशत की विशेष छूट दी जा रही है। इस रियायत का लाभ उठाने की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की गई है। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, राजस्व प्रभारी डॉ. सुभाष तिवारी एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने करदाताओं से समय सीमा का ध्यान रखते हुए इस आकर्षक छूट का अधिक से अधिक लाभ उठाने अपील की है। इसके साथ ही, समाज के सम्मानित वरिष्ठ नागरिकों का ध्यान रखते हुए नगर निगम ने जल शुल्क में 25 प्रतिशत की बड़ी छूट देने का भी प्रावधान किया है। इस कदम से शहर के बुजुर्गों को सीधा आर्थिक संबल मिलेगा। छुट्टियों के दिनों में भी कैश काउंटर खुले रहने से कामकाजी व अन्य नागरिक बिना किसी हड़बड़ी के अपना कर जमा कर सकेंगे।

30 बच्चों की मौत की जनहित याचिका पर हाईकोर्ट का सख्त रुख

बच्चों की मौत के दावे पर कहा- पहले धरातल पर जाकर जांचें हकीकत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

बालाघाट जिले में 30 बच्चों की मौत के दावे को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया व न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने कहा कि महज समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के आधार पर जनहित याचिका दाखिल करना उचित नहीं है। ऐसे गंभीर मामले में पहले मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति का पता लगाना आवश्यक है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता अधिवक्ता को निर्देश दिए कि वे बालाघाट के प्रभावित क्षेत्रों में जाकर वास्तविक स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लें, तथ्यों की पड़ताल करें और अपनी रिपोर्ट न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करें। इसके बाद ही याचिका पर आगे विचार किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई नौ सितंबर 2026 को निर्धारित की गई है। नरसिंहपुर जिले के करेली निवासी अधिवक्ता अंशुल तिवारी ने यह जनहित याचिका दाखिल की है। याचिका में दावा किया गया है कि बालाघाट जिले के बैहर और बिरसा क्षेत्रों में मलेरिया, खसरा और कुपोषण के कारण हाल में 30 बच्चों की मौत हुई है। साथ ही प्रभावित बच्चों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं नहीं मिलने का आरोप लगाया गया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिका के आधार पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता नरसिंहपुर में रहते हैं और बालाघाट की घटना को लेकर मुख्य रूप से समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के आधार पर न्यायालय पहुंचे हैं। न्यायालय ने कहा कि पहले प्रभावित क्षेत्र में जाकर वहां की वास्तविक परिस्थितियों और तथ्यों की जानकारी जुटाई जानी चाहिए थी।

50 बिस्तरों के अस्पताल में 400 बच्चों के इलाज का दावा

याचिकाकर्ता की ओर से हाई कोर्ट को बताया गया कि क्षेत्र में 50 बिस्तरों की क्षमता वाले अस्पताल में करीब 400 बच्चों का इलाज किया जा रहा है। याचिका में इसे गंभीर स्थिति बताते हुए हाई कोर्ट से हस्तक्षेप करने और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर आवश्यक निर्देश जारी करने की मांग की गई है। हालांकि, हाईकोर्ट ने इन दावों पर तत्काल कोई आदेश देने के बजाय पहले वास्तविक स्थिति की पुष्टि को जरूरी माना। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि समाचार पत्रों में प्रकाशित जानकारी और मौके की वास्तविक परिस्थितियों में अंतर हो सकता है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को बैहर और बिरसा क्षेत्र में जाकर स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लेने तथा बच्चों की मौत, बीमारी, कुपोषण, अस्पतालों की क्षमता और चिकित्सा सुविधाओं से जुड़े तथ्यों की पुष्टि करने के निर्देश दिए हैं। अब नौ सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई में याचिकाकर्ता की ओर से पेश की जाने वाली वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट महत्वपूर्ण होगी। इसी रिपोर्ट के आधार पर हाई कोर्ट जनहित याचिका में उठाए गए मुद्दों पर आगे की कार्रवाई और आवश्यक निर्देशों पर विचार करेगा।

छात्र से मोबाइल लूट ले गये बदमाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

बीएड की परीक्षा देकर सेंटर से बाहर निकले छात्र का मोबाइल छीनकर अज्ञात बाईकर भाग गया। सिविल लाइन क्षेत्र में यह वारदात शाम के समय भीड़ भरे इलाके में हुई है। पुलिस मामला दर्ज करके सीसीटीवी फुटेज की छानबीन कर रही है। सिविल लाइन पुलिस ने बताया कि सिवनी के डिवटी गांव के रहने वाले नीरज उइके ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह पढ़ाई करता है। 3 सितंबर को वह नवयुग कॉलेज में बीएड की परीक्षा देकर शाम लगभग 6-30 बजे मालगोदाम चौक छोले भटूरे दुकान के पास रोड में खड़े होकर मोबाइल पर बात कर रहा था। तभी पीछे से काले रंग की मोटर सायकल में एक लड़का आया और झपट्टा मारते हुये उसके हाथ से उसका मोबाइल कीमती लगभग 10 हजार रूपये का छीनकर भाग गया।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**